

100 बार शादी के लिए पूछा...', रश्मिका को लेकर विजय देवरकोंडा के बयान से भड़के लोग, एक्टर को बुलाया 'रेड फ्लैग'


# रॉयल बुलेटिन

तापमान - अधिक्तम - 32
न्यूनतम - 19

प्रातः कालीन हिन्दी दैनिक

Royal Bulletin को ऑनलाइन पढ़ने के लिए QR Code SCAN करें

● वर्ष 42, ● अंक 294 RNI NO.43285/85 ● संस्करण- नगर ● मुजफ्फरनगर शुक्रवार 23 अक्टूबर 2026 ● आश्विन शुक्ल 13 विक्रमी संवत ● पृष्ठ12 ● मूल्य 4 रूपया


## संक्षिप्त समाचार

### बिहार की 8 एमएलसी सीटों पर वोटिंग आज

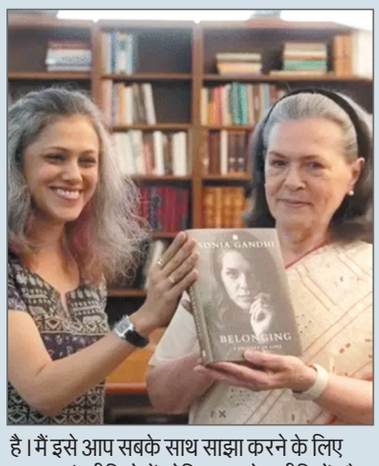
**पटना (एजेंसी)।** बिहार की राजनीति में भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के सामने एक नई और बड़ी चुनावी परीक्षा आ खड़ी हुई है। राज्य में सम्राट चौधरी के नेतृत्व में आने के बाद भाजपा को हालिया चुनावों में लगातार दो करारे झटके लगे हैं। आरा विधान परिषद चुनाव में मुख्य विपक्षी दल राष्ट्रीय जनता दल ने परचम लहराया। वहीं, बांकीपुर उपचुनाव में प्रशांत किशोर ने भाजपा प्रत्याशी को हराकर बड़ा उलटफेर कर दिया। इन दो लगातार पराजयों के बाद अब राज्य की 8 एमएलसी सीटों पर मतदान शुक्रवार को होना है। ऐसे में ये चुनाव



सम्राट चौधरी के राजनीतिक प्रभाव और चुनावी रणनीति के लिए बेहद निर्णायक माना जा रहा है। हाल के स्थानीय और उपचुनावों में भाजपा को अपने पारंपरिक प्रभाव वाले क्षेत्रों में भी हार का स्वाद चखना पड़ा है। आरा एमएलसी सीट पर जहां राजद ने सफलता पाई, वहीं बांकीपुर उपचुनाव में जन सुराज पार्टी के चीफ और उम्मीदवार प्रशांत किशोर ने जीत दर्ज करके भाजपा के पारंपरिक गणित को ध्वस्त कर दिया। बांकीपुर की हार को भाजपा के लिए बड़ा सेटबैक माना गया था। इस बार एमएलसी चुनाव में प्रशांत किशोर की एंट्री ने गुमनाम चुनाव को हाई प्रोफाइल बना दिया है। दो प्रमुख सीटों पर मिली पराजय के बाद अब प्रदेश की नजरें कल के चुनाव पर टिकी हुई हैं।

### सोनिया गांधी पहली बार सोशल मीडिया पर

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने गुरुवार को पहली बार अपना इंस्टाग्राम अकाउंट बनाया। उन्होंने अपनी पहली पोस्ट में आने वाली किताब का वीडियो शेयर किया। यह किताब 10 नवंबर को लॉन्च होगी। सोनिया ने पहली पोस्ट गुरुवार सुबह 9 बजे की थी। इसमें लिखा कि नमस्कार, मैं अपनी किताब आप सभी के साथ साझा करके खुश हूं। यह प्यार, कर्तव्य, अपनों को खोने और अपनेपन की जगह तलाशने की कहानी




है। मैं इसे आप सबके साथ साझा करने के लिए उत्सुक हूं। वीडियो में सोनिया अपने करीबियों और बेटी प्रियंका गांधी के साथ नजर आ रही हैं। इस दौरान प्रियंका ने मां को मिठाई भी खिलाई। किताब में राजीव गांधी से मुलाकात का भी जिक्र किताब में सोनिया ने इटली में बिताए बचपन से लेकर कैंब्रिज में राजीव गांधी से मुलाकात तक का जिक्र किया है। इसमें नेहरू-गांधी परिवार में शादी और परिवार में हुई हत्याओं के बाद बदली जिंदगी के बारे में लिखा है। किताब की शुरुआत युद्ध के बाद इटली के वेनेटो क्षेत्र में सोनिया के बचपन से होती है। इसके बाद किताब में उनके कैम्ब्रिज जाने और राजीव गांधी से मुलाकात का जिक्र है।

# फ्रांस दंगों से जुड़े सीईसी के खिलाफ प्रदर्शनों के तार

● रिपोर्ट में बड़ा दावा-चीन में बैठा सिंघम कर रहा फंडिंग ● 9 देशों के 101 संगठनों तक फैला है सीक्रेट नेटवर्क

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** फ्रांस में हुए दंगों और भारत में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर हो रहे प्रदर्शनों के बीच कनेक्शन का दावा किया गया है। अमेरिकी न्यूज चैनल फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट में 9 देशों के 101 संगठनों के नेटवर्क का जिक्र है। रिपोर्ट के मुताबिक, ये संगठन अलग-अलग देशों में प्रदर्शनों के आयोजन, उनके बीच तालमेल बनाने या उन्हें बढ़ावा देने में भूमिका निभा रहे हैं। इसमें फ्रांस के इंडियन अलायंस पेरिस और प्रोग्रेसिव इंटरनेशनल जैसे संगठनों का भी नाम है। रिपोर्ट में चीन के शंघाई में रहने वाले अमेरिकी मूल के कारोबारी नेविल रॉय सिंघम पर कुछ वामपंथी संगठनों को आर्थिक मदद देने का दावा भी किया गया है। रिपोर्ट में फ्रांस में आगे होने वाले प्रदर्शनों और 20 नवंबर को प्रस्तावित इंटरनेशनल यूथ स्ट्राइक का भी जिक्र है।

**फ्रांसीसी कम्युनिस्ट पार्टी से संबंध का दावा-** फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट 'ग्लोबल केऑस इंक ग्रोज टू 101 ग्रुप्स' में इंडियन अलायंस पेरिस और मैनहैटन स्थित पीपल्स फोरम के बीच साझेदारी का जिक्र किया गया है। रिपोर्ट के



मुताबिक, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म डिसइन्फोलैब ने अपनी एक पोस्ट में दावा किया कि कंपनी के सचिव जॉय बनर्जी फ्रांस की ट्रेड यूनियन के पूर्व प्रतिनिधि रह चुके हैं और उनके फ्रांसीसी कम्युनिस्ट पार्टी से संबंध हैं। रिपोर्ट में प्रोग्रेसिव इंटरनेशनल नाम के अंतरराष्ट्रीय संगठन का भी जिक्र है।

### 101 संगठनों में 33 छात्र और युवा समूह

रिपोर्ट के मुताबिक, 9 देशों में फैले 101 संगठनों में से 33 का नेतृत्व छात्रों या युवाओं के हाथ में है। बाकी संगठनों का नेतृत्व मुख्य रूप से वयस्क करते हैं। रिपोर्ट में वामपंथी, कम्युनिस्ट और समाजवादी समूहों के साथ छात्र संगठनों का भी जिक्र है। रिपोर्ट में इस नेटवर्क को 'रेड-ग्रीन प्रोटेस्ट इकोसिस्टम' नाम दिया गया है। इसमें 'रेड' का संबंध कम्युनिस्ट और समाजवादी समूहों से, जबकि 'ग्रीन' का संबंध इस्लामी संगठनों से बताया गया है। रिपोर्ट में फ्रांस के कुछ ऐसे समूहों का भी जिक्र है, जो 'एंटीफा' नाम का इस्तेमाल करते हैं।

# सेना के लिए 770 करोड़ के रडार खरीदेगा भारत

● फाइटर जेट और छोटे ड्रोन को पहचानकर करेंगे ट्रैक

हवाई खतरों से निपटने में मदद मिलेगी, बड़ी उपलब्धि

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** रक्षा मंत्रालय ने भारतीय सेना की हवाई सुरक्षा मजबूत करने के लिए बुधवार को भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के साथ करीब 770 करोड़ रुपए की डील की है। इसके तहत इम्प्रूव्ड लो लेवल लाइट वेट रडार खरीदे जाएंगे। ये रडार फाइटर जेट के साथ बेहद छोटे ड्रोन का भी पता लगाकर उनकी गतिविधियों को ट्रैक कर सकेंगे। ये रडार हवाई लक्ष्यों की पहचान कर यह भी तय कर सकेंगे कि किस खतरे पर पहले ध्यान देना जरूरी है। इससे दुश्मन के ड्रोन से निपटने में सेना को मदद मिलेगी। साथ ही, देश की हवाई सुरक्षा मजबूत होगी और भारत में रक्षा उपकरण बनाने को बढ़ावा मिलेगा।



**वायुसेना को मिलेगा 2,563 करोड़ का संचार उपग्रह-** मंत्रालय ने न्यू स्पेस इंडिया लिमिटेड के साथ जीसैट-7ए संचार उपग्रह के लिए 2,563 करोड़ रुपए का करार किया। स्वदेशी रूप से विकसित इस उपग्रह से वायुसेना के विमानों और अन्य संसाधनों के बीच सुरक्षित और बेहतर संचार व्यवस्था मजबूत होगी। भारत डायनेमिक्स लिमिटेड के साथ 1,543 करोड़ रुपए का करार किया गया। इसके तहत नौसेना के लिए स्वदेशी वरुणास्त्र हेवी वेट टॉरपीडो खरीदे जाएंगे। इन्हें जहाज से दागकर दुश्मन की पनडुब्बियों को निशाना बनाया जा सकता है। इससे नौसेना की पनडुब्बी रोधी युद्ध क्षमता बढ़ेगी।

### स्वदेशी रक्षा निर्माण को मिलेगा बढ़ावा

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड से करीब 770 करोड़ रुपए के रडार खरीदने का करार देश में रक्षा उपकरणों के निर्माण को बढ़ावा देगा। इससे घरेलू रक्षा उद्योग और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को भी अवसर मिलने की उम्मीद है। यह पहल आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया के लक्ष्यों के अनुरूप है। रक्षा मंत्रालय ने भारतीय वायुसेना और नौसेना की क्षमता बढ़ाने के लिए करीब 4,106 करोड़ रुपए के दो रक्षा करार किए। इनमें वायुसेना के लिए संचार उपग्रह और नौसेना के लिए पनडुब्बी रोधी टॉरपीडो की खरीद शामिल है।

### जेल में आजम खान से मिले अखिलेश यादव

**रामपुर (एजेंसी)।** सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गुरुवार को रामपुर जेल में बंद आजम खान से मुलाकात की। दोनों के बीच एक घंटे तक बाचतीत हुई। जेल में मुलाकात करने के बाद सपा प्रमुख ने भाजपा पर जमकर हमला बोला।



उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी का लक्ष्य स्पष्ट है, हमारा सीधा उद्देश्य भारतीय जनता पार्टी को हराना है, और समाजवादी पार्टी का हर कार्यकर्ता इसे हासिल करने के लिए काम करने को तैयार है। उन्होंने कहा कि बीजेपी नेताओं को लगता है कि इस बार उनका पूरी तरह सफाया होने वाला है। बीजेपी को न केवल हार का सामना करना पड़ेगा, बल्कि उत्तर प्रदेश की जनता इस पार्टी को राज्य से हमेशा के लिए खत्म कर देगी।

# हेलीकॉप्टर्स ने गंगा के ऊपर दिल बनाया

आसमान से बरसाए फूल



**वाराणसी (एजेंसी)।** शिव की नगरी काशी में नमो घाट पर आसमान में बृहस्पतिवार की सुबह एक साथ सैकड़ों विमानों ने उड़ान भरी तो हजारों निगाहें आसमान पर टिक गईं। कुछ ही पलों में विमान नीचे आए, तेजी से पलटे और फिर ऊंचाई की ओर बढ़ गए।

विमानों की लकीरों ने आसमान में तिरंगे की आकृति बनाई तो दर्शक रोमांचित हो उठे। गंगा के ऊपर आसमान में पहली बार काशी वायुसेना के शौर्य की साक्षी बनी। इस दौरान राफेल, सुखोई-30 एमकेआई, मिराज-2000 और तेजस जैसे लड़ाकू विमानों ने अपनी रफ्तार और युद्धक क्षमता का प्रदर्शन किया। एयर शो देखने के लिए नमो घाट से लेकर अस्सी व दशाश्वमेध के साथ ही सभी घाटों पर लोगों की भीड़ रही। इस दौरान लोगों ने आंखों के सामने विमानों का करतब देख कहा कि ये पल ऐतिहासिक है। बच्चों में काफी उत्साह दिखा। बता दें कि एयर शो में देश के 12 एयरबेस से 100 लड़ाकू विमान उड़ान भरेंगे। इनमें 52 लड़ाकू, 15 परिवहन, एक विंटेज विमान और 32 हेलीकॉप्टर शामिल रहेगा। भारतीय वायुसेना का गरुड़ विशेष बल भी प्रदर्शन का हिस्सा होगा।

### जम्मू-कश्मीर में सुरक्षाबलों का बड़ा ऐक्शन-कार्रवाई

● दो संदिग्ध आतंकी मददगारों को किया गिरफ्तार ● तुर्किये में बनी एक पिस्टल और दो आईईडी बरामद

**बारामूला (एजेंसी)।** जम्मू-कश्मीर के बारामूला में सुरक्षाबलों ने दो संदिग्ध आतंकी सहयोगियों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से तुर्किये में बनी एक कनिक पिस्टल, 10 कारतूस वाली मैगजीन और दो आईईडी बरामद हुए हैं। पिछले 60 दिनों में ऐसी 18 आतंकी सहयोगियों को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों के मुताबिक, दोनों ओवरग्राउंड वर्कर के तौर पर काम कर रहे थे। उन पर आतंकियों तक हथियार और विस्फोटक पहुंचाने में मदद करने का शक है। दोनों सोपोर के चिंकीपोरा के रहने वाले हैं। खुफिया सूचना के आधार पर सेना की 52 राष्ट्रीय राइफल्स और बारामूला पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई कर दोनों को डेलिना घाट के पास डारपुरा नर्सरी इलाके से गिरफ्तार किया। इस कार्रवाई को कश्मीर घाटी में आतंकी गतिविधियों पर रोक लगाने की दिशा में अहम कामयाबी माना जा रहा है।

# अगले 30 साल तक आपका नंबर नहीं आने वाला: शाह

● वोट चोरी के आरोपों पर राहुल गांधी को अमित शाह की दो टूक

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** यमुना नदी के पुनरुद्धार के लिए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने गुरुवार को 8,941 करोड़ की लागत वाली दिल्ली जल बोर्ड की कई परियोजनाओं का उद्घाटन किया और उनकी आधारशिला रखी। इस दौरान अमित शाह ने कांग्रेस और आम आदमी पार्टी की पूर्व सरकारों



पर सीवर का पानी यमुना में छोड़ने का आरोप लगाया। साथ ही उन्होंने विपक्ष के वोट चोरी और एसआईआर को मुद्दे को लेकर पलटवार भी किया। अमित शाह ने कहा, दिल्ली में एक अलग खेल चल रहा है। राहुल गांधी पर तंज कसते हुए अमित शाह ने कहा, राहुल जी आपको और आपके साथियों को पूरा देश समझ रहा है और समझ गया भी है। वोट चोरी, वोट चोरी करकर आप घुसपैठियों को वोटर बनाना चाहते हो, उनका वोट बचाना चाहते हो। देश में यह नहीं चलेगा। अगले 30 साल आप नहीं आएंगे।

### कभी ईवीएम तो कभी वोट चोरी का बहाना

शाह ने कहा, आज इस मंच से मैं कांग्रेस पार्टी और उनके साथियों को कहना चाहता हूं कि कभी ईवीएम का बहना लाते हो, कभी वोट चोरी का बहना लाते हो, मगर मैं आपको बताता हूं, बीजेपी की केंद्र में मोदी सरकार बनने के पहले से आप कभी भी कई राज्यों में चुन कर नहीं आएं। गुजरात में 41 साल से आपकी सरकार नहीं बनी, एक भी चुनाव नहीं जीते।

### सऊदी के एयरपोर्ट तेल ठिकाने पर हूती विद्रोहियों का हमला

● 1 भारतीय समेत 3 की मौत, 10 घायल, 16 दिन में यहां 6 बड़े हमले

**रियाद (एजेंसी)।** सऊदी अरब में बुधवार देर रात एक एयरपोर्ट और एक तेल ठिकाने पर हुए हमलों में एक भारतीय समेत 3 लोगों की मौत हो गई। वहीं 10 लोग घायल हुए हैं। इसमें 3 भारतीय भी हैं। दम्माम शहर के किंग फहद इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर हमले में एक भारतीय की मौत हुई। वहीं दो भारतीयों समेत 8 लोग घायल हुए। वहीं, अरामको के तेल ठिकाने पर ड्रोन हमले में नेपाल और फिलीपींस के एक-एक नागरिक की जान गई। यहां एक भारतीय समेत 2 लोग घायल हुए। इस महीने हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब पर 6 बड़े हमले किए हैं।



# पुलवामा में खुला आरएसएस का पहला स्थायी कार्यालय

● प्रभारी बोले-बच्चे अब यहां पत्थर नहीं, किताबें उठा रहे ● 2019 में यहां सीआरपीएफ पर अटैक, 40 जवान शहीद हुए

**पुलवामा (एजेंसी)।** राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े भारतीय मजदूर संघ ने बुधवार को दक्षिण कश्मीर के पुलवामा जिले के बारसू में अपना पहला स्थायी कार्यालय खोला है। इसे घाटी में संगठन की गतिविधियों के विस्तार की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। आरएसएस के कश्मीर प्रभारी समीर कुचे ने कहा कि कार्यालय खुलना बदले हुए कश्मीर की तस्वीर है। उनके मुताबिक, अब बच्चे-युवा पत्थर उठाने के बजाय किताबें थामना चाहते हैं। वहीं, आरएसएस के अखिल भारतीय संगठन मंत्री बी. सुरेंद्रन ने कहा कि स्थायी कार्यालय से संगठन की गतिविधियों के समन्वय और कार्यकर्ताओं व स्थानीय लोगों से संपर्क बढ़ाने में मदद मिलेगी। पुलवामा में जैश, लश्कर और हिजबुल की सक्रियता रही है। बुरहान वानी, जाकिर मूसा और आदिल अहमद डार



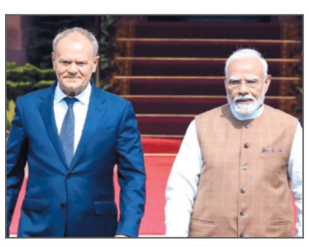
जैसे आतंकी इसी जिले से आते हैं। 2019 में यहां सीआरपीएफ काफिले पर हमले में 40 जवान शहीद हुए थे। **संघ की घाटी में गतिविधियां बढ़ाने की तैयारी-** दक्षिण कश्मीर के पुलवामा में संघ के स्थायी कार्यालय का उद्देश्य घाटी में संगठन की गतिविधियों को व्यवस्थित करना और स्थानीय लोगों से संपर्क बढ़ाना है। कार्यालय के जरिए कार्यकर्ताओं के बीच समन्वय मजबूत करने और जमीनी स्तर पर जुड़ाव बढ़ाने की योजना है। पुलवामा जिला लंबे समय से आतंकवाद और सुरक्षाबलों के अभियानों को लेकर चर्चा में रहा है। यहां जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा और हिजबुल मुजाहिदीन जैसे आतंकी संगठनों की गतिविधियां रही हैं। इन संगठनों पर स्थानीय युवाओं को भर्ती करने और सीमा पार से समर्थन मिलने के आरोप रहे हैं। पुलवामा जिला 1979 में बना था। इसके प्रमुख क्षेत्रों में पुलवामा, पंपोर, अवंतीपोरा और त्राल शामिल हैं।

### कई चर्चित आतंकी इसी जिले से जुड़े

पुलवामा से जुड़े प्रमुख आतंकियों में हिजबुल मुजाहिदीन का कमांडर बुरहान वानी, आतंकी कमांडर जाकिर मूसा और 2019 के सीआरपीएफ पर आत्मघाती हमला करने वाला आदिल अहमद डार शामिल हैं। बुरहान वानी 2016 और जाकिर मूसा 2019 में मुठभेड़ में मारे गए।

पोलिश पीएम भारत आए, मोदी से की मुलाकात

# प्रधानमंत्री मोदी ने 'गुड महाराजा' का किया जिक्र



**नई दिल्ली (एजेंसी)।** पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क ने गुरुवार को पीएम नरेंद्र मोदी से दिल्ली के हैदराबाद हाउस में मुलाकात की। टस्क 21 से 23 अक्टूबर तक भारत के दौरे पर हैं। इस मुलाकात में दोनों देशों के पुराने रिश्तों की झलक भी दिखी। मोदी ने 'गुड महाराजा' का जिक्र किया। यह नाम जामनगर के महाराजा दिग्विजय सिंह जी रणजीत सिंह जी जडेजा को दिया गया था, जिन्होंने दूसरे विश्व युद्ध के दौरान पोलैंड के करीब 1,000 बच्चों को भारत में शरण दी थी।

**भारत बना था 5000 पोलिश बच्चों का दूसरा घर-** 1939 में जर्मनी और सोवियत संघ के हमलों के बाद पोलैंड पर कब्जा हो गया। हजारों पोलिश नागरिक बेघर हो गए, जिनमें बड़ी संख्या में बच्चे भी थे।

## अनमोल वचन

एक शास्त्रीय कथन है जिसका अर्थ है "ऐसी करनी कर चलो आप हँसे जग रोये"। इसका सार यह है कि आप संसार में रहकर ऐसे कार्य करो, दूसरों के साथ ऐसा व्यवहार करो कि आप जब मृत्यु का आलिंगन करो तो प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहो और संसार आपकी मृत्यु पर आँसू बहाए। मृत्यु दो प्रकार की होती है। एक तो रुलाती है दूसरी अफसोस कराती है। किसी भी व्यक्ति की मृत्यु ऐसी होनी चाहिये जो दूसरों को रुलाये। कई मृत्यु अपनी जान-पहचान की नहीं होतीं फिर भी आँखों से आँसू छलक जाते हैं। कई बार किसी मृत्यु पर लोगों को यह कहते भी सुना जाता है कि अमुक व्यक्ति (मृतक व्यक्ति का नाम लेकर) को भगवान ने बहुत जल्दी अपने पास बुला लिया। इनमें तो समाज को अभी बहुत जरुरत थी। ऐसी पुण्य आत्माओं को भगवान दो बार रोता है। इसके अतिरिक्ति कुछ मृत्यु अफसोस कराती हैं कि इतना सुन्दर जीवन मिला था फिर भी कुछ न ले लिया, कोई अच्छा काम नहीं किया। गोस्वामी तुलसीदास के अनुसार जिनकी मृत्यु अफसोस कराती है-

सोच्य विप्र जो वेद बिहीना, तजि निज धर्म विषय लय लीना।
सोच्य नृप जो नीति नहिं जाना, जेहि न प्रजा प्रिय प्राण समाना॥
सोच्य वैश्य कृपण धनवानू, जो न अतिथि शिव भक्ति सुजानू।
सोच्य शुद्र विप्र अवमानी, मुखर मान प्रिय ज्ञान गुमानी॥

# मुजफ्फरनगर में खाद की दुकानों पर कृषि विभाग की बड़ी छापेमारी, 28 प्रतिष्ठानों की जांच; 13 नमूने लिए

### उर्वरकों की गुणवत्ता और पॉस मशीन से शत-प्रतिशत अनुदानित खाद वितरण सुनिश्चित करने के लिए चला अभियान

मुजफ्फरनगर। किसानों को निर्धारित दरों पर गुणवत्तापूर्ण उर्वरक उपलब्ध कराने और खाद वितरण में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए कृषि विभाग ने जनपद में उर्वरक विक्रेताओं और विनिमार्ताओं के प्रतिष्ठानों पर आकस्मिक निरीक्षण एवं छापेमारी अभियान चलाया। अभियान के दौरान कुल 28 प्रतिष्ठानों की जांच की गई और उर्वरकों के 13 नमूने एकत्र किए गए। निरीक्षण के दौरान एक विक्रेता को कारण बताओ नोटिस भी जारी किया गया। कृषि विभाग की इस कार्रवाई का उद्देश्य खाद की गुणवत्ता पर नजर रखने के साथ अनुदानित उ-र्वरकों का वितरण पॉस मशीन के माध्यम से सुनिश्चित करना है। जिला कृषि अधिकारी राहुल सिंह तेवतिया ने बताया कि शासन के निदेर्शों और जिलाधिकारी उमेश मिश्रा के आदेशों के अनुपालन में जनपद में उर्वरक विक्रेताओं एवं विनिमार्ताओं के यहां जांच अभियान चलाया गया। इसके लिए गठित टीम ने विभिन्न प्रतिष्ठानों पर पहुंचकर उर्वरकों की उपलब्धता, गुणवत्ता और बिक्री से संबंधित व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। अभियान के दौरान खाद के नमूने लेकर गुणवत्ता की जांच के लिए कार्रवाई की गई।

28 प्रतिष्ठानों पर जांच, 13 नमूने लिए

कृषि विभाग की ओर से जारी विवरण के अनुसार, अभियान के दौरान कुल 28 छापे मारे गए। इस दौरान उर्वरकों के 13 नमूने एकत्र किए गए, जबकि अनियमितता के संबंध में एक विक्रेता को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। विभाग की टीम ने उर्वरक बिक्री केंद्रों पर उपलब्ध स्टॉक और वितरण से जुड़े अभिलेखों की भी जांच की।




निरीक्षण के दौरान विक्रेताओं को स्टॉक रजिस्टर और वितरण रजिस्टर नियमित रूप से अद्यतन रखने के निर्देश दिए गए। साथ ही सभी जरूरी अभिलेखों को पूरा रखने और विभागीय नियमों के अनुसार खाद की बिक्री करने की हिदायत दी गई। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि उ-र्वरक की बिक्री और वितरण व्यवस्था में पारदर्शिता बनाए रखना जरूरी है, ताकि किसानों को खाद प्राप्त करने में किसी तरह की परेशानी न हो।

पॉस मशीन से खाद वितरण पर जोर

कृषि विभाग का विशेष जोर अनुदानित उर्वरकों के वितरण को पॉस मशीन के माध्यम से सुनिश्चित कराने पर है। पॉस मशीन के जरिए बिक्री दर्ज होने से खाद वितरण का रिकॉर्ड व्यवस्थित रहता है और अनुदानित उर्वरकों के वितरण में पारदर्शिता बनाए रखने में मदद मिलती है। इसी उद्देश्य से निरीक्षण के दौरान विक्रय व्यवस्था की जांच की गई और संबंधित प्रतिष्ठानों को निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार खाद बेचने के निर्देश दिए गए। विभाग ने सहकारी और निजी क्षेत्र के उर्वरक विक्रेताओं को निर्देशित किया कि किसानों को खाद निर्धारित दरों पर उपलब्ध कराई जाए। स्टॉक और वितरण का सही रिकॉर्ड रखा जाए तथा अनुदानित उर्वरकों की बिक्री में निर्धारित नियमों का पालन किया जाए।

कालाबाजारी और जमाखोरी का मामला नहीं मिलने का दावा

जिला कृषि अधिकारी राहुल सिंह तेवतिया के अनुसार, जनपद में सहकारी और निजी क्षेत्र के माध्यम से किसानों को निर्धारित दरों पर विभिन्न प्रकार के उर्वरक उपलब्ध कराए जा रहे हैं। विभाग ने दावा किया कि प्रवर्तन कार्रवाई के दौरान जिले में खाद की कालाबाजारी या जमाखोरी का कोई मामला सामने नहीं आया है। कृषि विभाग ने संकेत दिया कि उर्वरकों की गुणवत्ता, उपलब्धता और वितरण व्यवस्था पर निगरानी जारी रहेगी। किसानों को उचित दरों पर खाद उपलब्ध कराने और नियमों का उल्लंघन करने वाले विक्रेताओं पर कार्रवाई करने के उद्देश्य से इस तरह के आकस्मिक निरीक्षण किए जा रहे हैं। कृषि विभाग की इस कार्रवाई से उर्वरक विक्रेताओं को नियमों के अनुरूप कारोबार करने का संदेश दिया गया है। वहीं, एकत्र किए गए 13 नमूनों की जांच के नतीजों से उर्वरकों की गुणवत्ता के संबंध में आगे की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

## मुजफ्फरनगर में नगर मजिस्ट्रेट और नई मंडी पुलिस को कोर्ट की फटकार

*पीड़िता के मामले में नगर मजिस्ट्रेट और पुलिस की कार्रवाई पर अदालत की सख्त टिप्पणी*



मुजफ्फरनगर। जनपद में एक विवाहिता की शिकायत के मामले में अतिरिक्त सत्र न्यायालय, कोर्ट संख्या-3 के न्यायाधीश अनुराग पवार ने नगर मजिस्ट्रेट और थाना नई मंडी पुलिस की कार्रवाई पर कड़ी टिप्पणी की है। अदालत ने संबंधित अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि अधिकारी स्वयं को कानून से ऊपर मानकर व्यवहार कर रहे हैं और मजिस्ट्रेट रबर स्टैंप की तरह कार्य कर रहे हैं। अदालत ने शासकीय अधिवक्ता को भी निर्देश दिया कि अधीनस्थ अधिकारियों को कानून की जानकारी होना अनिवार्य है। मामला थाना नई मंडी कोतवाली क्षेत्र की ए टू जेड कॉलोनी का है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ससुराल पक्ष से प्रताड़ना का आरोप लगाने वाली विवाहिता शिल्पा अपने अधिकार की मांग को लेकर ससुराल के बाहर बैठी थी। आरोप है कि बिना किसी शिकायत के थाना नई मंडी पुलिस उसे वहां से उठाकर नगर मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश कर दिया। मामले की सुनवाई के दौरान अतिरिक्त सत्र न्यायालय ने पुलिस और प्रशासन की कार्रवाई को नियम-कानून के अनुरूप नहीं माना। अदालत की टिप्पणी के अनुसार, महिला के साथ की गई कार्रवाई में निर्धारित नियमों और कानूनी प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया तथा जल्दबाजी में कदम उठाया गया। अदालत ने 20 मई 2026 को नगर मजिस्ट्रेट द्वारा पीड़िता के खिलाफ धारा 130 के तहत जारी नोटिस को भी निरस्त कर दिया। अदालत के आदेश के बाद पीड़िता ने राहत महसूस की है। उसका कहना है कि अब उसे संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई होने की उम्मीद है। पीड़िता ने चेतावनी दी है कि यदि अदालत के आदेश के बाद भी संबंधित पुलिसकर्मियों और नगर मजिस्ट्रेट के खिलाफ कार्रवाई नहीं होती है, तो वह न्याय के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाएगी।

## थानाभवन में करीब 61 लाख के विकास कार्यों का शिलान्यास

*मोहल्ला रेती में बनेगा अंबेडकर भवन का दूसरा तल, अशरफ कॉलोनी में 31 लाख की लागत से बनेगा नया ट्यूबवेल*

थानाभवन। नगर पंचायत थानाभवन की ओर से कस्बे में विकास कार्यों को गति देने के लिए करीब 61 लाख रुपये की लागत से दो महत्वपूर्ण परियोजनाओं का शिलान्यास किया गया। मोहल्ला रेती में लगभग 30 लाख रुपये की लागत से अंबेडकर भवन के दूसरे तल का निर्माण कराया जाएगा, जबकि मोहल्ला अशरफ कॉलोनी में करीब 31 लाख रुपये की लागत से नए ट्यूबवेल का निर्माण किया जाएगा। दोनों कार्यों का शिलान्यास नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि हाजी राव जमशेद ने फीता काटकर किया।



शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान हाजी राव जमशेद ने कहा कि नगर पंचायत क्षेत्र के सभी वार्डों में आवश्यकतानुसार विकास कार्य कराए जा रहे हैं। नगर-वासियों को बेहतर बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से सड़कों सहित अन्य आवश्यक विकास कार्यों पर लगातार ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नगर के विभिन्न मोहल्लों में लोगों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए विकास योजनाओं को आगे बढ़ाया जा रहा है। अंबेडकर भवन के दूसरे तल का निर्माण पूरा होने से भवन की उपयोगिता बढ़ेगी, वहीं अशरफ कॉलोनी में नए ट्यूबवेल के निर्माण से पेयजल व्यवस्था को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। नगर पंचायत की ओर से कराए जा रहे इन कार्यों को कस्बे की बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने विकास कार्यों को लेकर चर्चा की। इस अवसर पर महाराज लखमीदास, सभासद दिनेश कुमार, सुरेश सैनी, अनिल कुमार, राजवीर सिंह, जयभगवान, महावीर पाल, हाजी सत्तार, आदिल, उमरदीन, तकि असलम, यूनुस सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

## कृष्णा नदी के तट पर उतरी नगर पंचायत की टीम, विशेष सफाई अभियान चलाकर दिया स्वच्छता का संदेश

थानाभवन। स्वच्छता और जल संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नगर पंचायत थानाभवन एवं जिला गंगा समिति शामली के संयुक्त तत्वावधान में कृष्णा नदी के तट पर विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। अस्पताल कॉलोनी स्थित घोषगढ़ मार्ग पर पुलिया के निकट नदी किनारे चलाए गए अभियान के दौरान कूड़े-कचरे और अपशिष्ट की सफाई कराई गई। साथ ही नागरिकों को नदी और जल स्रोतों को स्वच्छ रखने के प्रति जागरूक किया गया।



अधिशासी अधिकारी जितेंद्र राणा एवं नगर पंचायत अध्यक्ष मुशायदा पत्नी हाजी राव जमशेद के निदेर्शानुसार चलाए गए इस अभियान में नगर पंचायत के सफाई मित्रों और स्थानीय नागरिकों ने सक्रिय सहभागिता की। टीम ने नदी के किनारे फैले कचरे को साफ कर आसपास के क्षेत्र को स्वच्छ बनाने का प्रयास किया। इस दौरान लोगों को समझाया गया कि नदियों और जल स्रोतों को प्रदूषण से बचाना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

अभियान के दौरान उपस्थित लोगों ने स्वच्छता की शपथ लेते हुए अपने आसपास साफ-सफाई बनाए रखने, स-र्वजनिक स्थानों पर कूड़ा न फैलाने और जल स्रोतों को प्रदूषण मुक्त रखने का संकल्प लिया। नगर पंचायत की टीम ने नागरिकों से अपील की कि वे अपने घरों और आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता बनाए रखें तथा कचरे का उचित निस्तारण सुनिश्चित करें।

स्वच्छता के साथ जन-जागरूकता पर भी जोर

विशेष सफाई अभियान के साथ नगर पंचायत की टीम ने आसपास के मोहल्लों में पहुंचकर लोगों को स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया। नागरिकों को घरों से निकलने वाले गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग रखने, कचरे का उचित निस्तारण करने तथा नाले-नालियों में कचरा नहीं डालने के लिए प्रेरित किया गया।

इसके अतिरिक्त लोगों को जल संरक्षण के महत्व के बारे में जानकारी देते हुए नदी और अन्य जल स्रोतों को स्वच्छ रखने की अपील की गई। प्रतिबंधित प्लास्टिक एवं पॉलिथीन के उपयोग से पर्यावरण को होने वाले नुकसान के बारे में भी बताया गया। नागरिकों से प्लास्टिक और पॉलिथीन के स्थान पर पर्यावरण के अनुकूल विकल्प अपनाने का आह्वान किया गया।

नगर पंचायत की टीम ने कहा कि स्वच्छता अभियान का उद्देश्य केवल सफाई करना ही नहीं, बल्कि नागरिकों में स्वच्छता, जल संरक्षण और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना भी है। नदी के तटों और सार्वजनिक स्थानों को स्वच्छ रखने में जनसहभागिता महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

## दो बाइकों की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत, दो घायल; हायर सेंटर रेफर

*जलालाबाद-हसनपुर लुहारी मार्ग पर मोड़ के पास हुआ हादसा, टक्कर के बाद मौके पर मची अफरा-तफरी*

थानाभवन। क्षेत्र में जलालाबाद और हसनपुर लुहारी के बीच एक मोड़ पर दो बाइकों की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसे में दोनों बाइकों पर सवार तीन लोगों में से दो घायल हो गए। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार सड़क पर गिर पड़े।



हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया, जहां से दोनों को बेहतर उपचार के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गांव लुहारी निवासी रईस पुत्र अनीश बाइक पर सवार होकर जलालाबाद स्थित अपनी बहन के घर जा रहा था। वहीं, गांव भनेड़ा निवासी गोपाल अपने पुत्र मिंटू के साथ बाइक पर सवार होकर बड़गांव की ओर जा रहे थे। बताया गया कि गोपाल बाइक चला रहे थे। जब दोनों बाइक जलालाबाद और हसनपुर लुहारी के बीच रास्ते में पड़ने वाले एक मोड़ के पास पहुंचीं, तो उनकी आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। भिड़ंत के बाद बाइक सवार सड़क पर गिरकर घायल हो गए। हादसे की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर एकत्र हो गए और घायलों की मदद करते हुए उन्हें अस्पताल भिजवाया। हादसे में घायल रईस को उपचार के लिए जिला अस्पताल शामली भेजा गया, जबकि गांव भनेड़ा निवासी गोपाल की गंभीर हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने उन्हें बेहतर उपचार के लिए सहारनपुर रेफर कर दिया। हादसे में गोपाल के पुत्र मिंटू को चोट लगी या नहीं, इसकी जानकारी स्पष्ट नहीं हो सकी है। घटना के बाद घायलों के परिजनों में चिंता का माहौल है।

## मुजफ्फरनगर में कक्षा 1 से 12वीं तक के सभी स्कूलों में अवकाश घोषित

मुजफ्फरनगर। जनपद में जिलाधिकारी उमेश कुमार मिश्रा के आदेश पर जिला विद्यालय निरीक्षक हरिकेश यादव ने कक्षा 1 से लेकर 12वीं तक के सभी विद्यालयों में अवकाश घोषित किया है। यह आदेश जनपद में संचालित सभी बोर्डों के विद्यालयों पर लागू होगा। जिला विद्यालय निरीक्षक हरिकेश यादव ने जिलाधिकारी के आदेश के अनुपालन में सभी संबंधित विद्यालयों को निर्देश जारी किए हैं। इसके तहत जनपद के कक्षा 1 से 12वीं तक के सभी बोर्डों के स्कूलों में अवकाश रहेगा। अवकाश संबंधी आदेश का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

## जन्मदिन समारोह से लौट रहे युवक को रास्ते में घेरकर पीटा, गाली-गलौज के बाद जान से मारने की धमकी

मुजफ्फरनगर। रतनपुरी थाना क्षेत्र में रिश्तेदार के बेटे के जन्मदिन समारोह में शामिल होकर घर लौट रहे एक युवक के साथ मारपीट करने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने आरोप लगाया है कि रास्ते में उसे घेरकर गाली-गलौज की गई और विरोध करने पर मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी दी गई। घटना के बाद पीड़ित ने रतनपुरी थाने पहुंचकर पुलिस को लिखित तहरीर दी और आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। रतनपुरी निवासी आयुष पंडित पुत्र विनोद शास्त्री ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि वह 21 अक्टूबर 2026 को कितास गांव में अपने रिश्तेदार राजेश पुत्र कालूराम के बेटे प्रियांशु के जन्मदिन समारोह में शामिल होने गया था। समारोह में शामिल होने के बाद जब वह वापस अपने घर लौट रहा था, तभी रास्ते में कथित तौर पर कितास गांव निवासी हर्ष और गौतम अपने साथियों के साथ मिल गए।

पीड़ित के मुताबिक, हर्ष और गौतम तथा उनके साथ मौजूद अन्य लोगों ने उसके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। आरोप है कि इसके बाद उसके साथ मारपीट की गई। घटना के दौरान आरोपितों ने उसे जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़ित का कहना है कि मारपीट और धमकी देने के बाद आरोपित मौके से चले गए। जन्मदिन समारोह से लौटते समय हुई इस घटना के बाद पीड़ित ने पुलिस से शिकायत कर आरोपितों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की। तहरीर में उसने घटना का विवरण देते हुए संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई किए जाने का अनुरोध किया है।

पुलिस को दी लिखित शिकायत, कार्रवाई की मांग

आयुष पंडित ने रतनपुरी थाने में दी गई शिकायत में हर्ष और गौतम निवासी कितास तथा उनके साथियों को आरोपित करते हुए उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

आरोपों की जांच में जुटी पुलिस

मामले में पुलिस की ओर से जांच की जा रही है। शिकायत में लगाए गए आरोपों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। पुलिस घटना से जुड़े तथ्यों की पड़ताल कर रही है। फिलहाल मामले में पीड़ित की तहरीर के आधार पर कानूनी कार्रवाई शुरू होने से घटना क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है।

## तितावी में पारिवारिक विवाद ने लिया हिंसक रूप, महिला और दो बेटियों से मारपीट का आरोप; मुकदमा दर्ज

मुजफ्फरनगर। तितावी थाना क्षेत्र के बुड्ढीनाकला गांव में पारिवारिक विवाद के दौरान एक महिला और उसकी दो बेटियों के साथ मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित पति ने अपने भाई, भतीजों और परिवार की एक अन्य महिला पर गाली-गलौज करने, मारपीट करने तथा जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। शिकायत के अनुसार, घटना में उसकी पत्नी और दोनों बेटियों को चोटें आई हैं। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। बुड्ढीनाकला निवासी बृजपाल पुत्र ज्ञान सिंह ने तितावी थाने में दी गई तहरीर में बताया कि 19 अक्टूबर 2026 को वह घर पर मौजूद नहीं था, बल्कि मजदूरी करने के लिए शामली गया हुआ था। आरोप है कि उसकी गैरमौजूदगी में उसके भाई जगपाल पुत्र ज्ञान सिंह, जगपाल के बेटे सचिन और विनित तथा विनित की पत्नी पिंकी ने उसकी पत्नी ममतेश और बेटियों गुड्डन व स्वाति के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट की। बृजपाल के मुताबिक, मारपीट की घटना में उसकी पत्नी और दोनों बेटियों को गंभीर चोटें आई हैं। पीड़ित ने आरोप लगाया कि मारपीट के दौरान उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद उसने पुलिस से शिकायत कर आरोपितों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की। पीड़ित ने अपनी तहरीर में घटना की जानकारी देते हुए पुलिस से रिपोर्ट दर्ज करने और मामले में कार्रवाई करने का अनुरोध किया। शिकायत में परिवार के सदस्यों के बीच हुए विवाद और मारपीट के आरोपों का उल्लेख किया गया है।

## 25 अक्टूबर को मिल चालू कराने की मांग, मोरना चीनी मिल पर किसानों का अनिश्चितकालीन धरना शुरू

*प्रधान प्रबंधक सहित अधिकारियों को धरने पर बैठाया, गन्ने का भाव 600 रुपये प्रति क्विंटल करने की मांग*

मोरना। दी गंगा किसान सहकारी चीनी मिल मोरना को 25 अक्टूबर से चालू कराने और गन्ने का भाव 600 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित करने की मांग को लेकर गुरुवार को सैकड़ों किसानों ने मिल परिसर में अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन शुरू कर दिया। किसानों ने अपनी मांगों को लेकर कड़ा रुख अपनाते हुए मिल के प्रधान प्रबंधक वीके पांडेय सहित अधिकारियों को घंटों धरने पर बैठाए रखा। किसानों ने स्पष्ट किया कि मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रहेगा। धरने का नेतृत्व कर रहे भोकरहेड़ी के फौजी सहरावत ने कहा कि चीनी मिल को हर हाल में 25 अक्टूबर से चालू किया जाना चाहिए। समय पर मिल चालू होने से किसानों के गन्ने की फसल का समय रहते निस्तारण हो सकेगा और किसान गेहूं की बुवाई भी समय से कर पाएंगे। उन्होंने कहा कि खेती की लागत लगातार बढ़ रही है, लेकिन किसानों को उनकी मेहनत और लागत के अनुरूप गन्ने का भाव नहीं मिल रहा है। इससे किसानों के सामने आर्थिक संकट गहराता जा रहा है और वे खेती से विमुख होने को मजबूर हो रहे हैं।



किसानों ने कहा कि उनकी जरूरतों और खेती पर बढ़ते खर्च को देखते हुए गन्ने का भाव 600 रुपये प्रति क्विंटल किया जाना चाहिए। उन्होंने मिल प्रशासन से मांग की कि पेराई सत्र शुरू करने में किसी प्रकार की देरी न की जाए और 25 अक्टूबर से ही मिल का संचालन सुनिश्चित किया जाए।

धरना-प्रदर्शन के दौरान किसानों ने प्रधान प्रबंधक वीके पांडेय को भी कई घंटे तक धरने पर बैठाए रखा। किसानों ने अपनी मांगों को दोहराते हुए कहा कि जब तक मिल चालू करने की मांग पूरी नहीं होती, तब तक धरना समाप्त नहीं किया जाएगा। देर शाम किसानों ने धरनास्थल पर रात्रि भोज की व्यवस्था की और रातभर धरना जारी रखने के लिए आवश्यक इंतजाम पूरे कर लिए।

ये रहे मौजूदः धरना-प्रदर्शन में अमित राठी, अजय कुमार चेयरमैन, अजय कुमार सेठ, विपुल कुमार, राहुल चौधरी, धनंजय सिंह, सतीश सहरावत, विशाल उर्फ छुट्टा, देवराम भगत, सुधीर सहरावत, मिंटू मंत्री, सुभाष कुमार, जसपाल सिंह, अंकुर कुमार, सुमित कुमार, रवि, भूरा, सुंदर, सचिन, राजीव राठी, जोगिंदर, धर्मेंद्र, श्यामवीर, बालिन्दर, रविंद्र, पुष्पेंद्र, उपेंद्र, रूपेश, गोल्डी, कुलदीप और शाहनवाज प्रधान सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

## दहेज में कार की मांग को लेकर विवाहिता को घर से निकाला, समझौते के दौरान गला घोंटने की कोशिश का आरोप; छह लोगों पर मुकदमा दर्ज

*मोरना निवासी पिता की शिकायत पर कार्रवाई, संभलहेड़ा में ससुराल पक्ष पर मारपीट और जानलेवा हमले के आरोप, मेडिकल, एक्स-रे और हाथ पर प्लास्टर से जुड़े दस्तावेज भी पेश किए*

मुजफ्फरनगर। दहेज में कार की मांग पूरी नहीं होने पर विवाहिता को कथित रूप से घर से निकालने, समझौते के दौरान गला घोंटने की कोशिश करने और विरोध करने पर मारपीट करने के मामले में छह लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। मोरना निवासी पिता ने अपनी बेटी के पति समेत ससुराल पक्ष के लोगों पर गंभीर आरोप लगाते हुए न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था। प्रार्थना पत्र में पुलिस से शिकायत करने के बावजूद कार्रवाई नहीं होने का आरोप भी लगाया गया है। मोरना निवासी एक व्यक्ति ने न्यायालय में दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि उनकी बेटी का निकाह 14 फरवरी 2024 को संभलहेड़ा निवासी साजिद के साथ हुआ था। शिकायतकर्ता के अनुसार, निकाह में करीब 15 लाख रुपये खर्च किए गए थे। घरेलू सामान, मोटरसाइकिल, जेवरात, कीमती कपड़े और अन्य सामान भी दिया गया था। आरोप है कि निकाह के बाद भी ससुराल पक्ष के लोग कार की मांग को लेकर विवाहिता को परेशान करने लगे।




कार की मांग पूरी नहीं होने पर घर से निकालने का आरोप

पिता का आरोप है कि करीब छह महीने पहले कार की मांग पूरी नहीं होने पर उनकी बेटी को केवल पहने हुए कपड़ों में घर से निकाल दिया गया। कथित तौर पर उससे कहा गया कि जब तक वह कार लेकर नहीं आएगी, उसे ससुराल में वापस नहीं आने दिया जाएगा। इसके बाद परिवार ने कई बार समझौता कराने का प्रयास किया। प्रार्थना पत्र के मुताबिक, 4 जून 2026 को ससुराल पक्ष ने समझौते के लिए परिवार को संभलहेड़ा बुलाया था। पीड़ित पिता अपनी बेटी और भाई के साथ वहां पहुंचे। आरोप है कि बातचीत के दौरान विवाद बढ़ गया और साजिद तथा दिलशाद ने विवाहिता के गले में रस्सी डालकर गला घोंटने की कोशिश की। पिता और उसके भाई ने बीच-बचाव कर उसे बचाया। शिकायत में आगे आरोप लगाया गया कि इसके बाद साजिद, वाजिद और दिलशाद ने पिता और बेटी के साथ लाठी-डंडों से मारपीट की, जबकि बीच-बचाव करने आए पीड़ित को लात-घूंसों से पीटा गया। पीड़ित पक्ष ने घटना में गंभीर चोटें आने का दावा किया है। मेडिकल और एक्स-रे रिपोर्ट का हवाला

शिकायतकर्ता ने न्यायालय को बताया कि घटना के बाद वह और उसकी बेटी जानसठ स्थित सरकारी अस्पताल पहुंचे थे। प्रार्थना पत्र में मेडिकल परीक्षण, एक्स-रे और विवाहिता के हाथ पर प्लास्टर चढ़ाए जाने से संबंधित दस्तावेज होने का उल्लेख किया गया है। इन दस्तावेजों की प्रतियां भी प्रार्थना पत्र के साथ संलग्न किए जाने की बात कही गई है।

थाने और एसएसपी से शिकायत के बाद न्यायालय पहुंचे

पीड़ित व्यक्ति के अनुसार, उन्होंने 4 जून 2026 को मीरापुर थाने में शिकायत दी थी। इसके बाद 8 जून को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, मुजफ्फरनगर को रजिस्टर्ड डाक से प्रार्थना पत्र भेजा, लेकिन का-र्रवाई नहीं होने का आरोप लगाया। इसके बाद उन्होंने न्यायालय में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 175(3) के तहत प्रार्थना पत्र देकर मुकदमा दर्ज कराने और निष्पक्ष जांच की मांग की। इन छह लोगों के खिलाफ दर्ज हुआ मुकदमा मामले में साजिद, रईसा, वाजिद, दिलशाद और शमा, निवासी संभलहेड़ा थाना मीरापुर, तथा शाकिर पुत्र नामालूम, निवासी मूसा शेरनगर, मुजफ्फरनगर को आरोपित बनाया गया है। पुलिस की कार्रवाई और मुकदमे के दर्ज होने के बाद मामले में लगाए गए आरोपों की जांच महत्वपूर्ण होगी। आ-रोपितों के विरुद्ध लगाए गए आरोपों की पुष्टि विवेचना और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर ही हो सकेगी।

## गले में परेशानी और सीने में दर्द से पीड़ित महिला को 108 एंबुलेंस से पहुंचाया अस्पताल

मुजफ्फरनगर। जनपद में संचालित 108 एंबुलेंस सेवा आपातकालीन परिस्थितियों में मरीजों को समय पर चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इसी क्रम में बघरा ब्लॉक क्षेत्र में गले में परेशानी और सीने में दर्द से पीड़ित 19 वर्षीय महिला को 108 एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल पहुंचाया गया। एंबुलेंस कर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए रास्ते में महिला को प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराया और ऑक्सीजन दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, बघरा ब्लॉक क्षेत्र निवासी शिवानी, पत्नी अजय कुमार, उम्र 19 वर्ष, को गले में परेशानी के साथ सीने में दर्द की शिकायत हो रही थी। महिला की स्थिति को देखते हुए परिजनों ने चिकित्सा सहायता के लिए 108 एंबुलेंस सेवा से संपर्क किया। सूचना मिलते ही एंबुलेंस कर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए महिला को अस्पताल पहुंचाने की व्यवस्था की। एंबुलेंस में तैनात इमरजेंसी मेडिकल टेक्नीशियन (ईएमटी) प्रदीप कुमार ने महिला की स्थिति को ध्यान में रखते हुए उसे आवश्यक प्राथमिक उपचार दिया। साथ ही, अस्पताल पहुंचने तक चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ऑक्सीजन भी दी गई। वहीं, एंबुलेंस पायलट विनोद कुमार ने जिम्मेदारी निभाते हुए महिला को सुरक्षित जिला अस्पताल पहुंचाया।



जिला अस्पताल पहुंचने पर महिला को उपचार के लिए भर्ती कराया गया। एंबुलेंस कर्मियों की तत्परता से महिला को समय पर अस्पताल पहुंचाने में मदद मिली। गौरतलब है कि 108 एंबुलेंस सेवा आपातकालीन परिस्थितियों में मरीजों को अस्पताल पहुंचाने के साथ ही आवश्यकता के अनुसार रास्ते में प्राथमिक चिकित्सा सहायता भी उपलब्ध कराती है। सांस लेने में परेशानी, सीने में दर्द, सड़क दुर्घटनाओं और अन्य गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं के दौरान यह सेवा मरीजों के लिए सहायक साबित होती है। स्वास्थ्य संबंधी आपात स्थिति में जरूरतमंद लोग 108 नंबर पर कॉल कर निःशुल्क एंबुलेंस सेवा का लाभ उठा सकते हैं।

रॉयल बुलेटिन

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने मै. साईं प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6 नोएडा-201301 से मुद्रित कराकर रॉयल हाऊस, 174, गांधी कालौनी (उत्तरी), मुजफ्फरनगर (उ.प्र.) से प्रकाशित किया।

सम्पादकः
◆अनिल रॉयल

✆:(0131) 2412222,
मो. 9412211222
e-mail Address :
royalbulletin@gmail.com



रॉयल बुलेटिन
मुजफ्फरनगर समाचार
शुक्रवार 23 अक्टूबर 2026 पृष्ठ 3



# कुटबा गांव में लाइब्रेरी के गेट पर ताबड़तोड़ फायरिंग, दो भाइयों की बाल-बाल बची जान

**गांव के ही जयकुमार उर्फ कुक्कू पर जान से मारने की नीयत से गोली चलाने का आरोप; शाहपुर थाने में मुकदमा दर्ज, आरोपी फरार**

मुजफ्फरनगर। शाहपुर थाना क्षेत्र के गांव कुटबा में लाइब्रेरी से पढ़ाई करके घर लौट रहे दो भाइयों पर फायरिंग किए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि गांव के ही एक युवक ने लाइब्रेरी के गेट पर पहुंचते ही दोनों भाइयों को निशाना बनाकर जान से मारने की नीयत से गोली चला दी। अचानक हुई फायरिंग में चंचल कुमार और उसका छोटा भाई आयुष बाल-बाल बच गए। गनीमत रही कि गोली लगने से दोनों में से कोई घायल नहीं हुआ। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच की। पीड़ित की लिखित शिकायत के आधार पर शाहपुर पुलिस ने आरोपी जयकुमार उर्फ कुक्कू के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी घटना के बाद से फरार है और उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

लाइब्रेरी से निकलते ही सामने आया युवक, फायरिंग से मची अफरातफरी

गांव कुटबा निवासी चंचल कुमार पुत्र पवन कुमार ने शाहपुर थाने में दी गई तहरीर में बताया कि वह अपने छोटे भाई आयुष के साथ गांव में स्थित कुटबा-कुटबी लाइब्रेरी में पढ़ाई करने गया था। दोनों भाई लाइब्रेरी में पढ़ने के बाद घर लौट रहे थे। रात करीब नौ बजे जब वे लाइब्रेरी के गेट पर पहुंचे तो सामने से गांव का ही जयकुमार उर्फ कुक्कू पुत्र रामधन आ गया। चंचल कुमार का आरोप है कि जयकुमार उर्फ कुक्कू ने उन पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। अचानक हुई इस घटना से दोनों भाई सकते में आ गए। गोली चलने के दौरान दोनों ने किसी तरह खुद को बचाया और बाल-बाल बच गए। घटना में दोनों भाइयों को कोई चोट नहीं आई। लाइब्रेरी से पढ़ाई करके निकलते समय हुई इस घटना ने सुरक्षा को लेकर भी सवाल खड़े किए हैं। हालांकि, फायरिंग के दौरान वहां कितने लोग मौजूद थे और कितने राउंड गोली चलाई गई, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस की जांच में इन पहलुओं पर



स्थिति स्पष्ट हो सकती है। घटना के बाद चंचल कुमार ने थाना शाहपुर पहुंचकर पुलिस को लिखित तहरीर दी। शिकायत में उसने आरोप लगाया कि जयकुमार उर्फ कुक्कू ने उसे और उसके भाई को जान से मारने की नीयत से गोली मारी। पीड़ित ने पुलिस से मामले में रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत के आधार पर आरोपी जयकुमार उर्फ कुक्कू पुत्र रामधन निवासी गांव कुटबा, थाना शाहपुर के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले में पुलिस की ओर से आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

डायल-112 पर मिली फायरिंग की सूचना, तत्काल मौके पर पहुंची पुलिस

क्षेत्राधिकारी बुढ़ाना गजेंद्रपाल सिंह ने प्रकरण के संबंध में बताया कि 21 अक्टूबर 2026 को थाना शाहपुर पुलिस को डायल-112 के माध्यम से गांव कुटबा में फायरिंग होने की सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना मिलते ही थाना शाहपुर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और मामले की प्रारंभिक जांच की।

प्रारंभिक जांच में सामने आया कि गांव कुटबा निवासी जयकुमार उर्फ कुक्कू ने चंचल कुमार पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग की थी। घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई और न ही कोई घायल हुआ। पुलिस के अनुसार, आरोपी मौके से फरार हो गया। क्षेत्राधिकारी ने बताया कि वादी से प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना शाहपुर में सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस घटना से संबंधित तथ्यों की जांच कर रही है। आरोपी की गिरफ्तारी और फायरिंग के पीछे की वजह को लेकर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल घटना के पीछे का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस की जांच में यह पता लगाया जाएगा कि दोनों पक्षों के बीच पहले से कोई विवाद था या किसी अन्य वजह से फायरिंग की गई। आरोपी का पक्ष भी सामने आने के बाद मामले से जुड़े अन्य तथ्य स्पष्ट हो सकेंगे।

गांव में शांति व्यवस्था सामान्य

क्षेत्राधिकारी गजेंद्रपाल सिंह के अनुसार, घटना के बाद गांव में कानून एवं शांति व्यवस्था की स्थिति सामान्य है। पुलिस मामले पर नजर रखे हुए है और नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। गांव कुटबा में लाइब्रेरी से पढ़कर लौट रहे दो भाइयों पर फायरिंग की इस घटना में राहत की बात यह रही कि दोनों की जान बच गई और कोई घायल नहीं हुआ। अब मामले में पुलिस की कार्रवाई और आरोपी की गिरफ्तारी पर नजर रहेगी।

# नाबालिग को बाइक पर ले जाकर बेरहमी से पीटा, मारपीट का वीडियो भी बनाया

**शेरपुर भट्टे के पास युवक के साथ मारपीट का आरोप, वीडियो में बदमाशी का जिक्र, शहर कोतवाली में तीन आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज, एक गिरफ्तार**

मुजफ्फरनगर। शहर कोतवाली क्षेत्र में एक नाबालिग के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। आरोप है कि तीन युवकों ने नाबालिग को बाइक पर ले जाने के बाद शेरपुर भट्टे के पास उसके साथ बेरहमी से मारपीट की। आरोपियों ने मारपीट का वीडियो भी बनाया। घटना से जुड़े वीडियो में मारपीट को लेकर बदमाशी का जिक्र किए जाने की बात सामने आई है। मामले में पीड़ित के पिता की तहरीर पर शहर कोतवाली पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि पूरे मामले की जांच की जा रही है। पुलिस को दी गई तहरीर के अनुसार, शाहबुद्दीनपुर निवासी सुभाष ने बताया कि उनके नाबालिग बेटे के साथ मारपीट की गई। आरोप है कि उत्तरी रामपुरी निवासी कुनाल, कार्तिक और कन्हैया ने घटना को अंजाम दिया। बताया गया कि नाबालिग को बाइक पर ले जाने के बाद शहर कोतवाली क्षेत्र में शेरपुर भट्टे के पास उसके साथ मारपीट की गई।



इस घटना को लेकर मारपीट का वीडियो बनाए जाने की बात भी सामने आई है। वीडियो में मारपीट को बदमाशी से जोड़कर लिखे जाने का दावा किया जा रहा है। घटना के पीछे क्या वजह रही और मारपीट किन परिस्थितियों में हुई, यह पुलिस जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। मामले में पीड़ित के पिता सुभाष ने 20 अक्टूबर 2026 को शहर कोतवाली पुलिस को लिखित शिकायत दी थी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर कुनाल, कार्तिक और कन्हैया के खिलाफ मुकदमा अपराध संख्या 471/2026 दर्ज किया है। आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 115(2), 352 और 351(3) के तहत कार्रवाई की गई है। मुजफ्फरनगर पुलिस के अनुसार, मुकदमा दर्ज करने के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी कुनाल को गिरफ्तार कर लिया है। अन्य आरोपियों की भूमिका और घटना से जुड़े तथ्यों की जांच की जा रही है। पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि मारपीट की वजह क्या थी और घटना का वीडियो किस परिस्थिति में बनाया गया। पुलिस का कहना है कि मामले में गहनता से जांच करते हुए आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है। फिलहाल मौके पर कानून एवं शांति व्यवस्था सामान्य बताई गई है। नाबालिग को बाइक पर ले जाकर मारपीट करने और उसका वीडियो बनाए जाने के आरोप ने घटना को गंभीर बना दिया है। मामले में एक आरोपी की गिरफ्तारी के बाद अब जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। हालांकि, घटना के कारण और वीडियो से जुड़े सभी तथ्यों की आधिकारिक पुष्टि होना अभी बाकी है।

# पोलियो मुक्त भारत का संदेश लेकर मुजफ्फरनगर में निकलेगी रोटरी की जिला स्तरीय रैली

**24 अक्टूबर को 13 नगरों में एक साथ होगा जनजागरूकता अभियान, मुजफ्फरनगर में नगर पालिका कन्या इंटर कॉलेज से जिला अस्पताल के रेडक्रॉस हॉल तक निकलेगी रैली, 500 विद्यार्थी और रोटरी सदस्य करेंगे सहभागिता**

मुजफ्फरनगर। पोलियो मुक्त भारत की उपलब्धि को बरकरार रखने और बच्चों को इस गंभीर बीमारी से बचाने के संदेश के साथ रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3100 की ओर से 24 अक्टूबर को जिला स्तरीय पोलियो एवं फिटनेस जागरूकता रैली निकाली जाएगी। विश्व पोलियो दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले इस अभियान के माध्यम से लोगों को नियमित टीकाकरण, बच्चों को समय पर पोलियो की खुराक दिलाने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के प्रति जागरूक किया जाएगा। रैली में मुजफ्फरनगर के विभिन्न रोटरी क्लबों के सदस्यों के साथ करीब 500 विद्यार्थी भाग लेंगे। इस आयोजन के जरिए पोलियो उन्मूलन के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के साथ फिटनेस के प्रति जागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया जाएगा। रैली की तैयारियों और इसके उद्देश्यों की जानकारी देने के लिए 22 अक्टूबर को प्रेस वार्ता आयोजित की गई। इसमें रोटरी के पदाधिकारियों ने बताया कि यह अभियान केवल एक रैली तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि बच्चों के स्वास्थ्य, नियमित टीकाकरण और पोलियो से बचाव के प्रति समाज की जिम्मेदारी को भी रेखांकित करेगा। रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3100 की पोलियोप्लस सब-कमेटी के चेयरमैन रोटेरियन सुनील अग्रवाल ने बताया कि 24 अक्टूबर को मंडल के 13 नगरों में एक साथ पोलियो एवं फिटनेस जागरूकता रैली निकाली जाएगी। इस अभियान में रोटरी परिवार के सदस्यों और स्कूली बच्चों सहित 10 हजार से अधिक लोगों की सहभागिता का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने बताया कि अभियान का उद्देश्य लोगों को यह संदेश देना है कि पोलियो से बचाव के लिए बच्चों को निर्धारित समय पर टीकाकरण कराना बेहद जरूरी है। पोलियो मुक्त भारत की उपलब्धि को बनाए रखने के लिए समाज के प्रत्येक वर्ग को जागरूक और जिम्मेदार बनना होगा। मुजफ्फरनगर में



रैली नगर पालिका कन्या इंटर कॉलेज से प्रारंभ होकर जिला अस्पताल स्थित रेडक्रॉस हॉल में संपन्न होगी। इसमें करीब 500 विद्यार्थी भाग लेंगे। विद्यार्थियों के साथ शहर के विभिन्न रोटरी क्लबों के सदस्य भी अभियान का हिस्सा बनेंगे। आयोजकों के अनुसार, रैली के माध्यम से आमजन को बच्चों के नियमित टीकाकरण, पोलियो की खुराक के महत्व और स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने का संदेश दिया जाएगा। विद्यार्थियों की भागीदारी से इस अभियान का संदेश परिवारों और समाज के व्यापक वर्ग तक पहुंचाने की उम्मीद है। नगर पालिका कन्या इंटर कॉलेज में प्रेस वार्ता के दौरान रोटेरियन सुनील अग्रवाल, डिस्ट्रिक्ट पोलियो डायरेक्टर रोटेरियन विकास भार्गव और फिटनेस कमेटी के निदेशक रोटेरियन डॉ. नितिन जैन ने अभियान के उद्देश्य और तैयारियों की जानकारी दी। इस दौरान रोटेरियन नवीन सिंघल, रोटेरियन शरद जैन और रोटेरियन संदीप गुप्ता भी मौजूद रहे। पदाधिकारियों ने बताया कि पोलियो उन्मूलन के लिए जागरूकता बनाए रखना लगातार जरूरी है। बच्चों को समय पर पोलियो की खुराक दिलाने के साथ स्वास्थ्य और फिटनेस को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने के लिए भी लोगों को प्रेरित किया जाएगा। रैली में रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3100 की मंडल गवर्नर रोटेरियन पायल गौर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी। विशिष्ट अतिथियों में नगर पालिका अध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनील तेवतिया और पोलियो अभियान के नोडल अधिकारी डॉ. अशोक कुमार शामिल रहेंगे। इसके अलावा मुजफ्फरनगर के सभी रोटरी क्लबों के सदस्य तथा खतौली, शामली और बड़ौत सहित आसपास के क्षेत्रों से रोटेरियन भी भाग लेंगे। नगर पालिका कन्या इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्य सुमित्रा सिंह का भी कार्यक्रम में सहयोग रहेगा।

# खेत में शराब की महफिल के बीच खूनी संघर्ष, गन्ने से ताबड़तोड़ वार कर सोनू को अधमरा किया

**फुगाना क्षेत्र में तीन लोगों के साथ खेत में बैठकर शराब पीने के दौरान हुआ विवाद, अस्पताल रेफर**

मुजफ्फरनगर। फुगाना थाना क्षेत्र में खेत में बैठकर शराब पीने के दौरान तीन लोगों के बीच हुआ विवाद हिंसक हो गया। मामूली कहासुनी से शुरू हुए विवाद में एक युवक पर गन्ने से ताबड़तोड़ वार किए जाने का आरोप है। हमले में सोनू गंभीर रूप से घायल होकर बेहोश हो गया। उसकी हालत देखकर मौके पर मौजूद दूसरे युवक ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बुढ़ाना पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। घटना के बाद आरोपी अमित के फरार होने की जानकारी सामने आई है। मिली जानकारी के अनुसार, ताजपुर सिभालका निवासी सोनू, सौरभ और अमित खेत में बैठकर शराब पी रहे थे। इसी दौरान सोनू और अमित के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। शुरूआत में दोनों के बीच हुई बहस ने कुछ ही देर में विवाद का रूप ले लिया। आरोप है कि बात बढ़ने पर अमित ने गन्ने से सोनू पर



हमला कर दिया। उसके ताबड़तोड़ वार से सोनू गंभीर रूप से घायल हो गया और बेहोश होकर गिर पड़ा।

पानी लेने गया सौरभ, वापस लौटा तो सोनू पर हो रहे थे वार

घटना के संबंध में सौरभ ने बताया कि वह पानी लेने के लिए वहां से गया था। जब वह वापस लौटा तो उसने अमित को सोनू के साथ मारपीट करते देखा। सोनू की हालत गंभीर थी और वह बेहोश पड़ा था। अचानक हुई इस घटना से घबराए सौरभ ने देर किए बिना फुगाना पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाने की व्यवस्था की।

पुलिस ने सीएचसी बुढ़ाना पहुंचाया, गंभीर हालत में जिला अस्पताल भेजा

मारपीट में गंभीर रूप से घायल सोनू को पुलिस सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बुढ़ाना लेकर पहुंची। वहां चिकित्सकों ने उसका उपचार किया, लेकिन हालत गंभीर होने के कारण उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। सोनू को कितनी गंभीर चोटें आई हैं और उसकी वर्तमान स्थिति क्या है, इसकी विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है।

आरोपी के फरार होने की सूचना

बताया गया कि घटना के बाद अमित मौके से फरार हो गया। फुगाना थाना प्रभारी बबलू सिंह वर्मा ने बताया कि तीनों लोग खेत में बैठकर शराब पी रहे थे। इसी दौरान उनके बीच झगड़ा हो गया। घायल को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया गया है। पुलिस का कहना है कि तहरीर मिलने पर मामले में आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

# डेंगू का बढ़ता प्रकोप, पांच नए मरीज मिलने से स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

**चार शहरी क्षेत्र के मरीजों में संक्रमण की पुष्टि, तीन महिलाएं भी चपेट में, जिला अस्पताल में तीन भर्ती, जिले में संक्रमितों का आंकड़ा 25 पहुंचा**

मुजफ्फरनगर। जनपद में डेंगू का संक्रमण धीरे-धीरे अपना दायरा बढ़ा रहा है। बुखार से पीड़ित पांच और लोगों की जांच रिपोर्ट डेंगू पॉजिटिव आने के बाद स्वास्थ्य विभाग की चिंता बढ़ गई है। नए संक्रमितों में तीन महिलाएं शामिल हैं। चार मरीज शहरी क्षेत्र में मिले हैं, जबकि एक मरीज बघरा क्षेत्र का निवासी है। पांच नए मामले सामने आने के साथ ही जनपद में डेंगू संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 25 हो गई है। इनमें शहरी क्षेत्र में मिले मरीजों की संख्या अधिक होने से शहर में संक्रमण की रोकथाम और मच्छरों के प्रजनन स्थलों को समाप्त करने की चुनौती महत्वपूर्ण हो गई है। डेंगू के नए मरीज सामने आने से साफ है कि बुखार के मामलों के बीच सतर्कता बरतने की जरूरत बनी हुई है। स्वास्थ्य विभाग संक्रमितों की पहचान के साथ उनके घरों और आसपास के इलाकों में मच्छरों के पनपने वाले स्थानों को समाप्त कराने की कार्रवाई कर रहा है। विभाग की ओर से लोगों को भी अपने घरों और आसपास सफाई रखने तथा पानी जमा नहीं होने देने की आवश्यकता है।स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, डेंगू से संक्रमित पाए गए पांच नए मरीजों में तीन महिलाएं हैं। नए मामलों में चार मरीज शहरी क्षेत्र के हैं और एक मरीज बघरा क्षेत्र से सामने आया है। इनमें से तीन मरीज स्वामी कल्याण देव जिला चिकित्सालय में भर्ती हैं, जहां उनका उपचार चल रहा है। नए मामलों के सामने आने के बाद जिले में डेंगू संक्रमितों का कुल आंकड़ा 25 तक पहुंच गया है। डेंगू की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य विभाग की ओर से संक्रमित मरीजों के घरों और आसपास के क्षेत्रों में सोर्स रिडक्शन की कार्रवाई कराई गई है। इस प्रक्रिया के तहत उन स्थानों की पहचान कर उन्हें समाप्त करने का प्रयास किया जाता है, जहां पानी जमा होने के कारण डेंगू फैलाने वाले मच्छरों के पनपने की आशंका रहती है। घरों की छतों, गमलों, कूलरों, पुराने बर्तनों और अन्य पानी जमा करने वाले पात्रों की नियमित जांच तथा सफाई इस दिशा में महत्वपूर्ण है। एपिडेमियोलॉजिस्ट डॉ. शमशेर आलम ने बताया कि डेंगू पॉजिटिव पाए गए मरीजों के घरों और आसपास के क्षेत्रों में सोर्स रिडक्शन की कार्रवाई कराई गई है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से डेंगू की रोकथाम के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। पांच नए मरीजों में से चार का शहरी क्षेत्र से होना संक्रमण की रोकथाम के लिए स्थानीय स्तर पर सतर्कता की जरूरत को रेखांकित करता है। घरों और आसपास पानी जमा होने वाले स्थानों की नियमित सफाई नहीं होने पर मच्छरों को पनपने का अवसर मिल सकता है। ऐसे में केवल विभागीय कार्रवाई ही नहीं, बल्कि आम लोगों की भागीदारी भी जरूरी है।

घरों के आसपास जलभराव रोकने, कूलर का पानी नियमित बदलने और पानी की टंकियों को ढककर रखने जैसे उपाय संक्रमण के खतरे को कम करने में मदद कर सकते हैं। डेंगू के बढ़ते मामलों के बीच बुखार को सामान्य समझकर लंबे समय तक नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। बुखार होने पर चिकित्सक से परामर्श लेकर आवश्यक जांच कराना उचित है। तेज पेट दर्द, लगातार उल्टी, नाक या मसूड़ों से खून आने, असामान्य सुस्ती अथवा अत्यधिक कमजोरी जैसे लक्षण दिखाई देने पर तत्काल चिकित्सा सहायता लेनी चाहिए। बिना चिकित्सकीय सलाह के दवाओं का सेवन करने से भी बचना चाहिए।नजनपद में डेंगू के कुल मरीजों की संख्या 25 पहुंचने के बाद अब संक्रमण की रोकथाम के लिए निगरानी, समय पर जांच,

# शिकायत की जांच के बाद पमनावली चौकी प्रभारी आरिफ अली निलंबित, एसएसपी की कार्रवाई से पुलिस महकमे में हलचल

**खतौली क्षेत्र की पमनावली चौकी पर तैनात उपनिरीक्षक के खिलाफ मिली शिकायत, एसएसपी ने तत्काल प्रभाव से किया निलंबित, विभागीय कार्यवाही जारी**

मुजफ्फरनगर। जिले में पुलिस विभाग से जुड़ी एक कार्रवाई के तहत खतौली थाना क्षेत्र की पमनावली चौकी के प्रभारी उपनिरीक्षक आरिफ अली को निलंबित कर दिया गया है। उनके विरुद्ध प्राप्त शिकायती प्रार्थना पत्र की जांच के क्रम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय ने यह कार्रवाई की। मुजफ्फरनगर पुलिस के मीडिया सेल की ओर से जारी प्रेस नोट में निलंबन की पुष्टि की गई है। साथ ही बताया गया है कि उपनिरीक्षक के खिलाफ विभागीय कार्यवाही प्रचलित है। पुलिस विभाग की ओर से जारी सूचना के अनुसार, उपनिरीक्षक आरिफ अली के विरुद्ध एक शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुआ था। शिकायत की जांच




के क्रम में एसएसपी ने उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के आदेश दिए। इस कार्रवाई के बाद पुलिस महकमे में मामला चर्चा का विषय बना हुआ है।

शिकायत के बाद एसएसपी ने लिया संज्ञान

पमनावली चौकी प्रभारी के विरुद्ध शिकायत मिलने के बाद मामले की जांच की गई। इसी जांच के क्रम में एसएसपी ने निलंबन की कार्रवाई की। हालांकि, पुलिस के आधिकारिक प्रेस नोट में शिकायतकर्ता की पहचान, शिकायत में लगाए गए आरोपों की प्रकृति और जांच में सामने आए तथ्यों का विस्तृत ब्योरा नहीं दिया गया है। इसलिए फिलहाल शिकायत से जुड़े आरोपों के बारे में कोई निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा।

तत्काल प्रभाव से निलंबन

मुजफ्फरनगर पुलिस के मीडिया सेल की ओर से 22 अक्टूबर 2026 को जारी प्रेस नोट में स्पष्ट किया गया कि उपनिरीक्षक आरिफ अली को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। कार्रवाई का आदेश वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक की ओर से जारी किया गया। विभागीय जांच जारी, आगे की कार्रवाई पर नजर

पुलिस विभाग ने बताया कि उपनिरीक्षक आरिफ अली के विरुद्ध विभागीय कार्यवाही प्रचलित है। जांच पूरी होने के बाद मामले से संबंधित अन्य तथ्य सामने आ सकते हैं। फिलहाल पुलिस की ओर से निलंबन की पुष्टि की गई है, जबकि शिकायत के विस्तृत आरोपों और जांच के निष्कर्षों को लेकर आधिकारिक जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है।

# मुजफ्फरनगर के गुड़ को मिली जीआई टैग की पहचान, अब विश्व बाजार में चमकेगा जिले का नाम

**एक जिला-एक उत्पाद में चयनित गुड़ को मिली भौगोलिक पहचान, उत्पादकों और व्यापारियों से उत्पादन व वैक्यूम पैकेजिंग के लिए जल्द पंजीकरण कराने की अपील**

मुजफ्फरनगर। गन्ने की मिठास के लिए पहचान रखने वाले मुजफ्फरनगर के गुड़ को अब वैश्विक बाजार में अपनी अलग पहचान बनाने का अवसर मिला है। जिले के एक जिला-एक उत्पाद के तहत चयनित गुड़ को भौगोलिक संकेतक (जीआई टैग) में शामिल किए जाने की जानकारी उपायुक्त उद्योग जैस्मिन ने दी है। इस पहचान से जिले के पारंपरिक गुड़ कारोबार को नई दिशा मिलने और स्थानीय उत्पाद को व्यापक बाजार तक पहुंचाने की संभावनाएं बढ़ेंगी। इसके साथ ही गुड़ उत्पादकों और व्यापारियों से अपने उत्पादन तथा वैक्यूम पैकेजिंग के लिए जीआई टैग के तहत जल्द पंजीकरण कराने की अपील की गई है। उपायुक्त उद्योग जैस्मिन ने बताया कि जीआई टैग किसी उत्पाद को उसके विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्र से जोड़कर पहचान प्रदान करता है। इससे संबंधित उत्पाद की क्षेत्रीय पहचान स्थापित होती है और निर्धारित नियमों के तहत पात्र उत्पादकों को इस पहचान का उपयोग



करने का अधिकार मिलता है। मुजफ्फरनगर के गुड़ को इस पहचान से जोड़ने की पहल जिले की कृषि परंपरा, स्थानीय कारोबार और सामूहिक बौद्धिक संपदा के लिहाज से महत्वपूर्ण मानी जा रही है। मुजफ्फरनगर में गन्ने की खेती और गुड़ उत्पादन का लंबे समय से महत्वपूर्ण स्थान रहा है। इस कारोबार से किसान, गुड़ उत्पादक, कोल्हू संचालक और व्यापारी जुड़े हुए हैं। जीआई टैग की पहचान के माध्यम से जिले के गुड़ को उसके मूल क्षेत्र से जोड़कर बाजार में प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा। इससे स्थानीय उत्पाद की विशिष्टता को पहचान दिलाने और संभावित रूप से नए बाजारों तक पहुंच बनाने में मदद मिल सकती है। वैश्विक बाजार में किसी उत्पाद की पहचान मजबूत करने के लिए उसकी गुणवत्ता, पैकेजिंग और विश्वसनीयता महत्वपूर्ण होती है। ऐसे में गुड़ उत्पादकों के लिए जीआई टैग से संबंधित पंजीकरण के साथ आधुनिक पैकेजिंग और व्यवस्थित विपणन पर ध्यान देना भी जरूरी होगा। जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केंद्र ने जिले के गुड़ उत्पादकों और व्यापारियों से अपने गुड़ के उत्पादन तथा वैक्यूम पैकेजिंग के लिए जीआई टैग संबंधी पंजीकरण जल्द कराने को कहा है। वैक्यूम पैकेजिंग के माध्यम से उत्पाद को सुरक्षित तरीके से पैक करने और उसके भंडारण व परिवहन को बेहतर बनाने में मदद मिल सकती है। इससे दूरस्थ बाजारों तक उत्पाद पहुंचाने में भी सुविधा हो सकती है। विभाग की ओर से उत्पादकों और व्यापारियों को पंजीकरण की प्रक्रिया पूरी करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है, ताकि वे गुड़ की क्षेत्रीय पहचान का लाभ उठाने की दिशा में आवश्यक कदम उठा सकें।

विभागीय जानकारी के अनुसार, राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के सहयोग से उत्तर प्रदेश के 77 उत्पादों को जीआई पहचान मिलने का उल्लेख किया गया है। इसी क्रम में मुजफ्फरनगर के गुड़ को जिले की समृद्ध कृषि संस्कृति और सामूहिक बौद्धिक संपदा से जुड़ा महत्वपूर्ण उत्पाद बताया गया है।

# पांच लाख रुपये और स्विफ्ट कार के लिए विवाहिता पर सितम, पति समेत पांच के खिलाफ मुकदमा दर्ज

**ढाई लाख रुपये देने के बावजूद नहीं थमी दहेज की मांग, मारपीट कर गांव के बाहर छोड़ने और बच्ची को अपने पास रखने का आरोप, देवरों पर छेड़छाड़ व अश्लील संदेश भेजने की शिकायत**

मुजफ्फरनगर। शादी में पिता ने करीब 15 लाख रुपये खर्च किए, बेटी की खुशी के लिए ढाई लाख रुपये अतिरिक्त भी दिए, लेकिन इसके बावजूद ससुराल पक्ष की कथित दहेज की मांग खत्म नहीं हुई। पांच लाख रुपये और स्विफ्ट कार की मांग पूरी नहीं होने पर विवाहिता को प्रताड़ित करने, मारपीट कर घर से निकालने और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। विवाहिता ने अपने दोनों देवरों पर छेड़छाड़ और मोबाइल पर अश्लील संदेश भेजने के भी गंभीर आरोप लगाए हैं। शिकायत के आधार पर चरथावल थाने में पति, सास, ससुर और दोनों देवरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता और दहेज प्रतिषेध अधिनियम की संबंधित धाराओं में कार्रवाई शुरू की है।

शादी के बाद से ही अतिरिक्त दहेज की मांग करने का आरोप

चरथावल थाना क्षेत्र के गांव न्यामू निवासी विवाहिता की शादी 12 जून 2016 को बागपत जिले के गांव नथेला निवासी अंकुश त्यागी के साथ हुई थी। विवाहिता ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि उसके पिता ने शादी में करीब 15 लाख रुपये खर्च किए थे। आरोप है कि शादी के कुछ समय बाद ही पति अंकुश, ससुर पवन त्यागी, सास विमलेश और देवर आशीष व अमरीश ने अतिरिक्त दहेज की मांग शुरू कर दी। ससुराल पक्ष की ओर से पांच लाख रुपये और कार लाने का दबाव बनाया जाने लगा। मांग पूरी नहीं होने पर विवाहिता को कथित रूप से परेशान किया जाने लगा और उसके साथ मारपीट की गई। बेटी की खुशी के लिए पिता ने दिए ढाई लाख रुपये

विवाहिता का आरोप है कि ससुराल पक्ष की मांग से परेशान होकर उसने अपने पिता और परिवार को स्थिति बताई। बेटी की गृहस्थी बचाने और उसे परेशानियों से राहत दिलाने के लिए पिता ने शादी के करीब दो साल बाद ससुराल वालों को ढाई लाख रुपये दिए। पिता ने अपनी आर्थिक स्थिति का हवाला देते हुए कहा कि वह इससे अधिक रकम देने में सक्षम नहीं हैं। इसके बावजूद आरोप है कि ससुराल पक्ष संतुष्ट नहीं हुआ और कुछ समय बाद फिर से अतिरिक्त दहेज की मांग शुरू कर दी गई। विवाहिता के अनुसार, वह परिवार की प्रतिष्ठा और वैवाहिक संबंध बनाए रखने की उम्मीद में कथित उत्पीड़न सहन करती रही।

प्रार्थना पत्र में विवाहिता ने अपने देवर आशीष और अमरीश पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं। उसका कहना है कि दोनों उस पर बुरी नजर रखते थे और अकेला पाकर उसके साथ छेड़छाड़ तथा अश्लील हरकतें करते थे। आरोप है कि मोबाइल फोन पर भी अश्लील संदेश भेजे जाते थे। विवाहिता ने शिकायत में इन संदेशों को अपने मोबाइल में सुरक्षित होने की बात कही है। पुलिस मामले में लगाए गए इन आरोपों की भी जांच करेगी। विवाहिता के अनुसार, 11 जनवरी 2026 को पति और अन्य ससुरालियों ने उससे मायके से पांच लाख रुपये और स्विफ्ट कार लाने को कहा। उसने पिता द्वारा पहले ही ढाई लाख रुपये दिए जाने की बात कही तो आरोप है

# संपादकीय

## बूढ़े होते यूरोप को सता रही अपने भविष्य की चिंता

फ्रांस में युवाओं का आंदोलन शिक्षा की बदहाली, महंगाई और बढ़ते खर्च के खिलाफ गुस्से में बदल गया है। राजनीतिक बंटवारा, बढ़ता सरकारी कर्ज और बुजुर्गों की पेंशन पर भारी खर्च सरकार की मुश्किलें बढ़ा रहे हैं। युवाओं की घटती राजनीतिक ताकत और बजटीय सीमाओं के बीच फ्रांस के आर्थिक व राजनीतिक संकट के गहराने का खतरा है। फ्रांस में लोगों का समय-समय पर आंदोलन करना आम बात है। वहां होने वाले विरोध-प्रदर्शन अब हिंसा और तोड़फोड़ में तब्दील हो रहे हैं। काले कपड़े पहनने वाले ब्लैक ब्लॉक किसी खास एजेंडे के बजाय तोड़फोड़ के लिए कुख्यात हैं। इससे राजनीतिक बंटवारा, बढ़ता कर्ज और युवाओं की नाराजगी जैसी तीन बड़ी समस्याओं पर चर्चा नहीं हो पाती। मार्से के मेयर ने भी कहा है कि तोड़फोड़ के कारण छात्रों की मूल समस्याएं अनसुनी रह जा रही हैं। स्कूलों की बदहाली और शिक्षकों की कमी से शुरू हुआ विरोध अब महंगाई और बढ़ते खर्च के खिलाफ गुस्से में बदल गया है।यूरोप के अमीर देशों को इस बात पर सहमति बनानी होगी कि देश के धन और संसाधनों का बंटवारा कैसे हो। फिलहाल, बुजुर्गों को ज्यादा फायदा मिल रहा है, जबकि युवा अपने भविष्य को लेकर चिंतित हैं। यूरोप में जन्म दर घटने और औसत उम्र बढ़ने से युवाओं की आबादी कम हो रही है। ऐसे में फ्रांस और स्पेन में युवाओं की राजनीतिक ताकत भारत, बांग्लादेश और नेपाल जैसे देशों की तुलना में सीमित होती जा रही है।यूरोपीय देशों के सामने सबसे बड़ी चुनौती सरकारी खर्च और कमाई के बीच संतुलन साधने की है। इसके लिए उन्हें या तो खर्च घटाना होगा या आमदनी बढ़ानी होगी। लेकिन, बुजुर्ग पेंशन में कटौती नहीं चाहते और सरकार का सबसे ज्यादा खर्च भी उसी पर है। इसके अलावा, वहां के लोग बाहरियों को बसाने के खिलाफ भी हैं। इससे सरकारों के लिए रास्ता निकालना मुश्किल हो रहा है। फ्रांस के पास शिक्षा पर खर्च बढ़ाने के लिए पैसे ही नहीं हैं। ऐसे में टकराव बढ़ने का खतरा है। फ्रांस सरकार जीडीपी का 5.1 प्रतिशत शिक्षा पर खर्च करती है। इसके बावजूद स्कूलों की सुविधाएं सुधारने और पढ़ाई को बेहतर बनाने पर कम खर्च होता है, क्योंकि इसका एक चौथाई से ज्यादा हिस्सा रिटायर्ड शिक्षकों की पेंशन में चला जाता है। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने सरकारी खर्च घटाने के लिए 2023 में रिटायरमेंट की उम्र 62 से बढ़ाकर 64 साल करने का फैसला किया। लेकिन, इसका इतना विरोध हुआ कि सरकार को पीछे हटना पड़ा।बढ़ते सरकारी कर्ज के कारण वहां के निवेशकों की चिंता भी बढ़ रही है। सरकारी बॉन्ड की बिकवाली बढ़ने से फ्रांस के लिए कर्ज लेना महंगा हो गया है और ब्याज दरें 25 साल के ऊंचे स्तर पर पहुंच गई हैं। ऐसे में अगले साल के बजट से बड़े बदलाव की उम्मीद कम है।

# क्या कभी आत्मदैन्य से मुक्त हो सकेंगे हम?

**लंबे समय की गुलामी ने हमें आत्मदैन्य और आत्महीनता की ओर ढकेल दिया। भारतीय समाज के अपने पारंपरिक मूल्यों को छोड़कर हम शासक वर्गों द्वारा थोपी जा रही संस्कृति का अनुगमन करने लगे। हमें लगा हमारे अंग्रेज शासक, उनकी भाषा, पहनावा और उनकी संस्कृति-पंथ सबकुछ हमसे बेहतर है। उनके अनुयायी बनकर ही हमारी मुक्ति है।**

(प्रो. संजय द्विवेदी)

लंबे समय की गुलामी ने हमें आत्मदैन्य और आत्महीनता की ओर ढकेल दिया। भारतीय समाज के अपने पारंपरिक मूल्यों को छोड़कर हम शासक वर्गों द्वारा थोपी जा रही संस्कृति का अनुगमन करने लगे। हमें लगा हमारे अंग्रेज शासक, उनकी भाषा, पहनावा और उनकी संस्कृति-पंथ सबकुछ हमसे बेहतर है।

कोई भी राष्ट्र जिस स्थिति में होता है, उसके लिए वह खुद जिम्मेदार होता है। जापानी जैसे हैं ,उनका देश वैसा ही है। इसी तरह की बात इजरायल, चीन और ईरान या किसी भी देश के बारे में हो सकती है। भारत भी वैसा ही है, जैसे हम हैं! ऐसे में कभी विदेशी आक्रांताओं,कभी मैकाले और कभी अपनी आजादी के बाद सत्ता में आए नायकों को कोसते हुए हम अपने कर्तव्यबोध से मुक्त हो जाते हैं। कोई भी राष्ट्र अपने नागरिकों की सामूहिक चेतना के आधार पर विकसित होता है। उसका इतिहासबोध, संस्कृतिबोध, मित्रबोध और शत्रुबोध मिलकर उसका निर्माण करते हैं। इनसे ही राष्ट्रीय मानस या राष्ट्रीय भाव बनता है।

लंबे समय की गुलामी ने हमें आत्मदैन्य और आत्महीनता की ओर ढकेल दिया। भारतीय समाज के अपने पारंपरिक मूल्यों को छोड़कर हम शासक वर्गों द्वारा थोपी जा रही संस्कृति का अनुगमन करने लगे। हमें लगा हमारे अंग्रेज शासक, उनकी भाषा, पहनावा और उनकी संस्कृति-पंथ सबकुछ हमसे बेहतर है। उनके अनुयायी बनकर ही हमारी मुक्ति है। तत्कालीन समाज के श्रेष्ठ जन भी ब्रिटिश शासन में अंग्रेजी शिक्षा प्राप्त कर भारत लौटते थे और खुद को आधा-अधूरा अंग्रेज साबित करने में जुट जाते थे। ऐसे में शेष समाज अपने श्रेष्ठ वर्ग का आचरण देख वैसा ही बनने का प्रयास करने लगा। देश में तमाम सर, रायबहादुर और साहेब बहादुर हमारे आदर्श बन गए। स्वामी विवेकानंद, लोकमान्य तिलक, महर्षि अरविन्द, महर्षि दयानंद, महात्मा गांधी, भारतेंदु हरिश्चंद्र, जयशंकर प्रसाद, बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय,रवीन्द्र नाथ टैगोर के बहुत गहरे भारतबोध की प्रज्ञा ने हमें संभाला ,वरना हमारी दास्तां भी न होती दास्तानों में। हमारी हस्ती मिटने से कोई रोक नहीं सकता था।

देसीउत्पाद खोजें

औसत भारतीय का आचरण अंग्रेजी शासनकाल में कैसा था, कहने की जरूरत नहीं है। हम कोहिनूर को छोड़कर कांच की ओर दौड़ रहे थे। अंग्रेजी भाषा और संस्कृति श्रेष्ठता की परिचायक बन गई। जब तक अपना कोई व्यक्ति या कार्य पश्चिम में स्थापित न हो जाए, उसे हम श्रेष्ठ मानने को तैयार नहीं थे। अंग्रेजी शासन और उसके बाद के आजादी के साल भी आत्मगौरव के अभाव में गुजरे साल बनकर रह गए। सत्ता के आतंक और सत्ता से जुड़े रहने के आकर्षण से हमने अपने जीवन मूल्यों का सनातन सिद्ध राजमार्ग छोड़कर अंग्रेजियत की पगडंडियों पर चलना प्रारंभ कर दिया, जो हमारा देखा-परखा रास्ता नहीं था। जाहिर है इस मार्ग पर हम नेतृत्वकर्ता नहीं, अनुगामी ही बन सकते थे। हमारे एकत्व को चोटिल करने के सचेतन प्रयास प्रारंभ हुए। भारतीय शिक्षा पद्धति को अंग्रेजी राज में कैसे नष्ट किया गया, इसे धर्मपाल जी को पढ़कर ही समझ में आएगा। स्व के स्थान पर परकीय विचारों की स्थापना के प्रयास खूब चले। हम एक राष्ट्र नहीं हैं, बताया गया। अनेक स्थानीयताओं को राष्ट्रीयता के बरक्स स्थापित करने के अकादमिक प्रयास भी खूब चले, सफल भी हुए। कैसे और कितने विभाजन गढ़े जा सकते हैं, सारा जोर इसी पर था। भारतीय ज्ञान परंपरा पर चल रहे लोगों के आत्मविश्वास को समाप्त कर इस पूरे विचार को ही पोंगापंथ और पिछड़ेपन के रुप में आरोपित किया जाना फैशन बन गया।



राजनीतिक परिवर्तन के कारण लंबे समय के बाद भारत फिर से खुद को खोज रहा है। अपनी जड़ों की तरफ वापसी करना चाहता है। जिसे विचारों की घर वापसी कहकर संबोधित किया गया। जरूरी है कि भारत प्रेमी बौद्धिक वर्ग सत्य के सूर्य की स्थापना करने के लिए अध्यवसाय में जुट जाए। सिर्फ भावनात्मक प्रवचनों, कार्यक्रमों से आगे बढ़कर भ्रमों के निवारण का जतन करे। ऐसे कुशल बौद्धिक योद्धा ही अपनी ज्ञान परंपरा को सामने लाकर तथ्य, प्रमाणों के साथ उनकी युगानुकुल व्याख्या करेंगे। इसके लिए हमें लोकसंग्रही और विनम्र बनना पहली शर्त है। परंपरा,जीवन पद्धति और परिवार पर छाए संकटों के बीच ये प्रयत्न ही हमें आत्मशक्ति देंगे। दुनिया भर में चल रहे सभ्यतागत संघर्ष के बीच भारत को अपनी वृहत्तर भूमिका का निर्वहन करना है, क्योंकि हमारे पास दुनिया को देने के लिए समावेशी विचार है। जहां साझापन सौंदर्य की तरह है, विविधता और बहुलता का यहां उत्सव मनाया जाता है। हम पूजा में भी अनेक देवताओं की पूजा करते हैं। बहुलतावादी समाज होने कारण हमने मतभिन्नता का सदैव स्वागत किया। इसका उदाहरण हमारी शास्त्रार्थ परंपरा है। इसलिए एक किताब,एक विचार, एक देवता को मानने और दूसरे विचार को समाप्त करने को आतुर विचार भारत को नहीं समझ सकते। जहां दुनिया के हर पंथ के लोग नैसर्गिक सहजता से सांस ले सकते हैं। यहां कोई श्रेष्ठ और निकृष्ट नहीं है। सब समान रूप से इस धरती मां की संतानें हैं। ऐसे में भारत केंद्रित विमर्श ही विश्व शांति का मार्ग है। स्वत्व ही मार्ग है, जिस पर चलने के लिए हमें महात्मा गांधी, धर्मपाल, सीताराम गोयल, दीनदयाल उपाध्याय, वासुदेव शरण अग्रवाल, निर्मल वर्मा, विद्यानिवास मिश्र का अध्ययन मदद कर सकता है। इससे भारत के मूल विचार को समझने तथा भारत का मौलिक चिंतन स्थापित करने में मदद मिलती है। इससे ही ग़लत बातों का खंडन करते हुए हम सही विमर्श की स्थापना में सफल हो पाएंगे।

भारतीय उदात्त जीवन मूल्यों के आधार पर संपूर्ण विश्व के लिए हमें ही वैश्विक बौद्धिक नेतृत्व देना होगा। जिसकी एक झलक हमें स्वामी विवेकानंद में दिखती है। ऐसे में 'स्वबोध' का जागरण ही विकल्प है। पहले हमारे अपने विचार को भारत तो स्वीकार करे। वह आत्मदैन्य से मुक्त होकर भारत को भारत (इंडिया नहीं) की नजर से देखना प्रारंभ करे। वैचारिक साम्राज्यवाद से मुक्ति के लिए कई स्तरों पर कार्य करने की आवश्यकता है। इसे इस तरह से समझिए कि गोरा बनाना और अंग्रेजी सिखाना आज भी हिंदुस्तान में दो सबसे बड़े व्यापार हैं। यही उपनिवेशवादी मानसिकता है। इसके चलते ही हमारे गांव उजड़ते चले गए और संयुक्त परिवार बिखर गए। आज एकल परिवारों के नाते अलग तरह के सामाजिक-सांस्कृतिक संकट हमारे सामने हैं। जाति, भाषा, क्षेत्र,पंथ की लड़ाइयों को छोड़कर भी बहुत सी विभाजनकारी बातें हर दिन आज भी खोजी जाती हैं , फिर आख्यान (नरेटिव) गढ़े जाते हैं। भारत जिसे कभी इंडिया बनाने की कोशिशें हुईं, उसे भारत बनाए रखने के लिए हमें ही आगे आना होगा। क्योंकि भारत का नष्ट होना, उस विचार का मिट जाना होगा, जिसने हमें वसुधैव कुटुम्बकम् का संदेश दिया। जिसने हमें राम, कृष्ण,शिव, बुद्ध, महावीर, गुरु नानक देव जैसे नायक दिए। जिसने सर्वे भवन्तु सुखिनः में अपनी मुक्ति देखी और लोक-मंगल जिसका मूलमंत्र रहा।(लेखक माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल में जनसंचार विभाग के अध्यक्ष हैं।)

**(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)**

# जब एक चुप्पी टाल सकती है बड़ा विवाद, गुस्से में बोलने से बेहतर है कुछ देर का मौन

(रितुप्रिया शर्मा)

चुप रहकर अपने आप को प्रदर्शित करने की कला को मौन के रूप में भी देखा जाता है। कई बार चुप रहकर भी हम बहुत सारी बातें कह देते हैं, जो हम बोलकर भी नहीं कह पाते। ऐसा इसलिए नहीं है कि बोलना अच्छा नहीं है, बल्कि मौन एक कला और साधना है, जिससे हम मानसिक और आध्यात्मिक रूप से दृढ़ बनते हैं। फर्क सिर्फ इतना होता है कि शब्द नहीं, बल्कि आत्मा बोलती है।

आज भाग-दौड़, शोर-शराबे का युग है, जिसमें ज्यादातर सिर्फ व्यर्थ की आपाधापी है और प्रतिस्पर्धा से जूझते लोग हैं। शब्द कम पड़ जाते हैं, लेकिन लोगों का बोलना अनवरत जारी रहता है। ऐसी परिस्थिति में मानसिक शांति कैसे मिल पाएगी, यह प्रश्न उठना स्वाभाविक ही है। मौन एक प्राकृतिक शक्ति है और बुद्धिमानी की निशानी भी है, क्योंकि हर बार बोलकर अपने आपको प्रकट करना आवश्यक नहीं है। बेहिसाब और बेलगाम शब्द कई बार मुश्किल खड़ी कर देते हैं, लेकिन मौन व्यक्ति को आमतौर पर विचारशील बनाता है। चुप रहकर हम एक साधना करते हैं, जो हमें अपने भीतर जानने का अवसर प्रदान करती है और स्वयं का मूल्यांकन आसानी से हो पाता है। संत-महात्मा भी अपने जीवन में मौन की साधना के जरिए ही अपने सर्वोत्कृष्ट रूप में सामने आए थे। हालांकि खुद को अभिव्यक्त करने के लिए यह भी जरूरी है कि हम कहां और किससे संवाद कायम करने की कोशिश कर रहे हैं। यहां मौन की भाषा को समझने वाले उचित व्यक्ति की भी जरूरत होती है। यानी कहा जा सकता है कि मौन अभिव्यक्ति का एक बेहतर जरिया है, लेकिन इसके लिए देशकाल के तकाजे को ध्यान में रखना जरूरी होता है।

बहरहाल, मानसिक शांति मौन का सबसे प्रबल लाभ है। निरंतर चलने वाले संवाद ने व्यक्ति को अनावश्यक विवादों के दौर में डाल दिया है और ये अनावश्यक विवाद आमतौर पर व्यक्ति के शब्दों से ही उत्पन्न होते हैं। ऐसे में जरूरत भर मौन का रास्ता अपनाकर हम ऐसी समस्याओं का हल निकाल सकते हैं। हमारी विचार शक्ति और चेतना का जागरण मौन के द्वारा ही संभव है और मौन रहकर हम अपने अंदर एक नई ऊर्जा का संचार करने में समर्थ बन सकते हैं।

अगर हम अपना व्यक्तित्व निखारना चाहते हैं, तो हमें अपने शब्दों को सोच-समझकर बोलना होगा और अनावश्यक बातों से बचना होगा। समाज में सम्मान पाने के लिए भी मौन एक जरूरी आवश्यकता है। इस अनुभव से ज्यादातर लोग गुजरे होंगे, जिसमें समाज व्यक्ति की बात बहुत ध्यान से सुनता है, जो अनावश्यक बोलने से बचता है। मौन रहने का एक फायदा और है कि हम अच्छे श्रोता बनते हैं और दूसरे के विचारों का आदर करना भी सीखते हैं।

सबसे अहम पक्ष यह है कि क्रोध के समय मौन ही हमें निरंतर होने वाली आलोचना और स्वास्थ्य की हानि से बचाता है। इसके अलावा, रिश्तों को भी बचाने में मौन की भूमिका स्वयंसिद्ध रही है। यह आम अनुभव रहा है कि अगर किसी ने कोई कठोर शब्द बोल दिया, तो एक बड़ा विवाद खड़ा हो जाता है और उसका असर संबंधों तक पर पड़ता है। दोस्ती से लेकर भाईचारे या फिर दंपतियों तक के रिश्ते टूट जाते हैं या कम से कम लंबे जद्दोजहद में चले जाते हैं। इसलिए अपनी भावनाओं को अभिव्यक्त करना ठीक है, लेकिन भावनाओं की तीव्रता हो, तब मौन रहना बेहद आवश्यक हो जाता है। बड़े-बुजुर्ग भी कहते हैं कि चुप रहना बुद्धिमानी का संकेत है। अगर हम क्रोध के समय चुप रह गए, तो इसका लाभ हमें तत्काल भी दिख सकता है। प्रतिक्रिया देना लाजिमी है, लेकिन अपनी भावनाओं को नियंत्रित करके बाद में भी प्रतिक्रिया दी जा सकती है। मौन का आध्यात्मिक महत्त्व जगजाहिर रहा है। योग, ध्यान और साधना में व्यक्ति मौन को ही अपनी विशेष स्थिति के रूप में अपनाता है और अपने आसपास के माहौल को भी सुंदर बनाता है। मौन रहने से हम अपने भीतर की आवाज को अच्छे से सुन पाते हैं और यही आत्मज्ञान और आत्मविश्वास हमें जीवन की ऊंचाइयों तक ले जाता है।

इसका मतलब यह नहीं है कि मौन के नाम पर हम हर परिस्थिति और हर अत्याचार को चुप रहकर सहते रहें। न्याय की रक्षा के लिए हमें चीजों को विवेक से तौलना होगा और सही समय आने पर सही बात को बोलना होगा। जीवन के पथ पर हमें मौन का कितना प्रयोग करना है, यह पूरी तरह हमारी परिस्थितियों पर निर्भर है।

आज की तकनीकी दुनिया और इसकी प्रणाली ने लोगों को हर वक्त संवाद में व्यस्त कर दिया है। चुप रहने का कोई मौका नहीं है और जो व्यक्ति निरंतर इस तरह से अपने आप को खर्च करता रहता है, उसके पास भीतर की ऊर्जा शेष नहीं रहती। इसलिए स्वयं को मौन से जोड़ना एक बेहतर जीवनशैली का अच्छा रास्ता है। अपने विचारों और लक्ष्यों को स्पष्ट रखते हुए वास्तविक उद्देश्य की ओर उन्मुख होना चाहिए, क्योंकि मौन एक अनुशासन है और हमारे धैर्य की परीक्षा है।

जीवन को संतुलित बनाने और विकास के लिए मौन का महत्त्व अद्वितीय है। जो बात बहुत से शब्द नहीं कह सकते, वह एक चुप्पी कह सकती है। यही मौन आगे चलकर हमें अभ्यास में परिवर्तित करना चाहिए, ताकि यह हमें बेहतर जीवन की ओर लेकर जाए। मौन एक संतुलित जीवनशैली का नाम है और इसे अपनाकर हम अपना विकास ही करेंगे।

# कोलकाता की दुर्गा पूजा में भगदड़- कहां चूका भीड़ प्रबंधन का मॉडल?

**हालिया प्रशासनिक फेरबदल और राजनीतिक पसंद-नापसंद के आधार पर हुई तैनातियों के कारण कई ऐसे अधिकारी दुर्गा पूजा की व्यवस्था के दायरे से किनारे हो गए। नए कमान तंत्र में वह प्रशासनिक साहस और स्वायत्तता नहीं दिखी, जो जमीन पर अचानक उभरी स्थिति को देखकर कड़े फैसले ले सके। निर्णय लेने में हुई हिचकिचाहट ने कई परिवारों को उजाड़ दिया। यदि कोलकाता को अपनी सांस्कृतिक अस्मिता, वैश्विक प्रतिष्ठा और यूनेस्को की विरासत को अक्षुण्ण रखना है, तो इस त्रासदी को केवल एक औपचारिक जांच आयोग की फाइलों में दबाया नहीं जा सकता।**

(राहुल लाल)

कोलकाता का 'भीड़ प्रबंधन मॉडल' एक ऐसा मानक माना जाता था, जहां लाखों की संख्या में लोग संकरी गलियों से होकर गुजरते थे, भव्य पंडालों में देवी की प्रतिमाओं के दर्शन करते थे और बिना किसी अप्रिय घटना के अपने घरों को लौट जाते थे।

पश्चिम बंगाल में कोलकाता की दुर्गा पूजा केवल एक धार्मिक अनुष्ठान या मौसमी पर्व नहीं है, बल्कि यह यूनेस्को की ओर से मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर के रूप में स्वीकृत एक विशाल महोत्सव है। शरद ऋतु की षष्ठी से लेकर विजयादशमी तक बड़ी संख्या में लोग जब एक साथ सड़कों पर उतरते हैं, तो इसके चर्चे पूरी दुनिया में होते हैं। देश के विभिन्न हिस्सों में कुंभ, हाथरस, नैना देवी अथवा सबरीमाला जैसे धार्मिक आयोजनों में होने वाली भगदड़ और प्रशासनिक अव्यवस्थाएं जब भी राष्ट्रीय विमर्श का हिस्सा बनती थीं, तब पश्चिम बंगाल और विशेष रूप से कोलकाता पुलिस की मिसाल गर्व से दी जाती थी। कोलकाता का 'भीड़ प्रबंधन मॉडल' एक ऐसा मानक माना जाता था, जहां लाखों की संख्या में लोग संकरी गलियों से होकर गुजरते थे, भव्य पंडालों में देवी की प्रतिमाओं के दर्शन करते थे और बिना किसी अप्रिय घटना के अपने घरों को लौट जाते थे। मगर 17 अक्तूबर की शाम उत्तरी कोलकाता के चोरबागान सार्वजनिक पूजा पंडाल में जो घटा, उसने इस ऐतिहासिक गौरव, प्रशासनिक साख और उत्सव की मर्यादा पर एक गहरा आघात किया है। महासप्तमी की शाम भारी बारिश और उसके बाद हुई भगदड़ में कई श्रद्धालुओं की जान चली गई।



इस घटना को लेकर अब तक की जांच में सामने आया है कि यह केवल एक अप्रत्याशित प्राकृतिक विपदा नहीं थी, बल्कि इसमें पंडाल आयोजकों की संरचनात्मक अनदेखी, प्रशासनिक संवेदनहीनता, वीआईपी संस्कृति और दशकों से संचित संस्थागत प्रोटोकॉल के टूटने की कई कड़ियां शामिल हैं।

जब भी ऐसे हादसे होते हैं, प्रशासनिक तंत्र सबसे पहले प्रकृति को ढाल बनाता है, जैसे– अचानक भारी बारिश आ गई और बिजली गुल हो गई। मगर तथ्य इस बहानेबाजी को सिरे से खारिज करते हैं। कोलकाता में अक्तूबर के महीने में चक्रवाती दबाव के कारण भारी बारिश कोई नई परिघटना नहीं है। पिछले वर्ष भी भारी वर्षा और जलभराव के बीच पूजा निर्बाध संपन्न हुई थी। फिर इस बार ऐसा क्या हुआ कि भगदड़ में कई निर्दोष लोगों की जान चली गई?

इस घटना की जांच ने प्रशासनिक दावों के उलट भयावह सच्चाई को उजागर किया है। वहां लगे सीसीटीवी की तस्वीरों से पता चलता है कि बारिश शुरू होते ही जब बाहर खड़े हजारों लोग छत की तलाश में भागे, तो संकरे निकास मार्ग पर बनी कमजोर अस्थायी सीढ़ियां भारी दबाव में ढह गईं। सीढ़ियों के टूटते ही आगे चल रहे लोग गिर पड़े और मुख्य निकास पूरी तरह अवरुद्ध हो गया। ठीक इसी नाजुक मोड़ पर लगातार बजती सीटियों और लाउडस्पीकर पर हुई अनियंत्रित घोषणाओं से लोगों में दहशत फैल गई और इसके तुरंत बाद बिजली भी गुल हो गई।

घने अंधेरे में लोग एक-दूसरे को कुचलते हुए इधर-उधर भागते रहे। ऐसे में इस त्रासदी को प्राकृतिक नहीं, बल्कि समय पर भीड़ को नियंत्रित न कर पाने की प्रशासनिक विफलता का परिणाम माना जा रहा है। नियमों के अनुसार, किसी भी सार्वजनिक पंडाल में बिजली आपूर्ति बाधित होने पर तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था की तैयारी पहले से होना अनिवार्य है, मगर जांच में सामने आया है कि चोरबागान हादसे के दौरान बिजली की तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था नहीं हो पाई। इस पूरी त्रासदी का निराशाजनक पहलू यह है कि कोलकाता पुलिस और प्रशासन के पास इस तरह की समस्या से निपटने का पहले से आजमाया हुआ मॉडल मौजूद था, फिर भी भगदड़ को नहीं रोका जा सका। वर्ष 2015 का उदाहरण अभी भी इस शहर की स्मृति में ताजा है। तब दक्षिण कोलकाता के देशप्रिय पार्क में 'विश्व की सबसे ऊंची दुर्गा प्रतिमा' स्थापित की गई थी। तृतीया और चतुर्थी के दिन ही लाखों लोगों की भीड़ वहां उमड़ पड़ी। जब पुलिस ने देखा कि भीड़ की सघनता सुरक्षा मानकों को पार कर गई है और किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है, तो तत्कालीन पुलिस कमिश्नर और उनकी टीम ने एक साहसिक निर्णय लिया। प्रशासन ने किसी राजनीतिक दबाव, आयोजकों के रसूख या जनता की नाराजगी की परवाह किए बिना उस पंडाल को पूरे उत्सव के लिए तत्काल सील कर दिया था। उस सख्त फैसले ने एक संभावित महा-त्रासदी को टाल दिया था। इसके बाद के वर्षों में भी जब कभी श्रीभूमि या कल्याणी जैसे पंडालों में भीड़ अनियंत्रित हुई, तो पुलिस ने तुरंत लेजर शो बंद करवाए, प्रवेश द्वारों पर अवरोधक लगाए और भीड़ के प्रवाह को कई किलोमीटर पहले ही नियंत्रित कर दिया।

दुर्गा पूजा पर कोलकाता पुलिस का भीड़ प्रबंधन मॉडल किसी कागजी नियमों से अधिक उन अनुभवी अधिकारियों के व्यावहारिक ज्ञान पर निर्भर करता था, जो उत्तर और दक्षिण कोलकाता के एक-एक नुक्कड़, गली और मोड़ से वाकिफ थे। हालिया प्रशासनिक फेरबदल और राजनीतिक पसंद-नापसंद के आधार पर हुई तैनातियों के कारण कई ऐसे अधिकारी दुर्गा पूजा की व्यवस्था के दायरे से किनारे हो गए। नए कमान तंत्र में वह प्रशासनिक साहस और स्वायत्तता नहीं दिखी, जो जमीन पर अचानक उभरी स्थिति को देखकर कड़े फैसले ले सके। निर्णय लेने में हुई हिचकिचाहट ने कई परिवारों को उजाड़ दिया। यदि कोलकाता को अपनी सांस्कृतिक अस्मिता, वैश्विक प्रतिष्ठा और यूनेस्को की विरासत को अक्षुण्ण रखना है, तो इस त्रासदी को केवल एक औपचारिक जांच आयोग की फाइलों में दबाया नहीं जा सकता। आने वाले वर्षों के लिए एक कड़ा, वैज्ञानिक और कानूनी रूप से बाध्यकारी 'दुर्गा पूजा सुरक्षा घोषणापत्र' लागू करना जरूरी है। प्रत्येक पूजा पंडाल के आंतरिक क्षेत्रफल, पहुंच मार्ग और निकास चौड़ाई के आधार पर राष्ट्रीय भवन संहिता और एनडीएमए मानकों के तहत उसकी अधिकतम सुरक्षित क्षमता निर्धारित की जानी चाहिए। यदि किसी पंडाल की सुरक्षित क्षमता 800 व्यक्तियों की है, तो 801वें व्यक्ति का प्रवेश रोकने के लिए कड़ी व्यवस्था होनी चाहिए। किसी भी पंडाल का निकास द्वार उसके प्रवेश द्वार से कम से कम डेढ़ गुना अधिक चौड़ा होना चाहिए। संकरी गलियों में खुलने वाले निकास द्वारों वाले स्थलों पर पंडाल लगाने की अनुमति प्रतिबंधित करनी होगी।

# टैक्स बार एसोसिएशन ने लगाया रक्तदान शिविर, रक्तदाताओं को किया सम्मानित




मुजफ्फरनगर। टैक्स बार एसोसिएशन द्वारा परिक्रमा मार्ग स्थित अलकनंदा ब्लड बैंक में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में अधिवक्ताओं ने उत्साहपूर्वक रक्तदान कर मानव सेवा का संदेश दिया। रक्तदान के माध्यम से जरूरतमंद मरीजों की सहायता करने के उद्देश्य से आयोजित इस शिविर में कई अधिवक्ताओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

शिविर में टैक्स बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सलिल वत्स, उपाध्यक्ष राजीव गुप्ता, कार्यक्रम संयोजक राज कुमार गुप्ता, रविशंकर अग्रवाल, सचिन गुप्ता, शुभम् भारद्वाज, नमन मित्तल, मोहम्मद शाहजेब एवं डॉक्टर मोहम्मद तस्लीम अहमद ने रक्तदान किया।

इस अवसर पर महासचिव बृज मोहन, पूर्व अध्यक्ष आरके शर्मा, प्रभात कुमार गर्ग, मुकेश ढींगरा, अनुज सैनी, अभिलाष गुप्ता एवं निधीश गुप्ता सहित अनेक अधिवक्ता उपस्थित रहे।

सभी ने रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए इसे मानवता की सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम बताया।

कार्यक्रम के दौरान डॉ. आलोक कुमार को प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

वहीं विपुल शर्मा, मनीषा शर्मा सूरज, नितिन कुमार, मोहित बालियान को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। शिविर के माध्यम से रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा समाज में सेवा और सहयोग की भावना को प्रोत्साहित करने का संदेश दिया गया।

# रामपुरी की श्रीरामलीला का श्रीराम राज्याभिषेक और हरिद्वार में गंगा स्नान के साथ समापन

## कलाकारों को सम्मान पत्र व पारितोषिक देकर किया सम्मानित, गंगा में ध्वज विसर्जन के साथ संपन्न हुआ रामलीला मंचन




मुजफ्फरनगर। रामपुरी एकता शक्ति धर्म प्रचार समिति मुजफ्फरनगर रजिस्टर्ड के तत्वावधान में रामपुरी में 8 अक्टूबर से 21 अक्टूबर तक आयोजित श्रीरामलीला मंचन का समापन प्रभु श्रीराम के राज्याभिषेक, कलाकारों को सम्मानित करने तथा हरिद्वार में गंगा स्नान और ध्वज विसर्जन के साथ हुआ। श्रीरामलीला के सफल आयोजन के बाद समिति पदाधिकारियों, कलाकारों और कार्यकर्ताओं ने धार्मिक परंपराओं के अनुसार कार्यक्रम का विधिवत समापन किया। बुधवार रात्रि आयोजित प्रभु श्रीराम के राज्याभिषेक कार्यक्रम में रामलीला मंचन में अभिनय करने वाले सभी कलाकारों, कार्यकर्ताओं और सहयोगियों को समिति की ओर से सम्मान पत्र एवं पारितोषिक प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस दौरान कलाकारों के योगदान की सराहना की गई और रामलीला के सफल आयोजन में सहयोग देने वाले सभी लोगों का आभार व्यक्त किया गया।

गुरुवार, 22 अक्टूबर 2026 को समिति के पदाधिकारी, समस्त कलाकार और कार्यकर्ता बस द्वारा हरिद्वार के लिए रवाना हुए। हरिद्वार पहुंचकर सभी ने विधि-विधान के साथ पूजन-अर्चन किया। इसके बाद श्रीरामलीला में स्थापित ध्वज को गंगा में प्रवाहित किया गया। धार्मिक परंपरा के अनुसार सभी कलाकारों ने अपने अभिनय स्वरूप को उतारने के बाद गंगा स्नान किया। इसी के साथ रामपुरी मुजफ्फरनगर की श्रीरामलीला मंचन-2026 का कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हो गया।

इस अवसर पर समिति अध्यक्ष चौधरी शक्ति सिंह, संयोजक प्रमोद पाल, कोषाध्यक्ष दिवाकर त्यागी, महामंत्री डॉ. एसके गौतम, निर्देशक रवि धीमान, सतेंद्र त्यागी, शिवम त्यागी, हर्षित चौरसिया, अर्पित चौरसिया, आर्य धीमान, हिमांशु गोस्वामी, लवी गोयल, विपिन धीमन, आयुष पाल, यश शर्मा, वंश शर्मा, शौर्य सिंह, नवीन निर्माण, बिट्टू, शानू उपाध्याय, कार्तिक, उज्जवल, कन्हैया शर्मा सहित समस्त कलाकार एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

समिति अध्यक्ष चौधरी शक्ति सिंह ने श्रीरामलीला के सफल आयोजन में सहयोग देने वाले सभी कलाकारों, कार्यकर्ताओं और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

# स्वामी रामतीर्थ जयंती पर विद्यार्थियों को दिया आत्मज्ञान और सकारात्मकता का संदेश

## आचार्य अनु शुक्ला ने बताईं महान संत की शिक्षाएं, प्रधानाचार्या डॉ. वंदना शर्मा ने जीवन में आदर्शों को अपनाने के लिए किया प्रेरित



मुजफ्फरनगर। भागवंती सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, नई मंडी में गुरुवार को महान संत स्वामी रामतीर्थ जी की जयंती श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। विद्यालय के प्रार्थना सभा स्थल पर आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों को स्वामी रामतीर्थ के जीवन, आध्यात्मिक विचारों और उनकी शिक्षाओं से परिचित कराया गया। वक्ताओं ने विद्यार्थियों को आत्मज्ञान, सत्यनिष्ठा, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच अपनाकर जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता आचार्य अनु शुक्ला ने स्वामी रामतीर्थ के जीवन, व्यक्तित्व और आध्यात्मिक चिंतन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने वेदांत के ज्ञान को अमेरिका सहित विश्व के अनेक देशों तक पहुंचाया। उनकी शिक्षाएं मनुष्य को अपनी आंतरिक शक्ति पहचानने, सत्य के मार्ग पर चलने और जीवन में सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने की प्रेरणा देती हैं।

आचार्य अनु शुक्ला ने स्वामी रामतीर्थ के तीन प्रमुख संदेशों—ह्यतुम ही ब्रह्म होह्ण, ह्यसत्य तुम्हारा जन्मसिद्ध अधिकार हैह्ण तथा ह्यखुशी बाहर नहीं, भीतर हैह्ण—के माध्यम से विद्यार्थियों को आत्मज्ञान का महत्व समझाया। उन्होंने कहा कि व्यक्ति को अपनी क्षमताओं पर विश्वास रखना चाहिए तथा कठिन परिस्थितियों में भी सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ना चाहिए। आत्मविश्वास, सत्यनिष्ठा और आध्यात्मिक चिंतन से व्यक्ति अपने जीवन को सार्थक बना सकता है।

विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. वंदना शर्मा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि महापुरुषों और संतों की जयंती मनाने का वास्तविक उद्देश्य केवल उन्हें याद करना नहीं, बल्कि उनकी शिक्षाओं को अपने जीवन में आत्मसात करना है। उन्होंने स्वामी रामतीर्थ सहित सभी महान संतों को शत-शत नमन करते हुए विद्यार्थियों से उनके आदर्शों पर चलने और अपने आचरण में अच्छे संस्कारों को अपनाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिक चिंतन और जीवन मूल्यों के महत्व से परिचित कराया गया। इस अवसर पर विद्यालय का समस्त परिवार उपस्थित रहा।

# गन्ने का राज्य परामर्शी मूल्य 500 रुपये प्रति क्विंटल घोषित किया जाए : धर्मेंद्र मलिक

## भाकियू अराजनैतिक के प्रतिनिधिमंडल ने अपर मुख्य सचिव वीना कुमारी से की मुलाकात, पेराई सत्र शुरू होने से पहले मूल्य घोषित करने की मांग



मुजफ्फरनगर। भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक के प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को बापू भवन में गन्ना एवं चीनी उद्योग की अपर मुख्य सचिव वीना कुमारी से मुलाकात कर आगामी पेराई सत्र से पहले गन्ने का राज्य परामर्शी मूल्य 500 रुपये प्रति क्विंटल घोषित करने की मांग की। प्रतिनिधिमंडल में संगठन के राष्ट्रीय प्रवक्ता धर्मेंद्र मलिक और युवा प्रदेश अध्यक्ष दिगंबर सिंह शामिल रहे। उन्होंने गन्ना किसानों की बढ़ती उत्पादन लागत, चीनी के बाजार मूल्य में वृद्धि और इस वर्ष गन्ने के उत्पादन में संभावित गिरावट का हवाला देते हुए किसानों को लाभकारी मूल्य देने की मांग उठाई।

राष्ट्रीय प्रवक्ता धर्मेंद्र मलिक ने कहा कि उत्तर प्रदेश में गन्ना केवल एक फसल नहीं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। प्रदेश के लगभग 48 लाख गन्ना किसान परिवार प्रत्यक्ष रूप से इससे जुड़े हैं। इसके अतिरिक्त कृषि मजदूरों, परिवहन कारोबार, चीनी मिलों, कोल्हू और गुड़ उद्योग सहित लाखों लोगों की आजीविका भी गन्ने पर निर्भर है। पिछले वर्षों में डीजल, खाद, कीटनाशक, सिंचाई और कृषि मजदूरी की लागत में लगातार वृद्धि हुई है, जबकि गन्ने के मूल्य में बढ़ोतरी उत्पादन लागत के अनुरूप नहीं हुई है। ऐसे में किसानों को कम से कम 500 रुपये प्रति क्विंटल का मूल्य दिया जाना आवश्यक है।

धर्मेंद्र मलिक ने कहा कि चीनी के बाजार मूल्य में वृद्धि और गन्ने की बढ़ती लागत को ध्यान में रखते हुए मूल्य निर्धारण किया जाना चाहिए। संगठन की ओर से दिए गए ज्ञापन में केंद्र सरकार के 21 अगस्त 2026 के आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया गया कि 20 जुलाई से 20 अगस्त 2026 के बीच चीनी का औसत खुदरा मूल्य 48.18 रुपये से बढ़कर 55.70 रुपये प्रति किलोग्राम हो गया। उन्होंने कहा कि चीनी के खुदरा मूल्य और चीनी मिलों के वास्तविक लाभ में अंतर होता है, लेकिन चीनी, एथेनॉल, शीरा तथा अन्य उप-उत्पादों से होने वाली आय को ध्यान में रखकर गन्ने के मूल्य का निष्पक्ष निर्धारण किया जाना चाहिए। संगठन ने कहा कि वर्तमान में कोल्हू और क्रेशर पर गन्ने की खरीद लगभग 480 रुपये प्रति क्विंटल की दर से होने की बात सामने आ रही है। इससे चीनी मिलों के सामने गन्ना आपूर्ति का संकट उत्पन्न होने की आशंका है। संगठन के अनुसार, पिछले वर्ष भी कोल्हू और क्रेशर संचालकों ने राज्य परामर्शी मूल्य से अधिक दर पर गन्ने की खरीद की थी। किसान संगठन ने कृषि लागत में वृद्धि का हवाला देते हुए कहा कि हाल ही में कृषि मूल्य आयोग ने रबी फसलों के मूल्य निर्धारण संबंधी अपनी रिपोर्ट में उत्पादन लागत में 10 प्रतिशत से अधिक वृद्धि दर्ज होने की बात स्वीकार की है। युवा प्रदेश अध्यक्ष दिगंबर सिंह ने गन्ना सुरक्षण आदेश पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि गन्ना विभाग की नीतियों से सरकारी और सहकारी चीनी मिलों के हित प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि गन्ना सुरक्षण आदेश तैयार करने की प्रक्रिया की जांच कराई जानी चाहिए तथा यदि इसमें भ्रष्टाचार या अनियमितताएं पाई जाती हैं तो संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

# किसान राजधानी सिसौली पहुंचे मेरठ खंड स्नातक प्रत्याशी डॉ. अमित कुमार जैन, चौधरी नरेश टिकैत से लिया आशीर्वाद

## उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रत्याशी को नरेश टिकैत ने दी विजयश्री की शुभकामनाएं, चुनाव को लेकर मुलाकात बनी चर्चा का विषय



मुजफ्फरनगर। मेरठ खंड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रत्याशी डॉ. अमित कुमार जैन ने किसान राजधानी सिसौली पहुंचकर भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी नरेश टिकैत से मुलाकात की। इस दौरान डॉ. अमित कुमार जैन ने चौधरी नरेश टिकैत से आशीर्वाद प्राप्त किया। चौधरी नरेश टिकैत ने उन्हें विजयश्री का आशीर्वाद देते हुए शुभकामनाएं दीं। किसान राजधानी सिसौली में हुई इस मुलाकात को डॉ. अमित कुमार जैन के चुनावी जनसंपर्क अभियान के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। मेरठ खंड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में अपनी उम्मीदवारी के साथ आगे बढ़ रहे डॉ. अमित कुमार जैन विभिन्न वर्गों के लोगों से संपर्क कर रहे हैं। इसी क्रम में उन्होंने भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी नरेश टिकैत से भेंट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। मुलाकात के दौरान चौधरी नरेश टिकैत ने डॉ. अमित कुमार जैन को विजयश्री का आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर आपसी संवाद और शुभकामनाओं का आदान-प्रदान हुआ। डॉ. अमित कुमार जैन ने चौधरी नरेश टिकैत के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। मेरठ खंड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र का चुनाव शिक्षित मतदाताओं और स्नातक वर्ग से जुड़े मुद्दों के लिहाज से महत्वपूर्ण है। ऐसे में प्रत्याशियों द्वारा विभिन्न सामाजिक संगठनों, किसान नेताओं और समाज के प्रमुख लोगों से मुलाकात कर समर्थन एवं मार्गदर्शन प्राप्त करने का सिलसिला जारी है। डॉ. अमित कुमार जैन की सिसौली यात्रा भी इसी जनसंपर्क अभियान का हिस्सा रही। चौधरी नरेश टिकैत से आशीर्वाद प्राप्त करने के बाद डॉ. अमित कुमार जैन ने अपने चुनावी प्रयासों को आगे बढ़ाने की दिशा में कदम बढ़ाया।

# महाराजा अग्रसेन के आदर्श समाज को एकजुटता, समानता और सहयोग की देते हैं प्रेरणा : राकेश बिंदल

## श्रीरामलीला कमेटी नई मंडी के शताब्दी वर्ष में आयोजित श्रीरामलीला महोत्सव का भव्य समापन, प्रभु श्रीराम के राज्याभिषेक के बाद महाराजा अग्रसेन की जीवनगाथा पर आधारित नाटिका ने मोहा मन



मुजफ्फरनगर। श्रीरामलीला कमेटी नई मंडी द्वारा शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में श्रीरामलीला भवन नई मंडी में आयोजित श्रीरामलीला महोत्सव का समापन प्रभु श्रीराम के राज्याभिषेक एवं तिलक उत्सव के साथ श्रद्धा, भक्ति और उल्लासपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर प्रभु श्रीराम के राज्याभिषेक के अलौकिक दृश्य ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। वहीं महाराजा अग्रसेन के जीवन, उनके आदर्शों और समाज को एकजुट रखने के संदेश पर आधारित नाटिका आकर्षण का केंद्र रही। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रभु श्रीराम के राज्याभिषेक के साथ हुआ। सर्वप्रथम गुरु वशिष्ठ ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच प्रभु श्रीराम का राजतिलक किया। इस दौरान भरत, लक्ष्मण और शत्रुघ्न को प्रभु श्रीराम की सेवा में खड़े तथा हनुमान जी को उनके चरणों में बैठे देखकर श्रद्धालु भावविभोर हो गए। इसके बाद कमेटी के मंत्री अशोक गर्ग, कोषाध्यक्ष आदित्य भरतिया एवं समस्त कमेटी के सदस्यों ने प्रभु श्रीराम को तिलक लगाकर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस मनोहारी दृश्य के दौरान पूरा पंडाल जय श्रीराम के जयघोष से गूंज उठा। इसके पश्चात मुरादाबाद से आए उच्च कोटि के कलाकारों ने महाराजा अग्रसेन के जीवन, उनके आदर्शों, समाजवादी सिद्धांत ह्यएक ईंट, एक रुपयाह्ण, माता लक्ष्मी के वरदान तथा अग्रोहा की स्थापना पर आधारित आकर्षक नाटिका का भव्य मंचन किया। नाटिका के माध्यम से समाज में समानता, परस्पर सहयोग, भाईचारे और सामाजिक एकता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रमुख समाजसेवी एवं उद्यमी राकेश बिंदल तथा सतीश गोयल ने महाराजा अग्रसेन की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर राकेश बिंदल ने कहा कि महाराजा अग्रसेन की सामाजिक व्यवस्था और माता लक्ष्मी के वरदान से हुई अग्रोहा की स्थापना का इतिहास आज भी संपूर्ण समाज को एकजुट रहने, समानता अपनाने तथा एक-दूसरे के सहयोग से आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। उनके आदर्श आज भी समाज के लिए प्रासंगिक हैं और सामाजिक समरसता को मजबूत करने का संदेश देते हैं।

कार्यक्रम में पूर्व विधायक अशोक कंसल, सुनील सिंघल मावे वाले, दिनेश बंसल, अनिल तायल सहित बड़ी संख्या में वैश्य समाज के गणमान्य लोग उपस्थित रहे। महोत्सव के समापन पर कमेटी की ओर से विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर कमेटी के मंत्री अशोक गर्ग, कोषाध्यक्ष आदित्य भरतिया, राजीव अग्रवाल, अभिषेक कुच्छल, उपेंद्र मित्तल, संजय जिंदल काका, मुकेश गुप्ता, राजेश गोयल, विवेक गर्ग, विदित गुप्ता, शरद गोयल, विवेक बंसल

## रंग संसार

### 100 बार शादी के लिए पूछा...', रश्मिका को लेकर विजय देवरकोंडा के बयान से भड़के लोग, एक्टर को बुलाया 'रेड फ्लैग'



नई दिल्ली। विजय देवरकोंडा इस वक्त सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटोर रहे हैं और इसकी वजह उनकी हालिया रिलीज फिल्म 'रणबाली' नहीं बल्कि उनका एक बयान है। दरअसल, विजय देवरकोंडा अपनी पत्नी रश्मिका मंदाना के साथ करण जौहर के चैट शो 'कॉफी विद करण सीजन 9' में आए थे। इस शो में उन्होंने रश्मिका संग शादी की वजह बताई जिसके बाद लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। शो में करण जौहर ने मैरिज प्रपोजल के बारे में पूछा, तब उन्होंने खुलासा किया कि उन्होंने रश्मिका से 100 बार शादी के लिए पूछने के लिए कहा था और उन्होंने करीब एक साल तक उनसे शादी के लिए पूछा। विजय के इस बयान के बाद वह सोशल मीडिया पर ट्रोल हो रहे हैं। विजय देवरकोंडा हुए ट्रोल कई लोग विजय को रोस्ट कर रहे हैं और कह रहे हैं, "रश्मिका विजय से प्यार करती हैं, लेकिन विजय खुद से प्यार करते हैं।" वहीं, कुछ कह रहे हैं कि रश्मिका को थोड़ी सेल्फ रिस्पेक्ट रखनी चाहिए। यही नहीं, कुछ लोग विजय को रेड फ्लैग बुला रहे हैं। कुछ यह भी कह रहे हैं कि विजय ने रश्मिका को शर्मिंदा कर दिया। सोशल मीडिया पर एक्टर को बुरी तरह ट्रोल किया जा रहा है।विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना का वर्क फ्रंट गीता गोविंदम और डियर कॉमरेड के बाद विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना साथ में रणबाली में नजर आए। यह फिल्म हाल ही में सिनेमाघरों में रिलीज हुई जिसे क्रिटिक्स से अच्छी रिव्यू मिली है। इस फिल्म ने 6 दिनों में घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 42 करोड़ के पार कारोबार कर लिया है। वहीं, वर्ल्डवाइड फिल्म का कलेक्शन 59 करोड़ रुपये के करीब है। फिल्म में रश्मिका और विजय की परफॉर्मेंस को भी खूब सराहा जा रहा है।

## राज काज

### अदाणी का बड़ा दांव! मुस्लिम देश में खड़ी कर दी नई कंपनी, नाम रखा- इंडियन ओशन गेटवे टर्मिनल

नई दिल्ली दुनिया भर के बंदरगाहों और व्यापारिक रास्तों पर अपना दबदबा कायम करने के लिए गौतम अदाणी एक नए देश में दमदार एंट्री की है। ग्लोबल लॉजिस्टिक्स मार्केट में अपनी बादशाहत कायम करने के लिए अदाणी पोर्ट्स ने अब खाड़ी देश ओमान में अपना नया ठिकाना बना लिया है। अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड (APSEZ) ने 22 अक्टूबर 2026 को शेयर बाजार (BSE और NSE) को दी गई आधिकारिक जानकारी में इस बड़े कदम का खुलासा किया है। कंपनी ने बताया कि उसकी 100% हिस्सेदारी वाली सब्सिडियरी कंपनी अदाणी इंटरनेशनल पोर्ट्स होल्डिंग्स पीटीई लिमिटेड ने ओमान में एक नई स्टेप-डाउन सब्सिडियरी का गठन किया है। इस नई कंपनी का नाम इंडियन ओशन गेटवे टर्मिनल रखा गया है। इसका आधिकारिक रूप से 21 अक्टूबर 2026 को ओमान में रजिस्ट्रेशन हो चुका है। अदाणी ग्रुप की यह नई कंपनी मुख्य रूप से पोर्ट्स और लॉजिस्टिक्स सेक्टर के कामकाज संभालेगी। अगर इसकी वित्तीय संरचना की बात करें, तो इंडियन ओशन गेटवे टर्मिनल की कुल शेयर पूंजी 5 लाख ओमानी रियाल (भारतीय करेंसी में करीब 12.32 करोड़ रुपए) तय की गई है। इसे 5,000 ओमानी रियाल प्रति शेयर के हिसाब से कुल 100 शेयरों में बांटा गया है। इस कंपनी में किसी और का कोई दखल नहीं होगा, क्योंकि इसके 100% शेयर यानी पूरा मालिकाना हक अदाणी इंटरनेशनल पोर्ट्स होल्डिंग्स के पास ही मौजूद है।क्या है अदाणी ग्रुप का असली प्लान? आखिर ओमान में ही यह नई कंपनी क्यों बनाई गई? दरअसल, इस नई एंटिटी को बनाने का मुख्य मकसद ओमान में स्थानीय स्तर पर अपने ऑफशोर ऑपरेशंस (समुद्री और तटवर्ती कामकाज) को बिना किसी रुकावट के संचालित करना है। अदाणी ग्रुप लगातार दुनियाभर में अपने कारोबार का जाल बिछा रहा है। कंपनी ने अपने बयान में बिल्कुल साफ कर दिया है कि यह कदम उनकी उस बड़ी ग्लोबल रणनीति का एक अहम हिस्सा है, जिसके तहत वे खुद को दुनिया के एक ग्लोबल इंटीग्रेटेड ट्रांसपोर्ट ऑपरेटर के तौर पर स्थापित करना चाहते हैं।

# दैनिक राशिफल शुक्रवार 23 अक्टूबर 2026

**मेष** – दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने में सफल होंगे। व्यापार में स्थिति ठीक रहेगी। माता पक्ष से विशेष लाभ।

**वृष** – संतोष से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा।

**मिथुन :** मनोरथ सिद्ध होंगे, पूरे मनोयोग से काम में लगे रहे। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा।

**कर्क** – स्वास्थ्य में ताजगी बनने से नई ऊर्जा का संचार होगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा।

**सिंह**– सुनियोजित तरीके से कार्य आरम्भ करें, सफल होंगे। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी।

**कन्या** – अध्ययन-अध्यापन में समय गुजरेगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी।

**तुला** – महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। रूकावटें आएंगी। कोष में कमी व व्यय की अधिकता से परेशान होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। कार्य भार बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। वैचारिक उत्तेजना पर नियत्रंण रखें।

**वृश्चिक** – परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। खान-पान में सावधानी रखें। अच्छे समय का इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। नैतिक दायरे में रहें।

**धनु** – सामाजिक मान-सम्मान बढ़ेगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। राजकीय कार्यों से लाभ। मनोबल ऊंचा रखें।

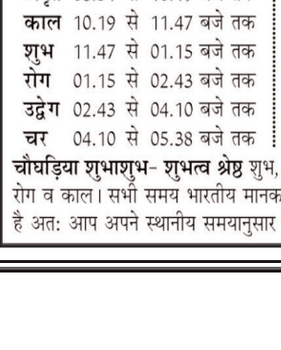
**मकर** – अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढड़ेे के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आगे बढड़ेे के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। साक्षात्कार के लिए दिन शुभ रहेगा।

**कुंभ** – कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। बुरी संगति से बचें। सुविधाओं में शनैः-शनैः बाधा आएगी। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे।

**मीन** – पूर्व में किये कार्यों से लाभ मिलेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शांतिपूर्वक कार्य करें।

## दैनिक पंचांग

**23 अक्टूबर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति**




| ग्रह | स्थिति |
|---|---|
| सूर्य | तुला में |
| चंद्र | कुंभ में |
| मंगल | कर्क में |
| बुध | तुला में |
| गुरु | कर्क में |
| शुक्र | तुला में |
| शनि | मीन में |
| राहु | कुंभ में |
| केतु | सिंह में |

| लग्नारंभ | समय |
|---|---|
| वृश्चिक | 07.55 ब.से |
| धनु | 10.11 बजे से |
| मकर | 12.16 बजे से |
| कुंभ | 14.03 बजे से |
| मीन | 15.35 बजे से |
| मेष | 17.06 बजे से |
| वृष | 18.46 बजे से |
| मिथुन | 20.44 बजे से |
| कर्क | 22.58 बजे से |
| सिंह | 01.14 बजे से |
| कन्या | 03.26 बजे से |
| तुला | 05.36 बजे से |

**राहुकाल** 10.30 से 12.00 बजे तक

**शुक्रवार** 2026 वर्ष का 296 वा दिन
**दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** शरद।
**विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948
**मास** आश्विन **पक्ष** शुक्ल
**तिथि** द्वादशी 14.36 बजे को समाप्त।
**नक्षत्र** पूर्वाभाद्रपदा 21.03 बजे को समाप्त।
**योग** ध्रुव 22.09 बजे को समाप्त।
**करण** बालव 14.36 बजे तदनन्तर कौलव 02.13 बजे रात्र को समाप्त।
**चन्द्रायु** 12.3 घण्टे
**रवि क्रान्ति** दक्षिण 11° 20'
**सूर्य** दक्षिणायन
**कलि अहर्गण** 1872871
**जूलियन दिन** 2461336.5
**कलियुग संवत्** 5128
**कल्पारंभ संवत्** 1972949128
**सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128
**वीरनिर्वाण संवत्** 2552
**हिजरी सन्** 1448
**महीना** जमादि उलावल **तारीख** 11
**विशेष** प्रदोष व्रत।

| दिन का चौघड़िया | | | रात का चौघड़िया | | |
|---|---|---|---|---|---|
| चर | 05.55 से | 07.23 बजे तक | रोग | 05.38 से | 07.1 बजे तक |
| लाभ | 07.23 से | 08.51 बजे तक | काल | 07.11 से | 08.43 बजे तक |
| अमृत | 08.51 से | 10.19 बजे तक | लाभ | 08.43 से | 10.15 बजे तक |
| काल | 10.19 से | 11.47 बजे तक | उद्वेग | 10.15 से | 11.47 बजे तक |
| शुभ | 11.47 से | 01.15 बजे तक | शुभ | 11.47 से | 01.19 बजे तक |
| रोग | 01.15 से | 02.43 बजे तक | अमृत | 01.19 से | 02.51 बजे तक |
| उद्वेग | 02.43 से | 04.10 बजे तक | चर | 02.51 से | 04.23 बजे तक |
| चर | 04.10 से | 05.38 बजे तक | रोग | 04.23 से | 05.55 बजे तक |

**चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

# 70वीं जनपदीय बालिका खो-खो प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ, खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

## एसडी इंटर कॉलेज शुक्रताल और किसान इंटर कॉलेज अलीपुर की टीमों ने दर्ज की जीत, 27 अक्टूबर को मंडलीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगी चयनित खिलाड़ी

खतौली। जवाहरलाल नेहरू स्मृति इंटर कॉलेज, रावापुरी सठेड़ी के क्रीड़ा स्थल पर 70वीं जनपदीय शैक्षिक बालिका खो-खो प्रतियोगिता का आयोजन उत्साह और खेल भावना के साथ किया गया। प्रतियोगिता में जनपद के विभिन्न विद्यालयों से आई छात्राओं ने अपनी खेल प्रतिभा, फुर्ती, अनुशासन और टीम भावना का शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के दौरान खिला-ड़ियों में जीत हासिल करने को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। विभिन्न वर्गों में हुए मुकाबलों में एस-डी इंटर कॉलेज, शुक्रताल और किसान इंटर कॉलेज, अलीपुर की टीमों ने जीत दर्ज कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया।

प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि चौधरी छोटूराम इंटर कॉलेज, मुजफ्फरनगर के प्रधानाचार्य योगेंद्र सिंह मलिक, विशिष्ट अतिथि जिला पंचायत सदस्य मनोज राजपूत, मेजबान विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. चंद्रमोहन शर्मा तथा प्रतियोगिता संयोजक एवं जनता इंटर कॉलेज, गंगधाड़ी के प्रधानाचार्य डॉ. सुरेंद्र सिंह ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया और खेलों को जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाने का आह्वान किया।

मुख्य अतिथि योगेंद्र सिंह मलिक ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेलों में जीत और हार से अधिक महत्वपूर्ण खेल भावना होती है। खिलाड़ियों को अनुशासन, आपसी सहयोग और समर्पण के साथ प्रतियोगिताओं में भाग लेना चाहिए।



खेल न केवल शारीरिक क्षमता को बढ़ाते हैं, बल्कि आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और सही समय पर निर्णय लेने की योग्यता का भी विकास करते हैं। उन्होंने छात्राओं से खेल के मैदान में पूरी मेहनत और ईमानदारी के साथ प्रदर्शन करने का आह्वान किया।

विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. चंद्रमोहन शर्मा ने कहा कि स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क का विकास खेलों के माध्यम से होता है। खेल जीवन में अनुशासन, सकारात्मक सोच और आपसी समन्वय विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि टीम भावना और सामूहिक प्रयासों के बल पर ही खिलाड़ी सफलता की ऊंचाइयों तक पहुंच सकते हैं। छात्राओं को खेल प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर भाग लेने तथा अपने विद्यालय और जनपद का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया।

तीनों वर्गों में हुए रोमांचक मुकाबले विद्यालय की शारीरिक शिक्षिका श्रीमती पूजा रानी के अनुसार, प्रतियोगिता के अंडर-17 बालिका वर्ग में एसडी इंटर कॉलेज, शुक्रताल की टीम ने राष्ट्रीय इंटर कॉलेज, शाहपुर की टीम को पराजित कर जीत हासिल की। अंडर-19 बालिका वर्ग में किसान इंटर कॉलेज, अलीपुर की टीम ने वैदिक पुत्री पाठशाला कन्या इंटर कॉलेज, मुजफ्फरनगर को हराकर मुकाबला अपने नाम किया। वहीं अंडर-14 बालिका वर्ग में एसडी इंटर कॉलेज, शुक्रताल की टीम ने वैदिक पुत्री पाठशाला कन्या इंटर कॉलेज, मुजफ्फरनगर की टीम को पराजित किया।

मैदान पर खिलाड़ियों ने तेजी, सतर्कता और बेहतरीन तालमेल का प्रदर्शन किया। मुकाबलों के दौरान खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिद्वंद्वी टीमों को कड़ी चुनौती दी।

# खेड़ी राड़धान में रविदास मंदिर से बाबा साहेब का फ्लेक्स बोर्ड गायब, पुलिस जांच में जुटी

## ग्रामीणों में नाराजगी, सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे खतौली कोतवाल दिनेश चंद्र बघेल; ग्रामीणों से वार्ता कर शांति बनाए रखने की अपील



खतौली। थाना खतौली क्षेत्र की भंगेला चौकी के अंतर्गत गांव खेड़ी राड़धान में रविदास मंदिर परिसर से बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर का फ्लेक्स बोर्ड गायब होने का मामला सामने आया है। गुरुवार सुबह घटना की जानकारी मिलने पर ग्रामीणों में नाराजगी देखने को मिली। ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना देकर मामले की जांच कराने और बोर्ड गायब करने वाले व्यक्ति का पता लगाकर कार्रवाई करने की मांग की। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर ग्रामीणों से जानकारी जुटाई। फिलहाल गांव में शांति कायम है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गांव खेड़ी राड़धान स्थित रविदास मंदिर प-रसर में लोहे के फ्रेम पर बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर का फ्लेक्स बोर्ड लगा हुआ था। आरोप है कि अज्ञात व्यक्ति बोर्ड को उखाड़कर ले गया। गुरुवार सुबह जब ग्रामीणों को बोर्ड गायब होने की जानकारी मिली तो उन्होंने इस पर नाराजगी जताई और तत्काल पुलिस को सूचना दी। ग्रामीणों ने मांग की कि मामले की गंभीरता से जांच कर बोर्ड गायब करने वाले व्यक्ति की पहचान की जाए तथा उसके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए। घटना की सूचना मिलने पर खतौली कोतवाली प्रभारी दिनेश चंद्र बघेल पुलिस बल के साथ गांव पहुंचे। पुलिस ने रविदास मंदिर परिसर का निरीक्षण किया और ग्रामीणों से बातचीत कर घटना के संबंध में जानकारी प्राप्त की। पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीणों से शांति और आपसी सौहार्द बनाए रखने की अपील की। पुलिस की सक्रियता के चलते गांव में स्थिति सामान्य बनी हुई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। फ्लेक्स बोर्ड किसने और किन परिस्थितियों में हटाया, इसका पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि जांच के दौरान सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। वहीं, ग्रामीणों ने गांव में रात्रि गश्त बढ़ाने तथा धार्मिक स्थलों पर लगे बोर्डों और अन्य सामग्री की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि इस प्रकार की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए निष्पक्ष जांच की जानी चाहिए, ताकि किसी भी तरह की गलतफहमी न फैले और गांव में आपसी भाईचारा कायम रहे।फिलहाल गांव खेड़ी राड़धान में शांति बनी हुई है और पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है। पुलिस का प्रयास है कि घटना के वास्तविक तथ्यों का पता लगाकर आवश्यक का-र्रवाई की जाए तथा क्षेत्र में शांति एवं सामाजिक सौहार्द बनाए रखा जाए।

# कुंद-कुंद जैन महाविद्यालय में मनाया गया पिंक दिवस, छात्राओं को महिला सशक्तिकरण के प्रति किया जागरूक

## शिक्षा, सुरक्षा और समान अवसर महिलाओं के सशक्तिकरण का आधार : प्राचार्या प्रो. नीतू वशिष्ठ

खतौली। श्री कुंद-कुंद जैन स्नातकोत्तर महाविद्यालय, खतौली में शासन के निदेर्शानुसार महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के उद्देश्य से संचालित मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत पिंक दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम में छात्राओं और शिक्षिकाओं ने गुलाबी रंग के परिधान पहनकर महिला सशक्तिकरण, एकता और समानता का संदेश दिया। आयोजन का मुख्य उद्देश्य छात्राओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा, सम्मान और आत्मनिर्भरता के प्रति जागरूक करना रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ मिशन शक्ति प्रभारी डॉ. अर्चना के प्रेरणादायक संबोधन से हुआ। उन्होंने मिशन शक्ति अभियान की उपयोगिता पर प्र-काश डालते हुए कहा कि महिलाओं एवं बालिकाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहना चाहिए। आत्मविश्वास, शिक्षा और सकारात्मक सोच के माध्यम से वे जीवन की चुनौतियों का सामना कर सकती हैं। उन्होंने छात्राओं को बिना किसी संकोच के अपनी बात रखने, अपनी क्षमताओं को पहचानने और प्रत्येक क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो. नीतू वशिष्ठ ने कहा कि महिलाओं को शिक्षा, सुरक्षा और समान अवसर उपलब्ध कराना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। महिला सशक्तिकरण तभी सार्थक होगा, जब महिलाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने और अपनी पसंद के क्षेत्र में आगे बढ़ने के समान अवसर मिलेंगे। उन्होंने छात्राओं से आत्मनिर्भर बनने, अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने तथा जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा और जागरूकता के माध्यम से ही महिलाएं अपने अधिकारों को समझकर



समाज में सम्मानजनक स्थान प्राप्त कर सकती हैं।

डॉ. मनीष जैन ने अपने संबोधन में नारी शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि एक शिक्षित महिला न केवल अपने परिवार, बल्कि पूरे समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। महिलाओं की शिक्षा से परिवार में जागरूकता बढ़ती है और समाज की प्रगति को नई दिशा मिलती है। उन्होंने छात्राओं को शिक्षा को अपनी सबसे बड़ी शक्ति मानते हुए निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

वहीं, डॉ. राजीव कौशिक ने अपने चुटीले एवं रोचक अंदाज में छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए मिशन शक्ति अभियान की आवश्यकता और महिला सुरक्षा के महत्व को समझाया। उन्होंने कहा कि महिलाओं के प्रति सम्मानजनक व्यवहार और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है।

कार्यक्रम के दौरान बीए प्रथम वर्ष की छात्रा ईशा शर्मा ने महिलाओं को उनकी आंतरिक शक्ति और आत्मविश्वास का स्मरण कराने वाली प्रभावशाली प्रस्तुति दी। उनकी प्रस्तुति ने उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। इसके माध्यम से छात्राओं को अपनी क्षमताओं पर विश्वास रखने, कठिन परिस्थितियों में हिम्मत बनाए रखने और आत्मबल के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा मिली।

कार्यक्रम का संयुक्त संचालन डॉ. विशु एवं डॉ. पारुल शर्मा ने किया। इस अवसर पर डॉ. राजीव कौशिक, डॉ. पूजा पुंडीर, श्रीमती सीमा तोमर, जय भगवान, श्रीमती एकता राजपूत सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

पिंक दिवस के आयोजन के माध्यम से छात्राओं को अपनी सुरक्षा, स्वास्थ्य, सम्मान और अधिकारों के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया गया। साथ ही समाज में महिलाओं के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विक-सित करने, लैंगिक समानता को बढ़-ावा देने और महिला सशक्तिकरण के संकल्प को मजबूत करने पर जोर दिया गया।

# मिशन शक्ति-6.0 के तहत एंटी रोमियो टीमों ने महिलाओं और बालिकाओं को किया जागरूक

## हेल्पलाइन नंबरों, महिला केंद्रित सरकारी योजनाओं और सुरक्षा सेवाओं की दी जानकारी

मुजफ्फरनगर। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान, स्वावलंबन, सशक्तिकरण और उनमें विश्वास का वातावरण बनाने के उद्देश्य से जनपद में मिशन शक्ति अभियान फेज-6.0 के अंतर्गत जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय के निर्देशन में जनपद के समस्त थानों की एंटी रोमियो टीमों ने अपने-अपने क्षेत्रों में महिलाओं और बालिकाओं से संवाद कर उन्हें सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां दीं।

अभियान के तहत एंटी रोमियो टीमों ने स्कूल-कॉलेजों, गांवों, कस्बों, बाजारों, सार्वजनिक स्थानों और धार्मिक स्थलों पर पहुंचकर महिलाओं एवं बालिकाओं को जागरूक किया। पुलिस टीमों ने पंपलेट वितरित कर विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों, महिला सुरक्षा से-वाओं तथा उत्तर प्रदेश शासन द्वारा संचालित महिला केंद्रित योजनाओं की जानकारी दी।

पुलिस टीमों ने महिलाओं और बालिकाओं को बताया कि किसी भी



प्रकार की परेशानी, उत्पीड़न या आपात स्थिति में वे संबंधित हेल्पलाइन नंबरों का उपयोग कर पुलिस एवं प्रशासन से सहायता प्राप्त कर सकती हैं। उन्हें डायल-112, महिला हेल्पलाइन-181, वुमेन पावर लाइन-1090, चाइल्ड हेल्पलाइन-1098, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन-1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्पलाइन-102 और एंबुलेंस सेवा-108 सहित विभिन्न सेवाओं के बारे में विस्तार से बताया गया। इसके साथ ही ट्विटर सेवा, वन स्टॉप सेंटर, जनसुनवाई पोर्टल तथा स्थानीय थानों में स्थापित मिशन शक्ति केंद्रों के संबंध में भी जानकारी दी गई।

अभियान के दौरान महिलाओं को निराश्रित महिला पेंशन योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, आयुष्मान योजना और महिला शक्ति केंद्र योजना सहित सरकार की विभिन्न महिला कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जागरूक किया गया। पुलिस टीमों ने महिलाओं एवं बालिकाओं से अपील की कि वे किसी भी तरह की समस्या होने पर संकोच न करें और उपलब्ध हेल्पलाइन सेवाओं तथा पुलिस की मदद लें।

मुजफ्फरनगर पुलिस द्वारा मिशन शक्ति अभियान के माध्यम से महिलाओं और बालिकाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों तथा सरकारी सहायता सेवाओं के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि वे आत्मविश्वास के साथ सुरक्षित वातावरण में रह सकें।

# टाउन हॉल रामलीला में श्रीराम के राज्याभिषेक के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं पुरस्कार वितरण समारोह संपन्न

## नन्हे-मुन्ने बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से मोहा मन, अतिथियों ने भगवान श्रीराम की आरती कर किया कार्यक्रम का शुभारंभ

मुजफ्फरनगर। शहर की प्रचलित एवं परंपरागत टाउन हॉल रामलीला में श्रीराम राज्याभिषेक, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं पुरस्कार वितरण समा-रोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नन्हे-मुन्ने बच्चों ने मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। समारोह में भगवान श्रीराम के राज्याभिषेक के प्रसंग को श्रद्धा और उत्साह के साथ प्रस्तुत किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में वीरेंद्र कुमार जैन सपरिवार उपस्थित रहे। श्री रामलीला सभा रजिस्टर्ड, टाउन हॉल शहर की ओर से अध्यक्ष शिव चरण गर्ग, मंत्री सतीश गर्ग, कोषाध्यक्ष नीरज अग्रवाल, अतुल कुमार गर्ग, वैभव मित्तल, रजत गोयल, अनमोल सिंघल, कृष्णा और पुष्पेंद्र जिंदल सहित अन्य पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने अतिथियों का स्वागत किया।

समारोह का शुभारंभ अतिथियों द्वारा



रामायण जी एवं भगवान श्रीराम की आरती के साथ किया गया। इसके पश्चात बच्चों ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर कार्यक्रम को आकर्षक बना दिया। प्रस्तुतियों के माध्यम से धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं की सुंदर झलक देखने को मिली। कार्यक्रम के दौरान श्रीराम राज्याभिषेक के प्रसंग ने श्रद्धालुओं को भावविभोर किया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम के उपरांत रामलीला सभा के पदाधिकारियों एवं सदस्यों द्वारा प्रतिभागी बच्चों तथा संबंधित कलाकारों को पुरस्कार वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। आयोजन में उपस्थित लोगों ने बच्चों की प्रतिभा की सराहना की और धार्मिक-सांस्कृतिक आयोजनों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के प्रयासों को महत्वपूर्ण बताया।

कार्यक्रम में साधुराम गर्ग, जगन्नाथ रोहेला, नितिन नामदेव, कमल कांत शर्मा, रविन्द्र गुप्ता, अजय गर्ग, अंजुल भूषण, नवीन गुप्ता, सुखदेव मित्तल, अनमोल सिंघल, शोभित गुप्ता और सुरेश पांडेय सहित समस्त कलाकार, प्रबंध समिति के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

# मिशन शक्ति फेस-6.0: मेधावी छात्रा स्वाति बनीं एक दिन की महिला थाना प्रभारी

## प्राथमिक स्कूल अलमासपुर की छात्राओं ने किया महिला थाने का भ्रमण, पुलिस की कार्यप्रणाली और जनसुनवाई की प्रक्रिया को करीब से जाना

मुजफ्फरनगर। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान, स्वावलंबन और सशक्तिकरण के उद्देश्य से चलाए जा रहे मिशन शक्ति फेस-6.0 अभियान के अंतर्गत महिला थाना मुजफ्फरनगर में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्राथमिक स्कूल अलमासपुर की छात्राओं ने महिला थाने का भ्रमण कर पुलिस की कार्यप्रणाली को करीब से समझा। इस दौरान छात्राओं में आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता विकसित करने के उद्देश्य से मेधावी छात्रा स्वाति को एक दिन का थाना प्रभारी बनाया गया। छात्रा ने थाना प्रभारी की भूमिका में जनसुनवाई की प्रक्रिया को समझा और आमजन की समस्याएं सुनीं।

कार्यक्रम के दौरान महिला थानाध्यक्ष प्रीति चाहल ने मिशन शक्ति टीम के साथ छात्राओं को थाने की विभिन्न व्यवस्थाओं, पुलिस के कार्यों और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस की भूमिका के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पुलिस का दायित्व केवल अपराधों पर नियंत्रण करना ही नहीं, बल्कि पीड़ितों की शिकायत सुनना, उनकी समस्याओं का समाधान कराना और आमजन को सुरक्षा का भरोसा दिलाना भी है।

कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण मेधावी छात्रा स्वाति को एक दिन का थाना प्रभारी बनाया जाना रहा। इस पहल के माध्यम से छात्राओं को प्रशासनिक कार्यप्रणाली, निर्णय लेने की प्रक्रिया और पुलिस की जिम्मेदारियों को समझने का अवसर मिला। छात्रा की उपस्थिति में जनसुनवाई आयोजित की गई, जिसमें आमजन की समस्याओं को सुना गया। पुलिसकर्मियों ने छात्राओं को बताया कि शिकायत किस प्रकार दर्ज की जाती है, उसकी प्रकृति के अनुसार आवश्यक कार्रवाई कैसे की जाती है




और पीड़ितों को न्याय दिलाने में पुलिस की क्या भूमिका होती है।

पुलिस अधिकारियों ने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियों से बालिकाओं में नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास, निर्णय लेने की योग्यता और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित होती है। साथ ही, पुलिस और आमजन के बीच संवाद मजबूत होता है तथा छात्राओं के मन से पुलिस व्यवस्था को लेकर झिझक भी दूर होती है।

महिला सुरक्षा हेल्पलाइन और साइबर अपराधों के प्रति किया जागरूक

मिशन शक्ति टीम ने छात्राओं को महिला सुरक्षा से संबंधित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों और पुलिस सहायता सेवाओं की जानकारी दी। उन्हें बताया गया कि छेड़छाड़, उत्पीड़न, घरेलू हिंसा अथवा किसी भी प्रकार की असुरक्षा की स्थिति में बिना भय और संकोच के पुलिस से सहायता लेनी चाहिए। किसी अप्रिय घटना की जानकारी तत्काल पुलिस, परिजनों या विश्वसनीय व्यक्ति को देने के लिए भी प्रेरित किया गया।

इसके साथ ही छात्राओं को साइबर अपराधों से बचाव, सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग, ऑनलाइन धोखाधड़ी से सतर्क रहने तथा अनजान व्यक्तियों के साथ निजी जानकारी साझा नहीं करने के बारे में समझाया गया। पुलिस टीम ने बताया कि जागरूकता, सतर्कता और समय पर शिकायत करना अपराधों की रोकथाम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

कार्यक्रम के माध्यम से छात्राओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने, आत्मनिर्भर बनने और किसी भी विषम परिस्थिति में साहस के साथ उचित कदम उठाने का संदेश दिया गया। मिशन शक्ति फेस-6.0 के तहत आयोजित इस पहल का उद्देश्य बालिकाओं को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के साथ उनमें नेतृत्व, आत्मविश्वास और जागरूक नागरिक बनने की भावना विकसित करना रहा।

# पेंशनर 1 नवंबर से 20 दिसंबर तक जमा करें जीवित प्रमाण पत्र

## बैंक शाखा प्रबंधक के समक्ष दो प्रतियों में जमा करना होगा प्रमाण पत्र, ऑनलाइन और कोषागार कार्यालय में जमा करने की सुविधा भी उपलब्ध

मुजफ्फरनगर। वरिष्ठ कोषाधिकारी रमेश चंद्र ने बताया कि जिलाधिकारी के 14 अक्टूबर 2026 के आदेश के अनुपालन में जवाहर भवन पद्धति के अंतर्गत विभिन्न बैंकों से पेंशन प्राप्त कर रहे समस्त पेंशनरों को अपना जीवित प्रमाण पत्र निर्धारित अवधि में जमा करना होगा। पेंशनर 1 नवंबर 2026 से 20 दिसंबर 2026 तक जिस बैंक से पेंशन प्राप्त कर रहे हैं, उस बैंक के शाखा प्रबंधक के समक्ष स्वयं उपस्थित होकर जीवित प्रमाण पत्र दो प्रतियों में जमा कराएं। वरिष्ठ कोषाधिकारी ने बताया कि बैंक शाखा प्रबंधक पेंशनरों से प्राप्त जीवित प्रमाण पत्र की एक प्रति कोषागार कार्यालय को उपलब्ध कराएंगे, जबकि दूसरी प्रति अपने अभिलेखों में सुरक्षित रखेंगे। उन्होंने सभी संबंधित पेंशनरों से निर्धारित समयावधि में प्रमाण पत्र जमा कराने की अपील की है, ताकि पेंशन संबंधी कार्यवाही में किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने बताया कि बैंकों को ऑनलाइन जीवित प्रमाण पत्र जमा करने की व्यवस्था करने के निर्देश भी दिए गए हैं। पेंशनर अपनी सुविधा के अनुसार जीवन प्रमाण पोर्टल www.jeevanpramaan.gov.in के माध्यम से भी ऑनलाइन जीवित प्रमाण पत्र जमा कर सकते हैं। ऑनलाइन प्रमाण पत्र जमा करने की स्थिति में उसकी प्रति कोषागार कार्यालय में अलग से जमा कराने की आवश्यकता नहीं होगी। वरिष्ठ कोषाधिकारी ने यह भी स्पष्ट किया कि पेंशनर अपनी सुविधानुसार जीवित प्रमाण पत्र सीधे कोषागार कार्यालय में भी जमा करा सकते हैं। उन्होंने पेंशनरों से अपील की कि वे निर्धारित समयसीमा का ध्यान रखते हुए समय से अपना जीवित प्रमाण पत्र जमा कराएं।

# व्यापारियों की समस्याओं के शीघ्र निस्तारण का आश्वासन, नगर पालिका के एई नेपाल सिंह से की मुलाकात, सदर बाजार की खराब स्ट्रीट लाइट का मुद्दा भी उठाया

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन रजि. के जिलाध्यक्ष राकेश त्यागी ने नगर पालिका के एई नेपाल सिंह से मुलाकात कर क्षेत्र के व्यापारियों की विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया। इस दौरान व्यापारियों की समस्याओं के त्वरित निस्तारण की मांग उठाई गई। एई नेपाल सिंह ने समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए उनके शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। इससे पूर्व प्रशासन द्वारा आयोजित व्यापारी एवं प्रशासन समन्वय बैठक में भी व्यापारियों ने अपनी विभिन्न समस्याओं को प्रमुखता से उठाया था। बैठक में अधिकारियों ने व्यापारियों की बातों को गंभीरता से सुना और समस्याओं के जल्द निस्तारण का भरोसा दिलाया था। मुलाकात के दौरान सदर बाजार में जिला उपाध्यक्ष नवीन चौधरी के आवास के सामने खराब पड़ी स्ट्रीट लाइट का मुद्दा भी उठाया गया। व्यापारियों ने बताया कि स्ट्रीट लाइट खराब होने से स्थानीय लोगों और बाजार में आने-जाने वालों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। इस पर एई नेपाल सिंह ने संबंधित स्ट्रीट लाइट को शीघ्र ठीक कराने का आश्वासन दिया।

इस अवसर पर नवीन चौधरी, सुरेश चन्द, कुलदीप मित्तल, प्रदीप मित्तल, संदीप मित्तल, भोला शंकर, राजेन्द्र अरोरा, जयन्द्र प्रकाश और अविनाश त्यागी सहित अन्य गणमान्य व्यापारी उपस्थित रहे।उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन रजि. व्यापारियों की समस्याओं के समाधान, व्यापारिक हितों की रक्षा और जनहित से जुड़े कार्यों के लिए निरंतर प्रयासरत है। संगठन का उद्देश्य व्यापारियों और प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर समस्याओं का प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना है।

# नशे के सौदागरों पर कार्रवाई की मांग करने पहुंचे ग्रामीणों की चौकी प्रभारी से नोकझोंक, पुलिस के रवैये पर उठे सवाल

## चौसाना में नशे के खिलाफ पंचायत के बाद एसपी के नाम ज्ञापन देने पहुंचे थे ग्रामीण, चौकी प्रभारी पर अभद्रता और धमकाने के आरोप

शामली। चौसाना क्षेत्र में कथित रूप से स्मैक की बिक्री पर रोक लगाने की मांग को लेकर ग्रामीणों और चौकी प्रभारी के बीच विवाद का मामला सामने आया है। नशे के खिलाफ पंचायत करने के बाद एसपी शामली के नाम ज्ञापन सौंपने चौकी पहुंचे ग्रामीणों की चौकी प्रभारी राहुल कुमार से तीखी नोकझोंक हो गई। ग्रामीणों ने चौकी प्रभारी पर शिकायतकर्ताओं के साथ अभद्र व्यवहार करने और उन्हें धमकाने के आरोप लगाए हैं। वहीं, चौकी प्रभारी ने आरोपों को निराधार बताते हुए किसी भी प्रकार की नोकझोंक से इनकार किया है। मामले में सीओ कैराना ने जांच के बाद उचित का-र्रवाई करने की बात कही है।

जानकारी के अनुसार, चौसाना चौकी के निकट स्थित जय भारत किसान इंटर कॉलेज में क्षेत्र के संभ्रांत लोगों ने नशे के बढ़ते प्रचलन के विरोध में पंचायत की। पंचायत में बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए। इसमें क्षेत्र में कथित रूप से स्मैक की बिक्री पर रोक लगाने, नशे के कारोबार में शामिल लोगों की जांच कराने और युवाओं को नशे से बचाने की मांग उठाई गई। पंचायत के बाद ग्रामीण एकजुट होकर चौसाना चौकी पहुंचे और एसपी शामली को संबोधित ज्ञापन चौकी प्रभारी राहुल कुमार को सौंपा।

ग्रामीणों का आरोप है कि ज्ञापन देने के दौरान नेपाल सिंह और किसान नेता यशपाल सिंह को देखकर चौकी प्रभारी नाराज हो गए। वरिष्ठ अधिकारियों से शिकायत करने की बात कहने पर दोनों पक्षों के बीच बहस शुरू हो गई। आरोप है कि चौकी प्रभारी ने शिकायतकर्ताओं से अभद्र व्यवहार किया और उन्हें चौकी से चले जाने तथा जहां शि-कायत करनी हो, वहां शिकायत



करने की बात कही। ग्रामीणों का यह भी आरोप है कि चौकी प्रभारी ने कहा कि उन्हें चौकी से नहीं हटवाया जा सकता।

ग्रामीणों ने चौकी प्रभारी से ज्ञापन को गंभीरता से लेते हुए उच्चाधिकारियों तक पहुंचाने और नशे की बिक्री के मामले में प्रभावी कार्रवाई करने की मांग की। हालांकि, इस दौरान विवाद शांत नहीं हुआ। घटना के बाद ग्रामीणों में नाराजगी है और उन्होंने मामले में निष्पक्ष जांच तथा नशे के कारोबार पर प्रभावी रोक लगाने की मांग की है। विरोध में शामिल ग्रामीण आगे आंदोलन और अनिश्चितकालीन धरने की रणनीति बनाने की बात कह रहे हैं।

ग्रामीणों का आरोप है कि क्षेत्र में नशे के बढ़ते प्रचलन को लेकर पंचायत के बाद नेपाल सिंह, किसान नेता यशपाल सिंह और अन्य लोगों ने एसपी शामली से मिलकर स्मैक बिक्री की शिकायत की थी। शिकायत में कुछ लोगों के नाम बताते हुए जांच और कार्रवाई की मांग की गई थी। ग्रामीणों का कहना है कि चौकी प्रभारी राहुल कुमार ने शिकायत को अपने खिलाफ मान लिया और कथित तौर पर उन लोगों को बुलाया, जिनके संबंध में शिकायत की गई थी। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि शिकायतकर्ताओं के नाम संबंधित लोगों को बताए गए, जिससे दोनों पक्षों के बीच तनाव की स्थिति पैदा हो गई। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। ग्रामीणों ने पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने और शिकायतकर्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। समाजसेवी उग्र सिंह ने चौकी प्रभारी के कथित रवैये पर नाराजगी जताते हुए इसे तानाश-ाहीपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों का उद्देश्य क्षेत्र को नशामुक्त बनाना और युवाओं को नशे की गिरफ्त में जाने से बचाना है।

# सिसौली में सर्वसमाज चेतना मंच की बैठक में गूंजा राजनीतिक भागीदारी का मुद्दा, सांसद इकरा हसन ने की शिरकत

*कश्यप समाज को टिकट वितरण में उचित प्रतिनिधित्व देने की मांग, सर्वसमाज पर कथित अत्याचारों और सामाजिक न्याय के मुद्दों पर हुई चर्चा; समाज के लोगों ने रखीं अपनी समस्याएं*

मुजफ्फरनगर। सिसौली में सर्वसमाज चेतना मंच की बैठक में सामाजिक न्याय, सर्वसमाज के अधिकारों और कश्यप समाज की राजनीतिक भागीदारी का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी ओमप्रकाश कश्यप के आवास पर आयोजित बैठक में कैराना की सांसद इकरा हसन भी शामिल हुईं। बैठक में समाज के लोगों ने अपनी समस्याएं रखते हुए राजनीतिक दलों में कश्यप समाज को उचित प्रतिनिधित्व देने और टिकट वितरण में भागीदारी सुनिश्चित करने की मांग पर जोर दिया। वक्ताओं ने कहा कि समाज के लोगों की समस्याओं को राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर प्रमुखता से उठाया जाना चाहिए, ताकि उन्हें न्याय और अधिकार मिल सकें।

राजनीतिक भागीदारी और टिकट वितरण में प्रतिनिधित्व पर मंथन

बैठक में कश्यप समाज की राजनीतिक स्थिति और विभिन्न राजनीतिक दलों में उसकी भागीदारी को लेकर चर्चा हुई। समाज के लोगों ने टिकट वितरण में उचित प्रतिनिधित्व दिए जाने का मुद्दा उठाया। उनका कहना था कि समाज की आबादी, सामाजिक स्थिति और क्षेत्रीय भागीदारी को ध्यान में रखते हुए राजनीतिक निर्णयों में उसे उचित स्थान मिलना चाहिए। बैठक में इस बात पर भी जोर दिया गया कि समाज के मुद्दों को केवल चुनाव के समय तक सीमित न रखा जाए, बल्कि उन्हें लगातार राजनीतिक मंचों पर उठाया जाए। बैठक के दौरान सर्वसमाज के लोगों के सामने आने वाली समस्याओं और कथित



अत्याचारों पर भी चर्चा की गई। उपस्थित लोगों ने अपने अनुभव और समस्याएं साझा करते हुए सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने की आवश्यकता बताई। वक्ताओं ने समाज के विभिन्न वर्गों के बीच आपसी सहयोग और एकजुटता बनाए रखने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सामाजिक समस्याओं के समाधान के लिए संगठित प्रयास जरूरी हैं और लोगों को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहना चाहिए। सर्वसमाज चेतना मंच की बैठक में समाज के लोगों ने अपनी बात रखते हुए राजनीतिक प्रतिनिधित्व के साथ-साथ सामाजिक अधिकारों से जुड़े विषयों पर भी ध्यान आकर्षित किया। बैठक में इस बात पर जोर दिया गया कि समाज के लोगों की समस्याओं को संबंधित मंचों तक पहुंचाया जाए और उनके समाधान के लिए प्रयास किए जाएं। कश्यप समाज की भागीदारी बढ़ाने तथा सामाजिक न्याय से जुड़े मुद्दों पर सामूहिक रूप से आवाज उठाने की आवश्यकता पर भी चर्चा हुई। बैठक में कैराना सांसद इकरा हसन की मौजूदगी भी महत्वपूर्ण रही। संगठन के पदाधिकारियों और समाज के लोगों ने उनके समक्ष सामाजिक तथा राजनीतिक भागीदारी से जुड़े मुद्दे रखे।

बैठक का मुख्य केंद्र समाज के अधिकारों, राजनीतिक प्रतिनिधित्व और समस्याओं के समाधान के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता रहा।

# ऑपरेशन चक्रव्यूह में कोतवाली पुलिस का बड़ा एक्शन, आठ वारंटी गिरफ्तार

*एसएसपी के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान में कार्रवाई, मिमलाना, न्याजूपुरा और कल्लरपुर कछौली से पकड़े गए आरोपी*

मुजफ्फरनगर। जनपद में न्यायालय से जारी वारंटों के आधार पर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत शहर कोतवाली पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने ऑपरेशन चक्रव्यूह के अंतर्गत आठ वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में मिमलाना, न्याजूपुरा और कल्लरपुर कछौली क्षेत्र के निवासी शामिल हैं। सभी आरोपियों को उनके निवास स्थानों से गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार, आरोपियों के विरुद्ध आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। मुजफ्फरनगर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय के निर्देश पर जिले में वांछित और वारंटी आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक नगर




अमृत जैन के निर्देशन, सहायक पुलिस अधीक्षक एवं क्षेत्राधिकारी नगर सिद्धार्थ के. मिश्रा के निकट पर्यवेक्षण तथा कोतवाली नगर के प्रभारी निरीक्षक बृजेश कुमार शर्मा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने यह कार्रवाई की।

कोतवाली नगर पुलिस की ओर से जारी प्रेस नोट के अनुसार, गिरफ्तार किए गए आठ वारंटी अभियुक्तों में दीपक पुत्र मुन्ना निवासी ग्राम मिमलाना, साजिद पुत्र शराफत निवासी न्याजूपुरा, वसीम पुत्र फतेह मोहम्मद निवासी न्याजूपुरा, दिलनवाज पुत्र इरशाद निवासी न्याजूपुरा, बिट्टू पुत्र आरिफ निवासी न्याजूपुरा, नीटू पुत्र आरिफ निवासी न्याजूपुरा, गुलबहार पुत्र लाला निवासी न्याजूपुरा और चन्दर पुत्र मनफूल निवासी कल्लरपुर कछौली शामिल हैं। पुलिस ने सभी आरोपियों को उनके निवास स्थानों से गिरफ्तार किया। जनपद में वारंटी और वांछित आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए ऑपरेशन चक्रव्यूह चलाया जा रहा है।

# शाहपुर पैठ मैदान की जमीन पर 51 साल की कानूनी लड़ाई खत्म, आर्य परिवार की ऐतिहासिक जीत

*अपर जिला जज रवि कुमार दिवाकर की अदालत ने टाउन एरिया कमेटी के पक्ष में निचली अदालत का फैसला पलटा*

मुजफ्फरनगर। शाहपुर के ऐतिहासिक पैठ मैदान की जमीन को लेकर करीब 51 वर्षों से चल रहे कानूनी विवाद में सत्यबीर आर्य आदि को बड़ी सफलता मिली है। मुजफ्फरनगर की अपर जिला जज/त्वरित न्यायालय (एफटीसी), कोर्ट संख्या-3 के पीठासीन अधिकारी रवि कुमार दिवाकर ने सिविल अपील संख्या 100/2017 में सत्यबीर आर्य आदि की अपील स्वीकार करते हुए टाउन एरिया कमेटी शाहपुर के पक्ष में निचली अदालत द्वारा पारित निर्णय और डिक्री को निरस्त कर दिया। अदालत ने टाउन एरिया कमेटी की ओर से वर्ष 1975 में दायर मूल वाद को भी निरस्त कर दिया। साथ ही 19 अगस्त 1963 को मेहर इलाही खां और अता इलाही द्वारा इलमचंद आर्य आदि के पक्ष में किए गए बैनामे को वैध दस्तावेज माना। अदालत ने निर्णय की प्रति संबंधित सब-रजिस्ट्रार को भेजकर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए। 22 अक्टूबर 2026 को सुनाए गए इस फैसले से शाहपुर के पैठ मैदान की विवादित भूमि को लेकर दशकों से चल रही कानूनी लड़ाई में आर्य परिवार को महत्वपूर्ण राहत मिली है। अपीलार्थियों की ओर से अधिवक्ता अवध बिहारी लाल गुप्ता और अधिवक्ता अमित गुप्ता ने अदालत में पैरवी करते हुए बहस की थी। सुनवाई पूरी होने के बाद अदालत ने निर्णय के लिए 22 अक्टूबर की तारीख निर्धारित की थी। मामले के अनुसार, शाहपुर के पैठ मैदान में स्थित भूमि को लेकर टाउन एरिया कमेटी शाहपुर ने वर्ष 1975 में मूल वाद संख्या 188/1975 दायर किया था। यह मुकदमा टाउन एरिया कमेटी शाहपुर के अध्यक्ष की ओर से इलमचंद (मृतक) और सत्यबीर आर्य आदि के विरुद्ध दायर किया गया था। कमेटी ने विवादित भूमि पर अपना अधिकार जताते हुए 19 अगस्त 1963 को किए गए बैनामे को निरस्त कराने और पैठ मैदान की जमीन पर कब्जा प्राप्त करने की मांग की थी। यह विवाद मुख्य रूप से दो भूमि खंडों से संबंधित था। इनमें खसरा संख्या 877, जिसका नया नंबर 421 और रकबा चार बीघा 19 बिस्वा बताया गया है, तथा खसरा संख्या 878, जिसका नया नंबर 420 और रकबा दो बीघा 10 बिस्वा है, शामिल हैं। इन संपत्तियों के स्वामित्व को लेकर टाउन एरिया कमेटी और आर्य परिवार के बीच लंबे समय तक कानूनी




विवाद चला।

30 नवंबर 2017 के फैसले को दी गई थी चुनौती

टाउन एरिया कमेटी की ओर से दायर मूल वाद पर सुनवाई के बाद सिविल जज (सीनियर डिवीजन), त्वरित न्यायालय, मुजफ्फरनगर ने 30 नवंबर 2017 को निर्णय और डिक्री पारित की थी। इस निर्णय से असंतुष्ट सत्यबीर आर्य आदि ने जिला न्यायालय में प्रथम सिविल अपील संख्या 100/2017 दाखिल की। इसके बाद मामले की सुनवाई अपर जिला जज/त्वरित न्यायालय, कोर्ट संख्या-3 में पीठासीन अधिकारी रवि कुमार दिवाकर के समक्ष हुई। अपीलार्थियों की ओर से अधिवक्ता अवध बिहारी लाल गुप्ता और अधिवक्ता अमित गुप्ता ने पक्ष रखते हुए बहस की। सुनवाई पूरी होने के बाद अदालत ने 22 अक्टूबर 2026 को अपना फैसला सुनाया।

अदालत ने निचली अदालत का निर्णय और डिक्री निरस्त की

अदालत के लिखित आदेश में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि प्रथम सिविल अपील संख्या 100/2017 स्वीकार की जाती है। इसके साथ ही मूल वाद संख्या 188/1975 में 30 नवंबर 2017 को पारित निर्णय एवं डिक्री निरस्त की जाती है। अदालत ने आगे निर्देश दिया कि टाउन एरिया कमेटी शाहपुर की ओर से दायर मूल वाद संख्या 188/1975 भी निरस्त किया जाता है। इस तरह अपीलीय अदालत ने निचली अदालत के पूर्व निर्णय को समाप्त करते हुए सत्यबीर आर्य आदि को राहत प्रदान की। यह आदेश मामले का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है, क्योंकि इसमें केवल अपील स्वीकार करने की बात नहीं कही गई, बल्कि निचली अदालत की डिक्री निरस्त करने और मूल मुकदमा खारिज करने का भी स्पष्ट निर्देश दिया गया है।

1963 के बैनामे को वैध दस्तावेज माना

विवादित भूमि से संबंधित 19 अगस्त 1963 का बैनामा इस मुकदमे का प्रमुख मुद्दा था। मेहर इलाही खां और अता इलाही द्वारा इलमचंद आर्य आदि के पक्ष में यह बैनामा किया गया था। टाउन एरिया कमेटी ने इसी बैनामे को निरस्त कराने के लिए मुकदमा दायर किया था। अपर जिला जज की अदालत ने अपने आदेश में इस बैनामे को वैध दस्तावेज माना। आदेश के अनुसार, बैनामे की रजिस्ट्री बही संख्या, जिल्द संख्या 463, पृष्ठ संख्या 126 से 128 में दर्ज है। इसका पंजीकरण संख्या 2193 दिनांक 20 नवंबर 1963 बताया गया है।

अदालत ने वाद लिपिक को निर्देश दिया कि निर्णय की एक प्रति तत्काल संबंधित सब-रजिस्ट्रार को आवश्यक कार्रवाई के लिए भेजी जाए।

# दो युवतियां एक नवविवाहिता के लापता, बहला-फुसलाकर ले जाने के आरोप में मुकदमे दर्ज

*सूजडू, रामलीला टिल्ला और रोहाना कलां से जुड़े मामले; राजन, अंकित और अजय उर्फ रीट्ठा के नाम आए सामने, परिजनों ने बरामदगी की लगाई गुहार*

मुजफ्फरनगर। जनपद में दो युवतियां एक नवविवाहिता के लापता होने के मामले सामने आए हैं। खालापार और कोतवाली नगर थाना क्षेत्रों में दर्ज शिकायतों में परिजनों ने युवतियों को बहला-फुसलाकर ले जाने के आरोप लगाए हैं। इनमें एक नवविवाहिता, एक 18 वर्षीय युवती और एक नाबालिग किशोरी के लापता होने के मामले शामिल हैं। शिकायतों में राजन, अंकित और अजय उर्फ रीट्ठा के नाम सामने आए हैं। परिजनों ने पुलिस से आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने और लापता युवतियों को बरामद करने की मांग की है।

आठ माह पहले हुई थी शादी, नवविवाहिता के लापता होने की शिकायत

खालापार थाना क्षेत्र के सूजडू की कुंगर पट्टी निवासी एक महिला ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसकी छोटी बहन की शादी करीब आठ महीने पहले हुई थी। आरोप है कि 17 अक्टूबर 2026 को वह घर से कहीं चली गई। परिजनों ने उसकी काफी तलाश की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिल सकी। बाद में परिजनों को जानकारी मिली कि अलमासपुर निवासी राजन पुत्र बबलू उसे बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है। शिकायतकर्ता ने पुलिस से रिपोर्ट दर्ज कर कानूनी कार्रवाई करने और लापता नवविवाहिता को बरामद करने की मांग की है।

युवती को ले जाने का आरोप, अंकित और उसके भाई का नाम भी आया

कोतवाली नगर क्षेत्र के रामलीला टिल्ला निवासी एक व्यक्ति ने अपनी 18 वर्षीय बेटी के लापता होने की शिकायत की है। तहरीर के अनुसार, 20 अक्टूबर 2026 को दोपहर करीब दो से तीन बजे के बीच युवती घर से लापता हो गई। पिता ने आरोप लगाया कि शाहपुर थाना क्षेत्र के कुटबी गांव निवासी अंकित पुत्र रतन उसे बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया। शिकायतकर्ता के मुताबिक, उसने अंकित और उसके पिता से फोन पर संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन फोन बंद मिले। बाद में जानकारी मिली कि अंकित युवती को अपनी बहन के यहां ले गया है, हालांकि उसके ठिकाने का पता नहीं चल सका। तहरीर में अंकित के भाई दीपक की भूमिका भी होने का आरोप लगाया गया है। पिता ने अंकित, उसके पिता रतन और भाई दीपक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई करने तथा अपनी बेटी को बरामद करने की मांग की है।

किशोरी के लापता होने पर अजय उर्फ रीट्ठा पर आरोप

कोतवाली नगर क्षेत्र के रोहाना कलां निवासी एक महिला ने अपनी करीब 17 वर्षीय बेटी के लापता होने की शिकायत दर्ज कराई है। तहरीर के अनुसार, 20 अक्टूबर 2026 को सुबह करीब 11 बजे किशोरी अपनी छोटी बहन को बाग में जाने की बात कहकर घर से निकली थी। इसके बाद वह वापस नहीं लौटी। परिजनों ने तलाश की तो गांव निवासी अजय उर्फ रीट्ठा पुत्र राजीव पर किशोरी को बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप लगाया। शिकायतकर्ता ने तहरीर में यह भी कहा कि किशोरी घर से करीब ढाई लाख रुपये और सोने-चांदी के जेवर लेकर गई है। महिला के मुताबिक, किशोरी को सहारनपुर में रिश्तेदारी के यहां अजय के साथ देखे जाने की जानकारी मिली है। उसने पुलिस से मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

युवतियों की बरामदगी की मांग

तीनों मामलों में परिजनों ने पुलिस से लापता युवतियों को तलाश कर बरामद करने और आरोपित युवकों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है।

# खतौली में मंडी के सामने सड़क की बदहाली पर जागा पीडब्ल्यूडी, जल्द भरे जाएंगे गड्ढे

*कांवड़ यात्रा से पहले कराई गई थी मरम्मत, पुलिया अधूरी रहने और बारिश के पानी की निकासी बाधित होने से फिर उखड़ी सड़क*

खतौली। नगर में मंडी के सामने सड़क पर बने गड्ढों और जलभराव की समस्या को लेकर अब लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने मरम्मत कराने का आश्वासन दिया है। सड़क की खराब हालत से राहगीरों और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। विभाग ने इस संबंध में ठेकेदार को आवश्यक निर्देश दिए हैं। सड़क खराब होने की वजह बड़े बिजलीघर के सामने नगरपालिका की ओर से कराए जा रहे पुलिया निर्माण और तेज बारिश के दौरान पानी की निकासी प्रभावित होना बताया गया है। अब लोगों को सड़क की मरम्मत शुरू होने और आवागमन सुचारू होने का इंतजार है। भाजपा जिला मंत्री अनुज सहरावत ने मंडी के सामने सड़क की खराब हालत को गंभीरता से लेते हुए सात अक्टूबर को पीडब्ल्यूडी को पत्र भेजकर मरम्मत कराने की मांग की थी। उन्होंने विभाग के सामने सड़क पर बने गड्ढों की समस्या उठाते हुए इसे दुरुस्त कराने की जरूरत बताई थी। इस शिकायत के जवाब में विभाग ने 21 अक्टूबर को स्थिति स्पष्ट करते हुए बताया कि बड़े बिजलीघर के सामने



पुलिया का निर्माण कार्य चल रहा है। पुलिया का निर्माण अधूरा होने के कारण बारिश के दौरान पानी की निकासी प्रभावित हुई, जिसका असर मंडी के सामने स्थित सड़क पर पड़ा। दरअसल, खतौली में बारिश के पानी की निकासी प्रभावित होने के कारण मंडी के सामने सड़क पर पानी भर गया था। लगातार बारिश और जलभराव के चलते सड़क की सतह खराब हो गई तथा जगह-जगह गड्ढे बन गए। सड़क की यह स्थिति वाहन चालकों के लिए परेशानी का कारण बन रही है। दोपहिया वाहन चालकों को गड्ढों से निकलने में विशेष सावधानी बरतनी पड़ती है, जबकि अन्य वाहनों को भी खराब सड़क के कारण परेशानी झेलनी पड़ रही है। स्थानीय स्तर पर सड़क की मरम्मत की जरूरत इसलिए भी बढ़ गई है, क्योंकि यह मार्ग लोगों के दैनिक आवागमन से जुड़ा है। सड़क पर बने गड्ढों में बारिश का पानी भरने से उनकी गहराई का अंदाजा लगाना भी मुश्किल हो सकता है। ऐसे में वाहन चालकों के संतुलन बिगड़ने और दुर्घटना होने का खतरा बना रहता है। यदि समय रहते सड़क को ठीक नहीं कराया गया, तो दोबारा बारिश होने पर स्थिति और खराब होने की आशंका है। बताया गया है कि कांवड़ यात्रा से पहले इस सड़क की मरम्मत कराई गई थी। उस समय सड़क को आवागमन के लिए दुरुस्त किया गया था, लेकिन बाद में तेज बारिश और पुलिया निर्माण के चलते पानी की निकासी बाधित होने से सड़क फिर खराब हो गई। इससे सड़क की मरम्मत पर हुए प्रयासों के बावजूद समस्या दोबारा सामने आ गई। अब सड़क को ठीक कराने के साथ जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान करना भी जरूरी माना जा रहा है। भाजपा जिला मंत्री अनुज सहरावत की ओर से उठाए गए मामले पर विभाग ने मरम्मत कराने का आश्वासन दिया है। पीडब्ल्यूडी की ओर से ठेकेदार को सड़क दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए हैं। हालांकि, मरम्मत कार्य शुरू होने और पूरा होने की निश्चित तिथि सामने नहीं आई है। ऐसे में अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि विभाग कब तक सड़क की मरम्मत शुरू कराता है और वाहन चालकों को गड्ढों से राहत मिलती है। सड़क की समस्या केवल गड्ढे भरने तक सीमित नहीं है। यदि पुलिया का निर्माण पूरा होने और पानी की निकासी सुचारू होने के बाद सड़क की मरम्मत कराई जाती है, तो भविष्य में दोबारा जलभराव से होने वाले नुकसान को रोकने में मदद मिल सकती है। इसलिए जरूरी है कि सड़क की मरम्मत के साथ जलनिकासी व्यवस्था को भी दुरुस्त किया जाए,

# स्नातक-शिक्षक एमएलसी चुनाव के लिए मुजफ्फरनगर में 56 बूथ तैयार, आज 16,966 मतदाता करेंगे मताधिकार का प्रयोग

*आज होगा मतदान, 13 मतदान केंद्रों पर स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के 42 बूथों पर 13,741 और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के 14 बूथों पर 3,225 मतदाता डालेंगे वोट, पोलिंग पार्टियां रवाना, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान के लिए सुरक्षा व्यवस्था कड़ी*

मुजफ्फरनगर। स्नातक और शिक्षक विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) चुनाव को लेकर मुजफ्फरनगर में जिला प्रशासन ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। शुक्रवार को जिले में कुल 56 बूथों पर मतदान कराया जाएगा। चुनाव प्रक्रिया को समय से शुरू कराने के लिए पोलिंग पार्टियों को मतदान केंद्रों के लिए रवाना किया जा रहा है। प्रशासन ने मतदान कर्मियों की तैनाती से लेकर सुरक्षा व्यवस्था तक सभी आवश्यक इंतजाम किए हैं। मतदान शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए अधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंप दी गई हैं। इस चुनाव में जिले के कुल 16,966 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इनमें स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के 13,741 और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के 3,225 मतदाता शामिल हैं। दोनों निर्वाचन क्षेत्रों के लिए अलग-अलग बूथों की व्यवस्था की गई है। प्रशासन का जोर इस बात पर है कि मतदान के दौरान मतदाताओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो और चुनाव आयोग के दिशा-निर्देशों का पूरी तरह पालन कराया



जाए। स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के लिए जिले में 13 मतदान केंद्रों पर 42 बूथ बनाए गए हैं। इन बूथों पर कुल 13,741 मतदाता वोट डाल सकेंगे। स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में मतदाताओं की संख्या शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के मुकाबले अधिक है, इसलिए बूथों पर मतदान व्यवस्था सुचारु बनाए रखने के लिए आवश्यक प्रबंध किए गए हैं। मतदान कर्मियों को निर्धारित केंद्रों पर भेजा जा रहा है, ताकि सुबह निर्धारित समय पर मतदान शुरू कराया जा सके। शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के लिए भी जिले में 13 मतदान केंद्र निर्धारित किए गए हैं। यहां कुल 14 बूथों पर मतदान होगा। इस निर्वाचन क्षेत्र में 3,225 मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे। शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से 10 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। मतदान के दौरान चुनाव संबंधी नियमों का पालन कराने और व्यवस्था बनाए रखने के लिए संबंधित अधिकारियों तथा कर्मचारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। जिलाधिकारी उमेश कुमार मिश्रा ने विकास भवन में अधिकारियों के साथ बैठक कर चुनावी तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए मतदान प्रक्रिया को व्यवस्थित और निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराने पर जोर दिया। बैठक में मतदान केंद्रों की तैयारियों, कर्मचारियों की तैनाती और सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े पहलुओं पर चर्चा की गई। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि मतदान के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही न हो और सभी व्यवस्थाएं निर्धारित दिशा-निदेशों के अनुरूप संचालित की जाएं।

पोलिंग पार्टियों की रवानगी, समय से मतदान शुरू कराने की तैयारी

मतदान से पहले पोलिंग पार्टियों को उनके निर्धारित मतदान केंद्रों के लिए रवाना किया जा रहा है। प्रशासन ने मतदान कर्मियों की ड्यूटी पहले ही निर्धारित कर दी है। मतदान सामग्री और अन्य जरूरी व्यवस्थाओं के साथ पार्टियों को केंद्रों तक पहुंचाने की प्रक्रिया जारी है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि मतदान के दिन किसी भी केंद्र पर व्यवस्था संबंधी बाधा के कारण प्रक्रिया प्रभावित न हो। पुलिस लाइन में भी हुई चुनावी सुरक्षा को लेकर बैठक

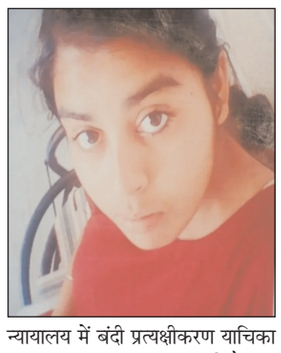
चुनाव की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस और प्रशासन सतर्क हैं।

# चार साल से बेटी की राह देख रहा परिवार, माहीन की तलाश में हाईकोर्ट तक पहुंची गुहार

*खतौली के इस्लामनगर से वर्ष 2022 में लापता हुई युवती का अब तक नहीं लगा सुराग*

खतौली। चार साल का लंबा इंतजार, बेटी की कोई खबर नहीं और उसके घर लौटने की उम्मीद में टकटकी लगाए बैठा परिवार। खतौली थाना क्षेत्र के इस्लामनगर से लापता हुई 23 वर्षीय युवती की तलाश अब इलाहाबाद हाईकोर्ट तक पहुंच गई है। युवती के परिजन लंबे समय से उसकी जानकारी मिलने की उम्मीद लगाए हुए हैं। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है और उसके हुलिये का विवरण जारी कर आम लोगों से सहयोग मांगा गया है।

पुलिस के अनुसार, इस्लामनगर निवासी माहीन मिर्जा 28 फरवरी 2022 को घर से बिना बताए चली गई थी। इसके बाद परिजनों ने उसकी तलाश की, लेकिन उसका पता नहीं चल सका। समय बीतने के साथ परिवार की चिंता बढ़ती गई। बेटी के बारे में कोई ठोस जानकारी नहीं मिलने पर उसके पिता सबाउद्दीन उर्फ बाबी मिर्जा ने कानूनी कदम उठाए। उन्होंने तीन अक्टूबर 2026 को खतौली थाने में गुमशुदगी का मामला दर्ज कराया। बेटी की तलाश में हाईकोर्ट पहुंचे पिता माहीन का लंबे समय तक पता नहीं चलने के बाद मामला इलाहाबाद हाईकोर्ट तक पहुंच गया। उसके पिता ने



न्यायालय में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका संख्या 1254/2026 दायर की है। इस तरह बेटी की तलाश की गुहार अब न्यायालय तक पहुंच चुकी है। परिवार को उम्मीद है कि उसकी तलाश में प्रयास तेज होंगे और किसी माध्यम से उसकी जानकारी मिल सकेगी। बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका का उद्देश्य किसी व्यक्ति को कथित अवैध हिरासत से न्यायालय के सामने प्रस्तुत कराने से जुड़ा होता है। इस मामले में याचिका दायर किए जाने की जानकारी सामने आई है, हालांकि इसके आधार पर युवती की वर्तमान स्थिति के बारे में कोई निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता। पुलिस ने जारी किया हुलिया, दूसरे थानों से भी मांगी मदद

पुलिस माहीन की तलाश के लिए उसके हुलिये का विवरण साझा कर रही है। अन्य थानों से भी सहयोग मांगा गया है, ताकि युवती के संबंध में किसी भी संभावित जानकारी का पता लगाया जा सके। पुलिस के अनुसार, लापता युवती का रंग गोरा, शरीर इकहरा और कद करीब पांच फुट दो इंच है। लापता होने के समय उसने हरे रंग की कुर्ती, सुनहरी पजामी और चप्पल पहन रखी थी।उपनिरीक्षक तेजवीर सिंह और थाना प्रभारी निरीक्षक दिनेश चंद्र बघेल की ओर से लोगों से अपील की गई है कि यदि किसी को युवती के संबंध में कोई जानकारी मिले तो तत्काल खतौली पुलिस को सूचित करें। पुलिस का कहना है कि आम लोगों से मिलने वाली छोटी-सी जानकारी भी तलाश में मददगार साबित हो सकती है। किसी परिवार के लिए अपने सदस्य से वर्षों तक संपर्क नहीं हो पाना बेहद कठिन स्थिति होती है। माहीन के मामले में भी लंबे समय से कोई ठोस जानकारी सामने नहीं आने के कारण उसकी तलाश महत्वपूर्ण बनी हुई है।

# किसान दिवस में गन्ने की पर्ची से लेकर प्रदूषण और बिजली की समस्याओं तक गूंजा किसानों का दर्द

*अपर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभागार में हुई बैठक, किसानों ने विभिन्न विभागों से जुड़ी समस्याएं रखीं, शिकायतों के निस्तारण और रिपोर्ट अपलोड करने के अधिकारियों को निर्देश*

मुजफ्फरनगर। जिले में आयोजित जनपद स्तरीय किसान दिवस में किसानों ने गन्ने की पर्चियों में कमी, बिजली की समस्याओं, कथित झूठी प्राथमिकी, कोल्हुओं से फैल रहे प्रदूषण और नगर क्षेत्र में पुल निर्माण सहित कई मुद्दे उठाए। जिला पंचायत सभागार में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) गंभीर सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे किसानों ने अपनी समस्याएं अधिकारियों के सामने रखीं और उनके समाधान की मांग की। किसानों से लिखित प्रार्थना पत्र भी प्राप्त किए गए, ताकि शिकायतों पर संबंधित विभागों के माध्यम से कार्रवाई कराई जा सके। किसान दिवस में पिछली बैठक के दौरान प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की जानकारी भी किसानों को दी गई। इसके साथ ही उनके गांवों और परगनों से जुड़ी नई समस्याओं को सुना गया। किसानों ने कहा कि गन्ने की पर्चियों से लेकर बिजली, प्रदूषण और साफ-सफाई तक की




समस्याओं का समाधान समय से होना चाहिए, जिससे उन्हें अनावश्यक परेशानी न उठानी पड़े।

गन्ने की पर्ची और बांड बनवाने की मांग

किसान भजनलाल ने गन्ना विभाग से जुड़ी समस्या उठाते हुए बताया कि उनकी माता प्रेमो के खाता संख्या 129/319 में जमीन कम दर्शाए जाने के कारण गन्ने की पर्चियां कम कर दी गई हैं। उन्होंने अपनी माता के नाम पहले की तरह गन्ने की पर्चियां और बांड बनवाने की मांग करते हुए प्रार्थना पत्र दिया। इस शिकायत के माध्यम से गन्ने से संबंधित अभिलेखों की जांच कर समस्या का समाधान कराने की मांग की गई।

बिजली के खंभों पर मोटी केबल लगवाने की मांग

बिजली विभाग से संबंधित शिकायत में किसान राजबीर सिंह ने विद्युत खंभों पर मोटी केबल यानी रबड़िंग तार लगवाने की मांग रखी। इसके साथ ही उन्होंने अपने खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को झूठा बताते हुए उसे निरस्त कराने और संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध कार्रवाई करने की मांग की। इस संबंध में भी अधिकारियों को लिखित प्रार्थना पत्र दिया गया। शिकायत पर जांच और नियमानुसार कार्रवाई की मांग उठाई गई।

शुक्रताल में कोल्हुओं से प्रदूषण फैलने की शिकायत

किसान दिवस में प्रदूषण से जुड़ा मामला भी प्रमुखता से उठाया गया। शिकायत में बताया गया कि विकासखंड मोरना के ग्राम शुक्रताल में संचालित कोल्हुओं में गन्ने की पत्ती और खोई जलाने के बजाय पन्नी तथा कचरे का इस्तेमाल किए जाने की शिकायत है। आरोप है कि इससे आसपास के क्षेत्र में प्रदूषण फैल रहा है और स्थानीय लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। किसानों ने संबंधित विभाग से मामले की जांच कराने और पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाली गतिविधियों पर नियमानुसार कार्रवाई करते हुए समस्या का समाधान कराने की मांग की।

श्मशान घाट के पास मंदिर वाले रास्ते पर पुल बनाने की मांग

नगर पालिका से जुड़ी समस्याएं उठाते हुए किसानों ने सदर क्षेत्र में श्मशान घाट के पास मंदिर के बराबर वाले रास्ते पर पुल का निर्माण कराने की मांग की। इस संबंध में अधिकारियों को प्रार्थना पत्र सौंपा गया। किसानों ने नगर क्षेत्र में नालों की सफाई नहीं होने और सड़कों की नियमित सफाई न किए जाने की समस्याएं भी उठाईं। उन्होंने संबंधित विभागों से इन समस्याओं का समाधान कराने की मांग की, ताकि स्थानीय लोगों को आवागमन और साफ-सफाई से जुड़ी परेशानियों से राहत मिल सके।

किसानों को विभागीय योजनाओं की जानकारी दी गई

किसान दिवस में विभिन्न विभागों से पहुंचे अधिकारियों ने किसानों को उनके हित में संचालित योजनाओं की जानकारी दी। बैठक में किसानों की समस्याओं को सुनने के साथ ही संबंधित विभागों से उनके समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई करने की अपेक्षा की गई। किसानों ने भी अपनी समस्याओं के शीघ्र निस्तारण की मांग रखी।



# बड़ी इलायची खाने से मिलेंगे बेमिसाल फायदे

भारतीय रसोई में मौजूद मसाले खाने का स्वाद बढ़ाने के साथ सेहत को दुरुस्त रखने में मदद करते हैं। इन्हीं में बड़ी इलायची पोषक तत्व, एंटी-ऑक्सीडेंट्स, एंटी-माइक्रोबियल, एंटी-इंफ्लेमेंट्री आदि गुणों से भरपूर होती है। इसे काली या भूरी इलायची भी कहा जाता है। इसके सेवन से इम्यूनिटी व पाचन तंत्र मजबूत होता है। ऐसे में बीमारियों से लड़ने की शक्ति मिलती है। साथ ही पेट संबंधी समस्याओं से बचाव रहता है। चलिए जानते हैं इसके सेवन के फायदों के बारे में.

## अस्थमा में फायदेमंद

इसका सेवन करने से सांस संबंधी समस्याओं से छुटकारा मिलता है। यह फेफड़ों को साफ करके उसे बेहतर तरीके से सांस लेने में मदद करती है।

## कैंसर का खतरा करें कम

बड़ी इलायची में मौजूद पोषक तत्व व एंटी-ऑक्सीडेंट्स गुण कैंसर की कोशिकाओं को पनपने से रोकते हैं। ऐसे में इस गंभीर बीमारी की चपेट में आने का खतरा कई गुणा कम रहता है।

## एसिडिटी से राहत दिलाए

आजकल लोगों को एसिडिटी की समस्या अधिक हो रही है ऐसे में इससे बचने के लिए डेली डाइट में बड़ी इलायची सेवन करना फायदेमंद माना गया है। इसके सेवन से एसिडिटी की परेशानी दूर होकर पाचनतंत्र दुरुस्त रहने में मदद मिलती है।

## सिर व शरीर दर्द से दिलाए छुटकारा

सिरदर्द से राहत दिलाने में भी काली इलायची कारगर मानी गई है। इसके सेवन से सिर व शरीर के किसी भी हिस्से का चुटकियों में ठीक हो जाते हैं। इसके साथ ही सुस्ती, आलस व थकान से भी आराम मिलता है। एक्सपर्ट्स के अनुसार काली इलायची के पाउडर को शहद के साथ खाने से शरीर का दर्द मिनटों में दूर हो जाता है।

## इम्यूनिटी बढ़ाए

काली इलायची पोषक तत्व, एंटी-ऑक्सीडेंट व औषधीय गुण होते हैं। इसका सेवन करने से इम्यूनिटी बढ़ने में मदद मिलती है। ऐसे में इसका सेवन सर्दी-जुकाम, खांसी से बचाव रहता है।

## मुंह की दुर्गंध भगाए

अक्सर कई लोगों को मुंह से दुर्गंध आने की परेशानी होती है। ऐसे में बड़ी इलायची को चबा-चबाकर खाने से फायदा मिलता है। यह मुंह की बदबू दूर करने में कारगर मानी जाती है।

## स्किन करेगी ग्लो

सेहत ही नहीं स्किन के लिए भी बड़ी इलायची रामबाण मानी जाती है। एक्सपर्ट्स के अनुसार इसका सेवन करने से पिंपल्स की समस्या से बचाव रहता है। इसके साथ ही चेहरे पर नेचुरल ग्लो आने में मदद मिलती है।



# एक से बड़े एक रोग का नाश करती है नस्य थेरेपी

**नस्य पंचकर्म थेरेपी आयुर्वेद की एक प्रमुख चिकित्सा पद्धति है। नस्य का मतलब है नाक के जरिए आयुर्वेदिक दवाएं देना, ताकि कान, नाक, गले और सिर से जुड़ी समस्याओं को दूर किया जा सके। लेकिन इस थेरेपी की सलाह हर किसी को नहीं दी जाती है और नस्य पंचकर्म आयुर्वेद विशेषज्ञ के बताये अनुसार ही करवाना चाहिए, जिससे इसका लाभ मिल सके और नुकसान से बचा जा सके।**

आयुर्वेद में कुछ बीमारियों के इलाज के दौरान पंचकर्म थेरेपी की मदद ली जाती है। वहीं साइनस की समस्या, मेंटल हेल्थ, फर्टिलिटी में मदद करने और सिर से जुड़ी समस्याओं को दूर करने के लिए नस्य सबसे ज्यादा असरदार पंचकर्म थेरेपी में से एक है। लेकिन सच ये भी है कि हर किसी के लिए नस्य थेरेपी को सुरक्षित नहीं माना गया है। अगर गलत समय और बिना नस्य एक्सपर्ट के इस थेरेपी को करवाया जाए, तो इससे फायदे की बजाय नुकसान हो सकता है। इसलिए नस्य थेरेपी से जुड़ी कुछ महत्वपूर्ण जानकारी हम आपके साथ यहां शेयर कर रहे हैं, जिससे नस्य पंचकर्म थेरेपी का फायदा मिल सके।

## नस्य पंचकर्म थेरेपी क्या है

इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेज एंड रिसर्च के अनुसार नस्य का मतलब है नाक के जरिए आयुर्वेदिक दवाएं देना, ताकि कान, नाक, गले और सिर से जुड़ी समस्याओं को दूर किया जा सके। इस पंचकर्म थेरेपी की मदद से क्रोनिक साइनसाइटिस, माइग्रेन, हार्मोनल असंतुलन, बालों का झड़ना, गर्दन में अकड़न, फर्टिलिटी प्रोब्लम्स एवं न्यूरोलॉजिकल डिसॉर्डर जैसी समस्याओं को दूर करने के लिए किया जा सकता है और इसके लगभग कोई साइड इफेक्ट नहीं होते। यह पंचकर्म इलाज का एक अहम हिस्सा है और जब इसे आयुर्वेद के जानकार करते हैं, तो यह शरीर में वात-पित्त-कफ का संतुलन वापस लाने में अत्यधिक असरदार माना गया है। आयुर्वेदिक इंस्टीट्यूट के अनुसार यह प्रक्रिया सिर्फ नाक में तेल डालने तक सीमित नहीं है, बल्कि नस्य पंचकर्म थेरेपी के दौरान-

**स्टेप 1** - प्रक्रिया से पहले चेहरे की मालिश यानी अभ्यंग उपचार किया जाता है।

**स्टेप 2** - हल्की स्टीम थेरेपी दी जाती है जिसे आयुर्वेद में स्वेदन उपचार कहते हैं।

**स्टेप 3** - औषधीय तेल डालना

**स्टेप 4** - प्रक्रिया के बाद गरारे करवाया जाता है और फिर आराम करने की सलाह दी जाती है।

शरीर की एक नहीं, बल्कि कई तकलीफों को दूर करने के लिए नस्य पंचकर्म थेरेपी को प्रभावी माना गया है। लेकिन इस थेरेपी की सलाह कुछ लोगों को नहीं दी जाती है।

## नस्य थेरेपी कब सुरक्षित होती है

यह थेरेपी तभी सुरक्षित मानी जाती है। जब-

- इसे किसी क्वालिफाइड पंचकर्म डॉक्टर की देखरेख में करवाया जाए
- इसे किसी भरोसेमंद आयुर्वेदिक सेंटर में किया जाए
- इसे दोष के अनुसार कस्टमाइज किया जाए
- इसे सही जांच के बाद किया जाए

## नस्य ट्रीटमेंट कब बंद करना चाहिए

इन स्थितियों में नस्य ट्रीटमेंट तुरंत रोकने की सलाह दी जाती है और जल्द से जल्द आयुर्वेद एक्सपर्ट से संपर्क करना जरूरी बताया गया है। जैसे- तेज सिरदर्द होना, देखने में परेशानी होना, लगातार नाक से खून आना, लगातार उल्टी होना, तेज जलन होना

नस्य थेरेपी आयुर्वेद के सबसे बेहतरीन और असरदार इलाजों में से एक है। यह नाक के जरिए दवा (खास तरह का तेल) देकर ठीक होने और शरीर में संतुलन बनाए रखने का सीधा तरीका है। लेकिन नस्य थेरेपी के फायदे और अनचाही दिक्कतों के बीच का फर्क समझना बहुत जरूरी है। इसलिए आयुर्वेद विशेषज्ञ से इसके बारे में समझकर ही यह पंचकर्म थेरेपी फायदेमंद हो सकती है।

## घबराहट या पैनिक अटैक

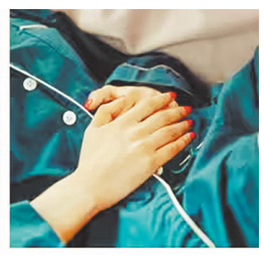
जिन लोगों को क्लॉस्ट्रोफोबिया, बहुत ज्यादा बेचैनी या घबराहट की समस्या होती है, उन्हें नस्य ट्रीटमेंट की सलाह नहीं दी जाती है। आयुर्वेद विशेषज्ञ सबसे पहले घबराहट या पैनिक अटैक जैसी स्थितियों को समझकर इलाज करते हैं और जब मरीज की स्थिति ठीक होती है, तो जरूरत पड़ने पर नस्य ट्रीटमेंट की शुरुआत करते हैं।

इन स्थितियों के साथ-साथ आयुर्वेद विशेषज्ञ मरीज की शारीरिक स्थितियों को समझकर नस्य पंचकर्म थेरेपी की सलाह देते हैं। सुरक्षित आयुर्वेदिक ट्रीटमेंट किसी प्रोफेशनल आयुर्वेदिक एक्सपर्ट से ही करवाना चाहिए।







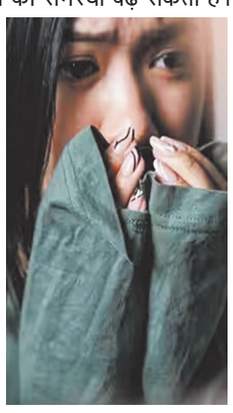
# इन लोगों के लिए नहीं है ये पंचकर्म थेरेपी

गर्भवती महिलाओं को नहीं करवाना चाहिए नस्य पंचकर्म

**प्रेग्नेंसी** - प्रेग्नेंसी अत्यधिक संवेदनशील स्थिति है और ऐसे में नस्य कर्म से गर्भवती महिला को कई तरह की समस्या हो सकती है। जैसे- वात बढ़ सकता है, हार्मोनल प्रक्रियाओं पर असर पड़ सकता है, शरीर में दोषों की अनचाही हलचल शुरू हो सकती है हालांकि आयुर्वेद प्रेग्नेंसी के दौरान की देखभाल को सपोर्ट करता है, लेकिन नस्य पंचकर्म जैसी डिटॉक्स थेरेपी को हल्के-फुल्के ढंग से नहीं करना चाहिए।

**पीरियड्स**- अगर पीरियड्स के दौरान ज्यादा ब्लीडिंग की समस्या हो, तो इस वक्त शरीर स्वाभाविक रूप से साफ हो रहा होता है। इस दौरान वात सक्रिय होता है। इस समय थेरेपी लेने से शरीर में नीचे की ओर होने वाला बहाव बाधित हो सकता है। इसलिए बेहतर है कि इसे मासिक धर्म चक्र के खत्म होने तक टाल दिया जाए।

**बुखार**- तेज बुखार, साइनस की गंभीर समस्या, अत्यधिक सर्दी-जुकाम, गले में इंफेक्शन की समस्या रहने पर पहले इनका इलाज किया जाता है। क्योंकि नस्य आयुर्वेदिक थेरेपी से शरीर डिटॉक्स होती है और तेज बुखार, साइनस या सर्दी-जुकाम की समस्या बढ़ सकती है।



**मस्तिष्क या नाक की सर्जरी**- हाल ही में हुई नाक की सर्जरी, मस्तिष्क की सर्जरी, सेप्टम ठीक करने की सर्जरी या फिर सिर में चोट जैसी स्थिति में नस्य थेरेपी नहीं ली जा सकती है।

**माइग्रेन**- अगर माइग्रेन की समस्या अचानक तेज हो गई हो, तो ऐसी स्थिति में भी नस्य थेरेपी की अनुमति नहीं दी जाती है। क्योंकि इस दौरान थेरेपी लेने से माइग्रेन की समस्या थेरेपी के कारण और बढ़ सकती है।



**हाई ब्लड प्रेशर**- अगर हाई ब्लड प्रेशर की समस्या हो और ब्लड प्रेशर नियंत्रित नहीं रहता हो, तो ऐसी स्थिति में भी नस्य पंचकर्म करने से पहले आयुर्वेदिक उपचार से ब्लड प्रेशर को नियंत्रित किया जाता है। नियमित बीपी चेकअप के बाद अगर ब्लड प्रेशर नियंत्रित हो जाए, तो उसके बाद ही नस्य पंचकर्म करवाने की सलाह दी जाती है।

**सीनियर सिटीजन**- अगर उम्र बहुत ज्यादा हो और व्यक्ति कमजोर हो, बहुत ज्यादा कमजोरी हो, इम्यूनिटी कम हो या हमेशा थका हुआ महसूस करने वाले बुजुर्गों में नस्य पंचकर्म की प्रक्रिया को सहने की क्षमता कम हो सकती है। इसलिए किसी बीमारी या कमजोर बुजुर्गों को नस्य थेरेपी करवाने की इजाजत नहीं दी जाती है।

**कम उम्र के बच्चे** - स्टडी के अनुसार 7 साल से कम उम्र के बच्चों को नस्य थेरेपी नहीं दी जाती है। इसका मुख्य कारण है छोटे बच्चों की नाक की नली नाजुक और अत्यधिक संवेदनशील होती है। और नस्य पंचकर्म के दौरान बच्चे को नाक में जलन या असुविधा हो सकती है।

**ब्लीडिंग डिसऑर्डर**- जिन लोगों को ब्लीडिंग डिसऑर्डर की समस्या जैसे बार-बार नाक से खून आने की समस्या, प्लेटलेट काउंट कम होना, ब्लड क्लॉट जैसी समस्या हो, तो भी नस्य ट्रीटमेंट की सलाह नहीं दी जाती है।







# त्योहारों की भागदौड़ के बाद महसूस हो रही है थकान

## खुद को मेंटली रिलैक्स करने के लिए करें ये काम

**भारत देश में कई बड़े बड़े त्योहार मनाए जाते है। दीपावली जैसे बड़े पर्वों के आने से पहले लोग घरों की साफ-सफाई करके हर एक कोना सजाते हैं। लगातार कई दिनों तक चलने वाली यह घर की सफाई और भागदौड़ के बीच शरीर और मन दोनों थक जाते हैं। त्योहारों पर ऐसा होना आम बात है, लेकिन अजीब सी यह मानसिक थकावट, सुस्ती और खालीपन परेशानी का कारण बन जाता है।**

## त्योहारों के बाद थकान दूर करने के असरदार उपाय

अगर आप भी त्योहारों के बाद बहुत ज्यादा थका हुआ महसूस करती हैं, तो तो घबराने के बजाय कुछ छोटे, लेकिन असरदार तरीकों को अपना सकती हैं। यह आपके मन और शरीर को फिर से तंदरुस्त बनाने में मदद करेंगे। आइए जानते हैं मेंटली रिलैक्स होने के कुछ बेहतरीन तरीके। अगर त्योहारों के बाद भी आपको थकान महसूस हो रही है, तो सोशल मीडिया पर बधाइयां देना, तस्वीरें शेयर करना और लगातार स्क्रीन देखने के बजाय आप कुछ घंटों या कम से कम एक दिन के लिए फोन, लैपटॉप और टीवी से दूरी बना लें। ऐसा करने से दिमाग को शांति मिल सकती है। त्योहारों के जश्न में ना चाहते हुए भी रात में सोने में देरी हो जाती है, जिससे नींद पूरी नहीं हो पाती। फेस्टिव सीजन के बाद आप थकान कम करने के लिए कम से कम 7 से 8 घंटे की गहरी और आरामदायक नींद लें। ऐसा करने से भी आपकी बॉडी का एनर्जी लेवल वापस नॉर्मल हो सकता है।

त्योहारों में तली-भुनी चीजें, मिठाइयां और भारी खाना खाने के बाद डाइजेशन बिगड़ने लगता है। ऐसे में आप कुछ दिनों के लिए हल्का भोजन, ताजे फल, डिटॉक्स ड्रिंक्स और खूब सारा पानी पिएं।

मन को शांत करने के लिए सुबह या शाम के समय शांत कमरे में बैठे या किसी ऐसी जगह जाएं, जहां कोई न हो और शांति हो। 10 से 15 मिनट गहरी सांस वाला व्यायाम या ध्यान करें। इससे स्ट्रेस हार्मोन कम होते हैं और मानसिक शांति मिलती है।

खुद को तरोताजा रखने के लिए कुछ खास बातें

अगर आप मेंटल रिलैक्सिन के अलावा खुद को हमेशा फिट रखना चाहती हैं, तो नीचे बताई गई इन छोटी आदतों को अपना सकती हैं।

जैसे -

- एसेंशियल ऑयल या एप्सम सॉल्ट डालकर गुनगुने पानी से नहाने से शरीर की मांसपेशियों की जकड़न और थकान दूर हो सकती है।
- यही नहीं किताब पढ़ना, मनपसंद गाने सुनना या अपनी पसंद का कोई काम करने से भी मन खुश होता है और दिनभर ऊर्जावान महसूस होता है।

संक्षिप्त समाचार

## दिल्ली वाले ध्यान दें! वोटर लिस्ट में गड़बड़ी सुधारने का मौका



**नईदिल्ली, एजेंसी।** मतदाता सूची में नाम जुड़वाने, हटवाने और विवरण में संशोधन कराने के लिए दक्षिणी दिल्ली में पोलिंग बूथों पर हर रविवार को शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें लोग पहुंच कर फॉर्म छह, सात और आठ के लिए आवेदन कर रहे है। इसी कड़ी में 25 अक्टूबर को भी शिविर आयोजित किया जाएगा। बीते रविवार को दक्षिणी दिल्ली में आयोजित शिविर में फॉर्म छह के 210 और फॉर्म आठ के 90 आवेदन जमा हुए। इससे पहले 11 अक्टूबर को आयोजित शिविर में फॉर्म छह के 195, फॉर्म सात का एक और फॉर्म आठ के 72 आवेदन जमा हुए थे। मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिए फॉर्म छह, नाम हटवाने के लिए फॉर्म सात और मतदाता सूची में दर्ज विवरण में सुधार कराने के लिए फॉर्म आठ भरा जा रहा है। शिविरों के माध्यम से मतदाताओं को आवेदन करने और सूची से जुड़ी समस्याओं के समाधान का अवसर मिल रहा है। दक्षिणी दिल्ली एसडीएम ने मतदाताओं से अपील है कि नोटिस मिलने पर निर्धारित समय में जवाब जमा करें और अपने दस्तावेजों से जुड़ी औपचारिकताएं पूरी करें।

## 2007 से पहले बनी लाखों बिल्डिंगो पर हो सकती है कार्रवाई

**नईदिल्ली, एजेंसी।** दिल्ली में वर्ष 2007 से पहले बने लाखों आवासीय और व्यावसायिक भवनों पर



नगर निगम अगले वर्ष से कार्रवाई शुरू कर सकता है। इन संपत्तियों को मिला अस्थायी कानूनी संरक्षण 31 दिसंबर 2026 को समाप्त होने वाला है। ऐसे में कमला नगर ट्रेडर्स एसोसिएशन ने सरकार से मांग की है कि स्थायी समाधान लागू होने तक इस राहत को आगे बढ़ाया जाए। एसोसिएशन के प्रधान नितिन गुप्ता ने इस संबंध में दिल्ली के उपराज्यपाल और मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है। उन्होंने कहा कि इन संपत्तियों को पहले भी दो बार अस्थायी राहत दी जा चुकी है, लेकिन इस दौरान इनके लिए स्थायी समाधान नहीं निकल सका। राहत की अवधि बार-बार बढ़ने से व्यापारियों और आम लोगों में अपनी संपत्तियों और कारोबार के भविष्य को लेकर चिंता बनी हुई है। गुप्ता ने पत्र में कहा कि दिल्ली के पारंपरिक बाजार राजधानी की अर्थव्यवस्था का अहम हिस्सा हैं। इन बाजारों से लाखों व्यापारियों, दुकानदारों, कर्मचारियों और उनके परिवारों की आजीविका जुड़ी है। इसलिए पात्र दुकानों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को लंबे समय तक कानूनी सुरक्षा देने के लिए ठोस व्यवस्था बनाई जानी चाहिए। उन्होंने स्थायी समाधान तैयार होने और लागू किए जाने तक मौजूदा राहत जारी रखने की मांग की है। उन्होंने पात्र व्यावसायिक संपत्तियों को नियमित करने के लिए स्पष्ट, पारदर्शी और व्यावहारिक नीति बनाने का सुझाव दिया है। संयुक्त समिति बनाने का सुझाव एसोसिएशन ने स्थायी समाधान तलाशने के लिए सरकार, दिल्ली नगर निगम (एमसीडी), संबंधित नियोजन प्राधिकरणों और बाजार संगठनों के प्रतिनिधियों की संयुक्त समिति बनाने का सुझाव दिया है। समिति व्यापारियों की समस्याओं पर विचार कर समयबद्ध समाधान की सिफारिश कर सकती है।

# दिल्ली के पूठ खुर्द फायरिंग मामले में आंध्र प्रदेश से 2 शूटर गिरफ्तार, हिमांशु भाऊ गैंग से कनेक्शन की जांच

**नईदिल्ली, एजेंसी।** बाहरी दिल्ली में बवाना के पूठ खुर्द में कारोबारियों की फैक्ट्री और गोदाम के बाहर फायरिंग के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को आंध्र प्रदेश के



श्रीकाकुलम से गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, दोनों की पहचान सुल्तानपुर डबास निवासी अरुण शर्मा उर्फ अरुण उपाध्याय (19) और सूरज (19) के रूप में हुई है। दोनों को वारदात में शामिल शूटर बताया जा रहा है। पुलिस उन्हें दिल्ली लाने के लिए ट्रांजिट रिमांड हासिल करने की प्रक्रिया में जुटी है। 19 अक्टूबर को कपिल धर्मकांटे के पास बाइक सवार दो बदमाशों ने कारोबारी अभय जैन की फैक्ट्री के गेट और वहां खड़ी हुंडई ऑरा कार पर गोलियां चलाई थीं। वारदात में कोई घायल नहीं हुआ था। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिरों से मिली जानकारी के आधार पर दोनों को गिरफ्तार किया है। फायरिंग के पीछे रंगदारी के लिए दबाव बनाने की आशंका जताई जा रही है। इंटरनेट मीडिया पर डाकू कुलेसिया और विक्की हडडल के नाम से वारदात की जिम्मेदारी लेने का दावा भी सामने आया था। पुलिस अब गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर पता लगाएगी कि उनका हिमांशु भाऊ गिरोह से कोई संबंध है या नहीं।

# दिल्ली में इलेक्ट्रिक स्कूटी और बाइक में लगी आग

## धुएं के बीच कमरे में फंसे बहन-भाई को बचाया



**नईदिल्ली, एजेंसी।** पूर्वी दिल्ली में शाहदरा के बलबीर नगर एक्सटेंशन में बुधवार देर रात एक मकान में खड़ी इलेक्ट्रिक स्कूटी और बाइक में आग लग गई। आशंका है स्कूटी चार्जिंग पर थी। आग से निकले धुएं के कारण मकान के भूतल पर बने कमरे में बहन-भाई फंस गए।

सूचना मिलने पर पहुंची दमकल विभाग की टीम ने दोनों नाबालिगों को सुरक्षित बाहर निकाला। इसके बाद उन्हें कैट्स एंबुलेंस की मदद से जीटीबी अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टर ने जांच के बाद दोनों की हालत सामान्य बताई।

दमकल विभाग ने बताया कि बुधवार रात 1:50 बजे 40 गज में बने मकान के भूतल पर वाहनों में आग लगने की सूचना मिली थी। दो वाटर टेंडर, एक वाटर बाउजर, एक मल्टी-कॉम्बिनेशन फायर रेस्क्यू वाहन और एक क्विक रिस्पांस व्हीकल को घटनास्थल पर भेजा गया।

आग मकान में खड़ी एक इलेक्ट्रिक स्कूटी और बाइक में लगी थी। धुएं के कारण मकान मालिक राजेंद्र के बेटे दक्ष (16) और बेटी काव्या (15) भूतल पर बने कमरे में फंस गए थे। दमकल विभाग के मल्टी-कॉम्बिनेशन फायर रेस्क्यू वाहन में तैनात दमकलकर्मी नरेश पाल ने दोनों बच्चों को बाहर निकाला। दोनों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनकी हालत सामान्य पाई गई। एक घंटे में पुलिस ने आग पर काबू पाया।

# फॉर्म 6 में नाम दर्ज कराने वालों की संख्या हुई 4.56 लाख, अब अंतिम चरण में एसआईआर की प्रक्रिया

**नई दिल्ली, एजेंसी।** देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में अब तक मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिए 4.56 लाख लोग आवेदन कर चुके हैं। इनमें से 1 लाख से अधिक आवेदनों पर 31 अगस्त (जब मतदाता सूची का ड्राफ्ट जारी किया गया था) के बाद से कार्रवाई पूरी कर ली गई है। वहीं, अब मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया अपने अंतिम चरण में पहुंच चुकी है।

अधिकारियों के मुताबिक, 'फॉर्म 6' के कुल 4,56,913 आवेदन प्राप्त हुए हैं। जिनमें 2,12,400 आवेदन 30 अगस्त तक मिले थे, जबकि 31 अगस्त से 20 अक्टूबर के बीच 2,44,513 आवेदन प्राप्त हुए। कुल मिलाकर, मौजूदा आंकड़े को देखकर यह कहना गलत नहीं होगा कि नए मतदाताओं में मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने की काफी जिज्ञासा है।

अब जरा फॉर्म 6 की बात कर लेते हैं कि आखिर ये क्या है? फॉर्म 6 का इस्तेमाल नए मतदाता जो 18 साल या उससे अधिक की आयु पूरे कर चुके हैं, उनके लिए होता है। ऐसे लोग इस फॉर्म को भरकर मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज करा लेते हैं। इसी संबंध में एक अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि 31 अगस्त से 20 अक्टूबर के बीच लगभग 1.15 लाख आवेदनों का निपटारा किया जा चुका है।

साथ ही, उन्होंने यह भी कहा कि अभी इन आंकड़ों को स्थायी मान लेना उचित नहीं रहेगा,



क्योंकि अभी 70 विधानसभा क्षेत्रों का डेटा अभी आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड किया जाना बाकी है। ऐसी स्थिति में इन आंकड़ों को स्थायी मान लेना किसी भी सूरत में उचित नहीं रहेगा। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, 31 अगस्त को जारी ड्राफ्ट रोल में 97.53 लाख मतदाताओं के नाम शामिल थे। संशोधन से पहले यह संख्या 1.45 करोड़ थी। इसमें से लगभग 47.5 लाख नाम हटा दिए गए और उन्हें 'अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत और डुप्लिकेट' श्रेणियों में डाल दिया गया। उधर, इनमें से लगभग 43.3 लाख मतदाताओं को अनुपस्थित या स्थायी रूप से कहीं और चले जाने वाला, 2.82 लाख को मृत और 1.41 लाख को डुप्लिकेट मतदाता के रूप चिन्हित किया जा चुका है। वही, अगर स्थान के हिसाब से आंकड़ों की बात करें, तो ओखला में मौजूदा मतदाताओं में से केवल 54.6 प्रतिशत का विवरण सत्यापित किया जा सका, जबकि आर.के. पुरम में यह आंकड़ा 44.5 प्रतिशत और कस्तूरबा नगर में 44 प्रतिशत रहा। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, जिन विधानसभा क्षेत्रों के आंकड़े उपलब्ध थे।

## सावित्री सिनेमा फ्लाईओवर को डबल करने का काम शुरू, दिल्ली में आउटर रिंग रोड पर जाम से मिलेगी राहत

**नईदिल्ली, एजेंसी।** दक्षिणी दिल्ली में आउटर रिंग रोड पर यातायात सुगम बनाने के लिए सावित्री सिनेमा फ्लाईओवर को दोहरा करने का काम इस सप्ताह शुरू हो सकता है। निर्माण कार्य के लिए फ्लाईओवर के नीचे बने यू-टर्न को बंद किया जाएगा। नवरात्र और दुर्गापूजा के दौरान उमड़ने वाली भीड़ को देखते हुए निर्माण कार्य शुरू करने की योजना टाल दी गई थी। पीडब्ल्यूडी ने बीते दिनों निर्माण कार्य शुरू करने की प्रक्रिया के तहत यू-टर्न बंद कर खोदाई का कार्य शुरू किया था, लेकिन त्योहार के दौरान यातायात प्रभावित होने की आशंका को देखते हुए काम रोक दिया गया था। दरअसल, सावित्री सिनेमा फ्लाईओवर का निर्माण वर्ष 2001 में एकल कैरिजवे के रूप में किया गया था। वर्तमान में नेहरू प्लेस से इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) एयरपोर्ट की ओर जाने वाले वाहन चालक इसका इस्तेमाल करते हैं, लेकिन एयरपोर्ट की ओर से आने वाले वाहनों को फ्लाईओवर की सुविधा नहीं मिलती है। ऐसे में द्वारका और एयरपोर्ट की ओर से नेहरू प्लेस, गोविंदपुरी, आंबेडकर नगर और महरौली जाने वाले वाहनों को फ्लाईओवर के नीचे सड़क पर चलना पड़ता है। इस वजह से सावित्री सिनेमा के पास अक्सर जाम की स्थिति बन जाती है। फ्लाईओवर के आसपास सड़क की चौड़ाई कम होने के कारण यहां वाहनों का दबाव बढ़ते ही सड़क संकरी पड़ जाती है। इससे यातायात का प्रवाह बाधित होता है और कई किलोमीटर लंबा जाम लग जाता है। इस समस्या के समाधान के लिए मौजूदा फ्लाईओवर के समानांतर दूसरा फ्लाईओवर बनाया जाएगा। सावित्री सिनेमा फ्लाईओवर को दोहरा करने के लिए बीते दिनों निर्माण कार्य शुरू करने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई थी। इसके तहत फ्लाईओवर के नीचे बने यू-टर्न को बंद कर दिया गया था। हालांकि, नवरात्र और दुर्गापूजा के दौरान सीआर पार्क सहित आसपास के इलाकों में उमड़ने वाली भीड़ और यातायात के दबाव को देखते हुए स्थानीय निवासियों ने निर्माण कार्य शुरू करने के समय पर आपत्ति जताई थी। इसके बाद त्योहार के दौरान यातायात व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका के मद्देनजर काम टाल दिया गया।



## क्राइम ब्रांच के सामने हाजिर नहीं हुए सौरभ और आशुतोष

**नई दिल्ली, एजेंसी।** कॉकरोच जनता पार्टी के सह-संयोजक सौरभ दास और आशुतोष रांका आज गुरुवार को दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच के सामने पूछताछ के लिए पेश नहीं हुए। उन्होंने दिल्ली पुलिस से इसके लिए अतिरिक्त समय मांगा है। यह जानकारी दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच के सूत्रों की तरफ से सामने आई है। दरअसल, दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने सौरव दास, आशुतोष रांका और अजिंक्य शिंदे को दोपहर 12 बजे राजौरी गार्डन स्थित कार्यालय में पूछताछ के लिए बुलाया था। लेकिन तीनों वहां नहीं पहुंचे। इन लोगों ने अतिरिक्त समय मांगा है। विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट ऋतु राज ने सौरव दास और आशुतोष रांका को 50-50 हजार रुपये के निजी और जमानती मुचलके भरने का निर्देश दिया था। अदालत ने दोनों को सभी सुनवाई में मौजूद रहने और मुचलकों में तय की गई शर्तों का पालन करने को कहा था। उनके जमानतदारों की पुष्टि के लिए जांच अधिकारी को अगली सुनवाई पर रिपोर्ट पेश करने का निर्देश भी दिया गया था। दोनों नेताओं ने अदालत में लिखित आश्वासन दिया था कि वे शांति भंग नहीं करेंगे और सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखेंगे। उन्होंने जंतर-मंतर को कानून के तहत दोबारा अधिसूचित किए जाने तक वहां प्रदर्शन का आह्वान नहीं करने की बात भी कही थी।

# टाइगर श्रॉफ फायरिंग केस में बड़ा खुलासा, 'डेड लेटर बॉक्स' के जरिये अमृतसर से पहुंचे थे पिस्टल, कारतूस

**नई दिल्ली, एजेंसी।** अभिनेता टाइगर श्रॉफ की कार पर फायरिंग मामले की जांच में सामने आया है कि शूटरों तक हथियार पहुंचाने के लिए एक खतरनाक और आधुनिक सिंडिकेट काम कर रहा था, जिसका नेटवर्क मुंबई, दिल्ली, अमृतसर ही नहीं, कई राज्यों तक फैला है।

इस सिंडिकेट ने स्पाई थ्रिलर फिल्मों की तर्ज पर शूटरों तक 'डेड लेटर बॉक्स' के जरिये पिस्टल और कारतूस पहुंचाए थे। खुफिया एजेंसियों और जांच अधिकारियों की भाषा में 'डेड लेटर बॉक्स' उस गुप्त ठिकाने या लोकेशन को कहा जाता है, जहां आमने-सामने मिले बिना ही एक व्यक्ति दूसरे के लिए सामान (इस मामले में हथियार) छोड़कर चला जाता है।

टाइगर पर हमले के मामले में गिरफ्तार आरोपियों रेहान, फूल सिंह और ऋतिक कुमार से मुंबई पुलिस ने पूछताछ की तो हमले के तार दिल्ली से लेकर अमृतसर तक जुड़ते चले गए।

मुंबई पुलिस से मिले इनपुट के आधार पर दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने मंगलवार को कुणाल और सुमित के साथ ही कुणाल की गर्लफ्रेंड राधा और उसकी सहेली बबीता को गिरफ्तार किया था। दोनों युवतियों को दिल्ली जबकि युवकों को सोनीपत से गिरफ्तार किया गया था।

सूत्रों के मुताबिक, पूछताछ में पुलिस को पता चला कि अमृतसर में 'डेड लेटर बॉक्स' यानी गुप्त ठिकाने पर



पिस्टल व कारतूस पहुंचाए गए थे, जिन्हें कुणाल ने अपने साथी सुमित और दोनों युवतियों की मदद से उठाकर हमलावरों तक पहुंचाया था। हथियार कहां से उठाने हैं और कहां पहुंचाने हैं, ये सभी निर्देश कुणाल को विदेश में बैठे गैंगस्टर अनिल पंडित से मिल रहे थे। इसके लिए इन्हें 70-80 हजार रुपये दिए गए थे। इसमें 10-12 हजार रुपये बबीता और राधा को दिए गए। कुणाल ने कानून से बचने के लिए गर्लफ्रेंड राधा और उसकी सहेली बबीता को बतौर कूरियर इस्तेमाल किया। ये युवतियां सोनीपत की फैक्ट्री में काम करती हैं और उन पर कोई शक न करे, इसलिए उन्हें हथियार देकर मुंबई भेजा गया था। राधा, सीतापुर और बबीता आजमगढ़ की रहने वाली है।

इस मामले में मुंबई पुलिस ने बुधवार को सोनीपत पहुंचकर तीन और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गोहाना के बरोदा गांव से अंकित को पकड़ा। दावा है कि अंकित ने हमले से पहले मुंबई में रेकी की थी और हमलावरों के भागने व छिपने की योजना बनाई थी।

इसके अलावा खरखौदा से जतिन को पकड़ा गया। उस पर शूटरों को हथियार मुहैया कराने से पहले अमृतसर ले जाने का आरोप है। वहीं, सोनीपत एसटीएफ ने शूटर रेहान अंसारी के पड़ोसी समीर को मुंबई पुलिस को सौंपा है। मुंबई पुलिस तीनों को अदालत में पेश करने के बाद ट्रांजिट रिमांड पर साथ ले गई।

### डब्ल्यू डब्ल्यूएफ-इंडिया का अभियान

# प्रदूषण के खिलाफ डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-इंडिया की पहल, सुरक्षित और 'ग्रीन दिवाली' मनाने के लिए 130 शहरों में अवेयरनेस कैंपेन शुरू

**नई दिल्ली, एजेंसी।** सर्दियों की शुरुआत के साथ प्रदूषण बढ़ने की आशंका के बीच पटाखों से होने वाले वायु और ध्वनि प्रदूषण को कम करने के लिए डब्ल्यू डब्ल्यू एफ-इंडिया ने देशव्यापी ग्रीन दिवाली अभियान शुरू किया है।

20 अक्टूबर से आठ नवंबर तक चलने वाले इस अभियान के तहत लोगों, स्कूलों, कॉलेजों और सामुदायिक संगठनों से पटाखे नहीं जलाने तथा स्वच्छ, सुरक्षित और पर्यावरण अनुकूल दिवाली मनाने की अपील की गई है। राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) के तहत शामिल 130 शहरों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

डब्ल्यू डब्ल्यूएफ-इंडिया के पर्यावरण सूचना, जागरूकता, क्षमता निर्माण एवं आजीविका कार्यक्रम के तहत चलाए जा रहे इस अभियान का उद्देश्य



लोगों को प्रदूषण के प्रति जागरूक करने के साथ स्वच्छ हवा के लिए सामूहिक भागीदारी बढ़ाना है। इसके तहत स्कूलों की प्रार्थना सभाओं, कक्षाओं, जागरूकता रैलियों और सामुदायिक बैठकों में लोगों को पटाखामुक्त दिवाली मनाने की शपथ दिलाने का आह्वान किया गया है। पटाखों का प्रदूषण कई दिनों तक हवा में रह सकता है अभियान के अनुसार, पटाखों से पीएम 2.5 और पीएम 10 जैसे सूक्ष्म कणों के साथ सल्फर डाइऑक्साइड, नाइट्रोजन ऑक्साइड और जहरीली धातुओं के यौगिक निकलते हैं। दिवाली के आसपास सर्दी की शुरुआत, कम तापमान और शांत हवाओं के कारण प्रदूषक जमीन के करीब जमा रह सकते हैं। इससे हवा की गुणवत्ता बिगड़ती है और बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं तथा अस्थमा और हृदय व फेफड़ों की बीमारी से पीड़ित लोगों को विशेष परेशानी हो सकती है। पटाखों से आग लगने, जलने और पशु-पक्षियों को भी नुकसान पहुंचने का खतरा रहता है। डब्ल्यू डब्ल्यूएफ-इंडिया के मुताबिक, राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के तहत वर्ष 2025-26 में 130 में से 108 शहरों में 2017-18 की तुलना में वार्षिक पीएम 10 के स्तर में कमी दर्ज की गई।

## आउटर रिंग रोड पर अज्ञात वाहन ने पैदल चल रहे युवक को मारी टक्कर

**नई दिल्ली, एजेंसी।** दिल्ली के आउटर रिंग रोड पर हिट एंड रन का एक मामला सामने आया है। आईटीओ की तरफ जाने वाले रोड पर आईपी पार्क के गेट नंबर-4 के पास एक अज्ञात वाहन ने पैदल चल रहे ट्रक ड्राइवर को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी ड्राइवर वाहन समेत मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, सनलाइट कॉलोनी थाने की पुलिस को इमरजेंसी जीडी नंबर 16 के जरिए हादसे की सूचना मिली थी। सूचना मिलने पर एएसआई गजेंद्र सिंह और कांस्टेबल राकेश मौके पर पहुंचे। उन्होंने देखा कि सड़क किनारे एक अशोका लेलैंड ट्रक खड़ा था और उससे कुछ दूरी पर एक व्यक्ति खून से लथपथ पड़ा था।

## दिल्ली के बदरपुर-मीठापुर में 50 हजार लोगों को मिलेगी दूषित पानी से राहत, पाइपलाइन बदलने का काम शुरू

**नईदिल्ली, एजेंसी।** दक्षिणी दिल्ली के बदरपुर विधानसभा में मीठापुर सहित कई इलाकों में लंबे इंतजार के बाद आखिरकार 50 हजार की आबादी को दूषित जलापूर्ति से राहत मिलने की उम्मीद जगी है।

दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) की ओर से क्षतिग्रस्त पेयजल लाइनों को बदलने का काम शुरू हो चुका है। क्षेत्र में भारी आबादी करीब डेढ साल से घरों में गंदा पानी आने की समस्या से जूझ रही थी। इसे लेकर जल मंत्री प्रवेश वर्मा सहित जल बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारियों से कई शिकायतें होने के बावजूद समस्या हल नहीं हुई थी। 28 सितंबर के अंक में समस्या को प्रमुखता से प्रकाशित किया था। मामले पर संज्ञान लेते हुए काम शुरू हो चुका है। दरअसल, इलाके के वार्ड 182 और 183 में मीठापुर, सिंधु फार्म रोड, हर्ष विहार, प्रिंस कालोनी, ओमनगर, रूपनगर आदि कई कालोनियों में पेयजल संकट की समस्या थी। लोगों के मुताबिक घरों में तीन से चार दिनों तक पानी ही नहीं आता है। कई दिन इंतजार के बाद भी बदबूदार और गंदे पानी की आपूर्ति होती है।

इलाके में जल बोर्ड की पेयजल लाइनों कई जगहों से क्षतिग्रस्त होने के कारण सीवर और नालियों का पानी घरों तक पहुंच रहा था। अब पाइपलाइन बदलने से लोगों को उम्मीद है कि दूषित पानी की समस्या दूर होगी।

**संक्षिप्त समाचार**

## परम पूज्य शिवकृपानंद स्वामी विश्व ध्यान दिवस संचालन समिति के उपाध्यक्ष और दक्षिण एशिया के अध्यक्ष नियुक्त

**नई दिल्ली, एजेंसी।** विश्व मंच पर भारत की गहरी होती आध्यात्मिक छाप और सभ्यतागत कूटनीति को चिह्नित करने वाले एक ऐतिहासिक मील के पत्थर के रूप में, सम्मानित भारतीय आध्यात्मिक गुरु और हिमालयन समर्पण ध्यान के संस्थापक, परम पूज्य श्री शिवकृपानंद स्वामीजी को विश्व ध्यान दिवस संचालन समिति का उपाध्यक्ष और दक्षिण एशिया क्षेत्र का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति विश्व ध्यान दिवस संघ और विश्व ध्यान फाउंडेशन के बीच एक संयुक्त समझौते के माध्यम से औपचारिक रूप से घोषित की गई थी। लिकटेंस्टीन का प्रतिनिधित्व करने वाले कार्यवाहक अध्यक्ष एनरिको सोम्मा सहित वैश्विक हस्तियों के साथ, स्वामीजी उच्च स्तरीय अंतरराष्ट्रीय ब्यूरो में मुख्य प्रस्तावक राष्ट्र के रूप में भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं। यह उच्च स्तरीय नियुक्ति विश्व ध्यान दिवस (21 दिसंबर) के अंतरराष्ट्रीय पालन के अनुरूप है, जो वैश्विक गैर-सरकारी गति के माध्यम से शुरू की गई और बहुपक्षीय स्तर पर समर्थित एक पहल है, ताकि मानव के दैनिक जीवन में माइंडफुलनेस, आंतरिक संतुलन और सामूहिक चेतना को एकीकृत किया जा सके। आधिकारिक वैश्विक मंच और गवर्नेंस पोर्टल का औपचारिक अनावरण आगामी एआई + मेडिटेशन के दूसरे अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान होने वाला है, जो पारंपरिक हिमालयी ज्ञान और उभरती सीमांत तकनीकों के बीच एक अभूतपूर्व संगम का प्रतीक है। भारत की आध्यात्मिक श्रेष्ठता और सॉफ्ट पावर की पुन: पुष्टि भारत लंबे समय से योग, ध्यान और आंतरिक इंजीनियरिंग का केंद्र रहा है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को दुनिया भर में अपनाए जाने के बाद, यह नियुक्ति समग्र कल्याण और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व (वसुधैव कुटुम्बकम) के लिए वैश्विक दिशा-निर्देशक के रूप में भारत की मान्यता प्राप्त भूमिका को और मजबूत करती है।

## सागर के बच्चों की होगी मुफ्त सर्जरी

**सागर, एजेंसी।** भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) की बीना रिफाइनरी और एनजीओ स्माइल ट्रेन इंडिया, जो भारत में कटे होंठ और तालू के इलाज के लिए काम करने वाली सबसे बड़ी संस्था है, ने लगातार तीसरे वर्ष अपनी साझेदारी को आगे बढ़ाते हुए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस साझेदारी के तहत बीपीसीएल बीना रिफाइनरी मध्य प्रदेश के सागर, ग्वालियर, उज्जैन और भोपाल संभाग के 23 जिलों में कटे होंठ और तालू की समस्या से जूझ रहे 300 बच्चों की नि:शुल्क सर्जरी में सहयोग करेगी। इस पहल के तहत लोगों को कटे होंठ और तालू के बारे में जागरूक करने के लिए बैनर और समाचार पत्रों में सूचना सामग्री के माध्यम से अभियान भी चलाया जाएगा। इसका उद्देश्य परिवारों को इस समस्या की जल्द पहचान करने और घर के नजदीक उपलब्ध सुरक्षित एवं नि:शुल्क इलाज की जानकारी देना है। इसके साथ ही स्माइल ट्रेन इंडिया द्वारा संचालित देश की एकमात्र टोल-फ्री हेल्पलाइन 1800 103 8301 का भी व्यापक प्रचार किया जाएगा, ताकि जरूरतमंद परिवार समय पर इलाज और सहायता प्राप्त कर सकें। बीपीसीएल बीना रिफाइनरी के चीफ जनरल मैनेजर (एचआर), श्री शिरीष चांदेकर ने कहा, ‘हम जिन क्षेत्रों में काम करते हैं, वहां के बच्चों के स्वास्थ्य और बेहतर भविष्य के लिए सहयोग करना हमारी सीएसआर प्रतिबद्धता का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। हमें खुशी है कि हम इस पहल के माध्यम से 23 जिलों के 300 और बच्चों के इलाज में सहयोग कर रहे हैं।

## केरलम में भूस्खलन से ट्रेन का इंजन पटरी से उतरा, कई ट्रेनें रद

**तिरुवनंतपुरम, एजेंसी।** दक्षिण केरलम के तिरुवनंतपुरम जिले में परासला रेलवे स्टेशन के पास गुरुवार तड़के भूस्खलन होने से रेलवे के परिचालन पर असर पड़ा है। इस घटना में बिलासपुर-तिरुनेलवेली एक्सप्रेस का इंजन पटरी से उतर गया। रेलवे ने सुरक्षा के मद्देनजर फिलहाल ट्रेन सेवाएं पर रोक लगा दी है। छह पैसेंजर ट्रेनों को रद कर दिया है। वहीं, प्रभावित एक्सप्रेस ट्रेन को आंशिक रूप से रद कर दिया है। हादसा तब हुआ जब इस इलाके में भारी बारिश हो रही थी। इसी दौरान करीब रात को 2:19 पर हादसा हुआ। भूस्खलन की वजह से ट्रेन नंबर 22619 को परासला स्टेशन पर ही रोकना पड़ा। रेलवे से मिली जानकारी के अनुसार ट्रेन के रुकने के बाद इंजन पटरी से उतर गया।

# त्योहारी खरीदी में ठगों का साइबर जाल, रिटर्न-रिफंड से गिफ्ट कार्ड तक से धोखा

**भोपाल, एजेंसी।** दीपावली पर ऑनलाइन खरीदारी, घर लौटने के लिए ट्रेन टिकट की बुकिंग और मोबाइल पर आने वाले शुभकामना संदेशों के बीच साइबर ठगों का जाल बिछा हुआ है। ठग आकर्षक आफर देकर ही नहीं, बल्कि रिटर्न-रिफंड, टिकट बुकिंग, गिफ्ट कार्ड और दिवाली के बधाई संदेशों के नाम पर भी लोगों को निशाना बना सकते हैं। भोपाल पुलिस की साइबर सेल ने नागरिकों को सतर्क रहने की सलाह दी है। ऑनलाइन शापिंग के नाम पर पिछले दिनों भोपाल में ठगी के 10 से अधिक मामले सामने आने की जानकारी है। वहीं, पिछले वर्षों में दिवाली के बधाई संदेश भेजने के नाम पर भी साइबर ठगी के मामले सामने आए थे। ठग शुभकामना कार्ड या गिफ्ट के नाम पर संदिग्ध फाइल डाउनलोड करवाकर लोगों को निशाना बनाते हैं। ऐसे मामलों को देखते हुए पुलिस पहले ही एडवाइजरी जारी कर चुकी है। अधिकारियों का कहना है कि कुछ सावधानियां बरती जाएं तो साइबर ठगी के इस जाल से बचा सकता है। सस्ते सामान के नाम पर फर्जी वेबसाइट बनाकर भुगतान कराया जाता है, लेकिन सामान नहीं मिलता या नकली उत्पाद भेजा जाता है। सामान लौटाने या पैसा वापस दिलाने के नाम पर फर्जी कस्टमर केयर एजेंट लिंक भेजते हैं या एपीके फाइल डाउनलोड करवाते हैं। इससे मोबाइल का डेटा और बैंकिंग जानकारी खतरे में पड़ सकती है। कन्फर्म टिकट दिलाने या तत्काल टिकट कराने के नाम पर फर्जी वेबसाइट और एजेंट अग्रिम भुगतान लेकर गायब हो सकते हैं। दिवाली गिफ्ट कार्ड, मुफ्त उपहार, बोनस या गिफ्ट कार्ड का लालच देकर अनजान लिंक पर क्लिक कराया जा सकता है या एपीके फाइल इंस्टाल कराई जा सकती है।




# ग्वालियर हादसे के बाद फिर उठा सवाल

## जिम्मेदार पुलिसकर्मी बहाल हो गए लेकिन 13 महीने बाद भी जांच अधूरी

**इंदौर, एजेंसी।** ग्वालियर में शीतला माता मंदिर के पास नो-इंट्री में घुसे ट्रक से 15 लोगों की मौत के बाद एक बार फिर यह सवाल खड़ा हुआ है कि प्रतिबंधित मार्ग पर भारी वाहन के प्रवेश और उससे होने वाले जानलेवा हादसों के लिए जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई कितनी प्रभावी होती है।

इंदौर में भी 15 सितंबर 2025 को एयरपोर्ट रोड पर बेकाबू ट्रक ने कालानी नगर से बड़ा गणपति तक कई वाहन चालकों और राहगीरों को रौंद दिया था। हादसे में चार लोगों की मौत हुई थी और 15 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। घटना के बाद सात पुलिसकर्मियों को निलंबित किया गया था, लेकिन हादसे के 13 महीने छह दिन बाद भी विभागीय जांच की स्थिति और उसके अंतिम नतीजे को लेकर सवाल बने हुए हैं। जानकारी के अनुसार विभागीय जांच में बयान जारी है और 80 प्रतिशत पूरी हो चुकी है।15 सितंबर 2025 को एयरपोर्ट रोड पर एक बेकाबू ट्रक ने कालानी नगर से बड़ा गणपति की ओर जाते हुए रास्ते में वाहन चालकों और राहगीरों को टक्कर मारी थी।

करीब दो किलोमीटर के दायरे में ट्रक का तांडव चलता रहा। जो भी सामने आया, वह उसकी चपेट में आता गया। हादसे में चार बेगुनाह लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 15 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई थी। घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया था और पुलिस ने मौके पर पहुंचकर यातायात व्यवस्था संभाली थी। हादसे के बाद से ही शहर के प्रवेश



मार्गों पर यातायात पुलिस और पुलिस ने सख्ती अपनाई हुई हैं। जवानों और अधिकारियों की मौके पर तैनाती भी नजर आती हैं। भारी वाहनों का सुबह छह से रात 11 बजे तक नो-एंट्री है।

हादसे के बाद यह सवाल उठा था कि प्रतिबंधित मार्ग पर भारी वाहन कैसे पहुंचा और उसे रोकने के लिए प्रभावी व्यवस्था क्यों नहीं थी? घटना के बाद तत्कालीन डीसीपी यातायात अरविंद तिवारी, एएसपी सुदेश सिंह सहित संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई की गई।

सात पुलिसकर्मियों को निलंबित किए जाने की जानकारी सामने आई थी। इसके बाद विभागीय जांच शुरू हुई, जिसका उद्देश्य घटना में पुलिसकर्मियों की भूमिका और संभावित चूक की पड़ताल करना था।

# प्रोटोकॉल तोड़ भाजपा दफ्तर पहुंचे मुख्यमंत्री; राजेंद्र राठौड़ की नाराजगी की खबर लीक होते ही मची खलबली

**जयपुर, एजेंसी।** राजस्थान की सियासत में बुधवार रात उस वक्त अचानक भूचाल आ गया, जब मुख्यमंत्री अप्रत्याशित और असामान्य रूप से आनन-फानन में अपने आवास से सीधे प्रदेश भाजपा मुख्यालय पहुंच गए। मुख्यमंत्री की आवाजाही के दौरान अपनाए जाने वाले तयशुदा सख्त सुरक्षा प्रोटोकॉल और रूट-लाइनिंग को दरकिनार करते हुए जिस हड़बड़ी में यह काफिला निकला, उसने पुलिस महकमे से लेकर राजनीतिक हलकों तक में हड़कंप मचा दिया। सूत्रों के अनुसार, इस हड़बड़ाहट की मुख्य वजह वरिष्ठ भाजपा नेता राजेंद्र राठौड़ की कथित नाराजगी की खबर का पार्टी कार्यालय से बाहर लीक होना और सोशल मीडिया पर तेजी से फ्लैश होना था।

**टूटा सुरक्षा प्रोटोकॉल :** न पूरी रूट-लाइनिंग, न पूरा जाब्ता प्रत्यक्षदर्शियों और प्रशासनिक गलियारों से छनकर आ रही जानकारी के मुताबिक, बुधवार रात मुख्यमंत्री के मूवमेंट के दौरान सामान्य प्रोटोकॉल का पालन नहीं हो सका: तैयारी से पहले ही निकला काफिला : सामान्यत: मुख्यमंत्री के किसी भी दौरे से पहले संबंधित रूट पर भारी पुलिस जाब्ता, पायलट-एस्कॉर्ट गाड़ियां और ट्रैफिक डायवर्जन की पुख्ता व्यवस्था की जाती है। लेकिन कल रात पूरा पुलिस बंदोबस्त तैनात होने से पहले ही मुख्यमंत्री का काफिला आवास से रवाना हो गया। आनन-फानन में रूट पर उस वक्त मौजूद सीमित पुलिसकर्मियों ने ही




मशक्कत करते हुए ट्रैफिक को रोका और आधी-अधूरी खाली सड़क के बीच से मुख्यमंत्री की गाड़ी को निकालना पड़ा। कार्यालय से बाहर आई 'नाराजगी की खबर', 9:30 बजे से पहले हुआ सोशल मीडिया पर ब्लास्ट इस अचानक हुई सियासी दौड़-भाग के केंद्र में भाजपा के कद्दावर नेता राजेंद्र राठौड़ की नाराजगी का मामला बताया जा रहा है: दफ्तर से लीक हुई बात : भाजपा मुख्यालय के भीतर चल रहे घटनाक्रम और राजेंद्र राठौड़ की नाराजगी से जुड़ी आंतरिक चर्चाएं अप्रत्याशित रूप से कार्यालय की चारदीवारी से बाहर आ गईं।

**सोशल मीडिया पर वायरल :** रात करीब साढ़े नौ बजे से पहले ही यह खबर और अंदरखाने की तनातनी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर तेजी से फ्लैश होने लगी। जैसे ही इस बात की भनक सत्ता और संगठन के शीर्ष स्तर पर लगी, डैमेज कंट्रोल की कवायद तेज हो गई। औपचारिक तैयारी या सुरक्षा इंतजार के सीधे भाजपा मुख्यालय पहुंचे, ताकि नाराज खेमों से संवाद स्थापित कर मामले को तूल पकड़ने से रोका जा सके।

# करंट लगने से युवा कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष की मौत

**चंबा, एजेंसी।** हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के होली घाटी के दौरे से पहले चंबा में दर्दनाक हादसा हुआ है. सीएम के दौरे की तैयारियों में जुटे युवा कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष चंद्रमणी कुलेठी की करंट लगने से मौत हो गई है. इस घटना से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है. युवा कांग्रेस से जुड़े कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों में इस दुखद घटना को लेकर गहरा दुख है.

जनजातीय क्षेत्र भरमौर की होली घाटी में सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू के प्रस्तावित दौरे की तैयारियों के बीच पेश आए इस दुखद हादसे से हरकोई स्तब्ध है. मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने शोक प्रकट किया है. सीएम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा है, 'चंबा जिला के होली निवासी एवं यूथ कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष श्री चंद्रमणी कुलेठी जी के असामयिक निधन का समाचार अत्यंत दु:खद है. उनके निधन से कांग्रेस परिवार ने अपना एक समर्पित और कर्मठ युवा साथी खो दिया है. चंद्रमणी जी मेरे होली दौरे को लेकर बेहद उत्साहित थे, और कई दिन से कार्यक्रम की तैयारियों में जी-जान से जुटे थे. इस कठिन घड़ी में, मैं शोकाकुल परिवार के साथ खड़ा हूं. ईश्वर दिवंगत की आत्मा को शांति प्रदान करें तथा शोक-संतप्त परिवार को इस अपार दु:ख को सहन करने की शक्ति दें. ? शांति. ' मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू आज से दो दिवसीय (22 और 23 अक्टूबर को) चंबा दौरे पर रहने वाले हैं. इस दौरे को लेकर स्वागत की तैयारियां की जा रही थीं. इस दौरे को लेकर युवा कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष चंद्रमणी कुलेठी बेहद उत्सुक थे. चंद्रमणी कुलेठी अपनी टीम के साथ रात के समय भी पोस्टर, बैनर और झंडे लगाने के कार्य में जुटे थे. इसी दौरान रात करीब 12 बजे बिजली की लाइन की चपेट में आ गए. करंट लगने पर अचेत होते ही फौरन होली अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष सुरजीत भरमौरी ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि, युवा कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष चंद्रमणी कुलेठी की पार्टी के कार्य के दौरान करंट लगने से मौत हुई है. चूंकि, पार्टी के सच्चे सिपाही चंद्रमणी कुलेठी अंतिम सांस तक पार्टी के कार्य में लगे थे. इसलिए वह पार्टी के एक शहीद सिपाही हैं. उनकी पार्टी के प्रति निष्ठा को सदैव याद रखा जाएगा.

## पश्चिम बंगाल के मालदा में भाजपा कार्यकर्ता की बेरहमी से हत्या, परिवार ने तृणमूल कांग्रेस पर लगाए आरोप

**कोलकाता, एजेंसी।** पश्चिम बंगाल के अल्पसंख्यक-बहुल मालदा जिले में बदमाशों ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक कार्यकर्ता की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने गुरुवार को घटना की पुष्टि की। यह घटना बुधवार रात की है। मृतक की पहचान समीर घोष के रूप में हुई है। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, 'अभी तक मिली जानकारी के अनुसार, हत्यारों के एक ग्रुप ने पहले समीर घोष की बेरहमी से पिटाई की। इसके बाद, उसकी मौत पक्की करने के लिए, उसे पास से गोली मारी गई, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।' घटना की खबर मिलने के बाद बुधवार रात जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। इस घटना में शामिल लोगों की जांच की जा रही है। पुलिस ने एक व्यक्ति को हिरासत में लिया है और उससे पूछताछ की जा रही है। समीर घोष के परिवार वालों ने तृणमूल कांग्रेस से जुड़े स्थानीय बदमाशों पर हत्या के लिए जिम्मेदार होने का आरोप लगाया है। परिवार वालों का कहना है कि समीर घोष भाजपा से जुड़े थे। इसी कारण उन्हें निशाना बनाया गया। हालांकि, स्थानीय तृणमूल कांग्रेस नेतृत्व ने आरोपों से इनकार किया है। इस घटना के बाद इलाके में बहुत ज्यादा तनाव है। पता चला है कि यह घटना बुधवार रात मालदा जिले के इंग्लिश बाजार पुलिस स्टेशन के रामकेली इलाके में हुई। आरोप है कि जब लोग मूर्ति विसर्जन में व्यस्त थे।

# त्रिपुरा के युवक से नस्लीय दुर्व्यवहार पर बवाल: आमिर शौकीन ने मांगी माफी

**अगरतला, एजेंसी।** दिल्ली में त्रिपुरा के एक युवक के साथ कथित नस्लीय दुर्व्यवहार का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद विवाद बढ़ गया है। इस मामले में कंटेंट क्रिएटर आमिर शौकीन पर युवक के खिलाफ नस्लीय टिप्पणियां करने, आपत्तिजनक इशारे करने और त्रिपुरा के लिए अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल करने का आरोप है। बताया गया है कि यह वीडियो 19 सितंबर को अपलोड किया गया था। घटना को लेकर पूर्वोत्तर के लोगों में नाराजगी है और आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग उठ रही है।

विवाद के बीच आमिर शौकीन ने इंस्टाग्राम पर माफी मांग ली है। उन्होंने वीडियो को स्क्रिप्टेड यानी पहले से तय पटकथा के तहत बनाया गया बताया और दावा किया कि वीडियो में दिख रहा युवक उनका परिचित था। उन्होंने कहा कि उनका इरादा किसी को ठेस पहुंचाने का नहीं था। साथ ही, त्रिपुरा के लोगों से माफी मांगते हुए कहा कि अगर उनकी बातों से किसी की भावनाएं आहत हुई हैं तो उन्हें इसका अफसोस है। हालांकि, माफी के बाद भी मामले में पुलिस कार्रवाई की मांग जारी है।

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कथित नस्लीय दुर्व्यवहार की निंदा करते हुए आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की बात कही है। सोशल मीडिया मंच एक्स पर उन्होंने लिखा, 'इस बुरे व्यक्ति को सजा मिलेगी।



आधिकारिक शिकायत दर्ज कराने में देरी हुई, लेकिन दिल्ली पुलिस और त्रिपुरा पुलिस उसे सबक सिखाएगी।' रिजिजू ने यह भी कहा कि समाज में इस तरह के गलत व्यवहार को बर्दाश्त करने वाले लोग भी नफरत फैलने के लिए जिम्मेदार हैं। त्रिपुरा के दो संगठनों, यूथ टिपरा फेडरेशन (वाईटीएफ) और टिपरा इंडिजिनस स्टूडेंट्स फेडरेशन (टीआईएसएफ) ने अगरतला के एनसीसी पुलिस थाने में अलग-अलग शिकायतें दर्ज कराई हैं। शिकायतों में आमिर शौकीन पर त्रिपुरा के युवक को निशाना बनाकर कथित नस्लीय टिप्पणियां करने और राज्य के लोगों के लिए अपमानजनक भाषा इस्तेमाल करने का आरोप लगाया गया है। संगठनों ने मामले में जांच और उचित कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

### मुख्यमंत्री ने क्या कदम उठाया?

मामला सामने आने के बाद त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने राज्य के पुलिस महानिदेशक को दिल्ली पुलिस के साथ समन्वय करने का निर्देश दिया है। इस घटना पर अलग-अलग राजनीतिक दलों के नेताओं ने भी कार्रवाई की मांग की है।

**श्रद्धालुओं की सुविधाओं और सुरक्षा पर चर्चा**

# पटना साहिब में 360वें प्रकाश पर्व की तैयारियां तेज, प्रधानमंत्री को भेजा जाएगा निमंत्रण

**पटना साहिब, एजेंसी।** सिखों के दसवें गुरु श्री गुरु गोविंद सिंह महाराज जी के 360वें प्रकाश पर्व को भव्य तरीके से मनाने की तैयारियां तेज हो गई हैं। 13, 14 और 15 जनवरी 2027 को आयोजित होने वाले इस धार्मिक आयोजन को लेकर बुधवार को तख्त श्री हरिमंदिर जी पटना साहिब में गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी और जिला प्रशासन के अधिकारियों के बीच उच्चस्तरीय बैठक हुई। बैठक में देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा, यातायात व्यवस्था, साफ-सफाई, पेयजल और स्वास्थ्य सुविधाओं सहित विभिन्न व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। वहीं, प्रकाश पर्व के अवसर पर प्रधानमंत्री को भी आमंत्रित किया जाएगा।

प्रकाश पर्व की तैयारियों को लेकर आयोजित इस बैठक में मुख्य सचिव, डीजीपी प्रीति वर्मा,



जिलाधिकारी, एसएसपी कार्तिकेय के. शर्मा, आईजी जितेंद्र राणा, पूर्वी एसपी और पटना सिटी के एसडीओ कशिश बक्शी समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी शामिल हुए। बैठक के दौरान अधिकारियों ने आयोजन में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने और उन्हें बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए जरूरी व्यवस्थाओं पर विचार-विमर्श किया। यातायात को सुचारु बनाए रखने, गुरुद्वारा परिसर और आसपास के क्षेत्रों में साफ-सफाई, पेयजल की उपलब्धता तथा स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने पर भी जोर दिया गया।

गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष जगजोत सिंह सोही ने बताया कि श्री गुरु गोविंद सिंह महाराज जी के 360वें प्रकाश पर्व के अवसर पर प्रधानमंत्री को भी आमंत्रित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस बड़े धार्मिक आयोजन को भव्य और व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने के लिए कमेटी तैयारियों में जुटी है। आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए प्रशासन और गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी मिलकर काम कर रहे हैं। पटना साहिब सिखों के दसवें गुरु श्री गुरु गोविंद सिंह महाराज जी की जन्मस्थली है।

## बांध में डूबने से दो युवकों की मौत; तीन घायल

**पन्ना, एजेंसी।** मध्य प्रदेश के पन्ना जिले के देवेंद्रनगर थाना क्षेत्र में देवेंद्रनगर-बड़ागांव बांध पर दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान दर्दनाक हादसा हो गया। प्रतिमा को पानी में ले जाते समय दो युवक गहरे पानी में डूब गए और उनकी मौत हो गई, जबकि तीन अन्य युवक घायल हो गए। घटना के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बांध में दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन किया जा रहा था। इसी दौरान प्रतिमा को पानी के अंदर ले जाते समय दो युवक गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। आ गए, जिन्हें बचा लिया गया। हादसे में तीन युवक घायल हुए हैं। मृतकों की पहचान आयुष अग्रवाल (18 वर्ष), पिता शेष अग्रवाल, निवासी वार्ड क्रमांक 12, देवेंद्रनगर तथा कृष्णा सोनी (25 वर्ष), पिता नारायण दास सोनी, निवासी वार्ड क्रमांक 12, देवेंद्रनगर के रूप में हुई है।

## छत्तीसगढ़ के कारोबारी की चंडीगढ़ में होटल में संदिग्ध मौत, साथ आई महिला से पूछताछ

**रायपुर, एजेंसी।** रायपुर के कारोबारी और आमासिवनी स्थित संजय ग्रेन प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध संचालक दीपक मित्तल (56) की चंडीगढ़ के होटल में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। वे मार्कफेड की बैठक में शामिल होने चंडीगढ़ गए थे। बुधवार तड़के करीब छह बजे होटल ताज के कमरे में बेसुध मिलने के बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। कमरे से शराब की खाली बोतल और कुछ दवाइयां मिली हैं। कारोबारी के साथ एक रात पहले होटल में देखी गई महिला को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। मौत का कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं है। जानकारी के अनुसार, बुधवार सुबह होटल का एक वेटर कमरे के सामने से गुजर रहा था। दरवाजा खुला होने पर वह अंदर पहुंचा तो दीपक मित्तल बिस्तर पर बेसुध पड़े थे। वेटर ने उन्हें जगाने की कोशिश की, लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। इसके बाद होटल प्रबंधन को सूचना दी गई। कर्मचारी उन्हें अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। शव को पोस्टमार्टम के लिए मर्चुरी में रखवाया गया। घटना की सूचना पर पुलिस और फारेंसिक टीम ने होटल पहुंचकर जांच की। कमरे से शराब की खाली बोतल और दवाइयां मिलने की जानकारी सामने आई है। प्रारंभिक जांच में नशे के ओवरडोज की आशंका जताई जा रही है, लेकिन इसकी पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस मौत के कारणों का पता लगाने के लिए पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों का इंतजार कर रही है। बताया जा रहा है कि दीपक मित्तल के साथ घटना से एक रात पहले एक महिला होटल आई थी। पुलिस उसे हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

## युद्ध अपराधों और नरसंहार के खिलाफ जवाबदेही जरूरी

**संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी।** भारत ने दो अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायाधिकरणों (ट्रिब्यूनलों) के काम को जारी रखने के लिए स्थापित तंत्र को बनाए रखने का समर्थन किया है। भारत का कहना है कि



इससे इन दो क्षेत्रों में हुए युद्ध अपराधों और नरसंहार के लिए जवाबदेही सुनिश्चित बनी रहेगी। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने बुधवार को कहा, 'भारत इस तंत्र के बचे हुए कार्यों को जारी रखने के महत्व पर जोर देता है। इन कार्यों में पीड़ितों और गवाहों की सुरक्षा, राष्ट्रीय न्यायिक प्रणालियों की मदद करना और ट्रिब्यूनल के अभिलेखों (आर्काइव्स) को सुरक्षित रखना व उनका प्रबंधन करना शामिल है।' उन्होंने कहा, 'ये कार्य इन विशेष ट्रिब्यूनलों की विरासत को बचाने और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए बहुत जरूरी हैं।' सांसद मनीष तिवारी 'इंटरनेशनल रेसिडुअल मैकेनिज्म फॉर क्रिमिनल ट्रिब्यूनल्स' (आईआरएमसीटी) पर महासभा के एक सत्र में बोल रहे थे। इस तंत्र को 2010 में सुरक्षा परिषद द्वारा स्थापित किया गया था, ताकि रवांडा और पूर्व यूगोस्लाविया के लिए बने अंतरराष्ट्रीय आपराधिक ट्रिब्यूनलों के अधूरे काम को पूरा किया जा सके। रवांडा ट्रिब्यूनल ने गृहयुद्ध के दौरान तुत्सी समुदाय के नरसंहार के लिए जिम्मेदार लोगों पर मुकदमा चलाया और 1994 में अपना काम पूरा कर लिया। वहीं, युद्ध अपराधों के लिए न्याय करने वाला यूगोस्लाविया ट्रिब्यूनल 1993 में बंद हो गया था। यूगोस्लाविया ट्रिब्यूनल में 111 मुकदमे चले और 90 लोगों को दोषी ठहराया गया। इनमें से एक व्यक्ति की अपील अभी भी आईआरएमसीटी के पास लंबित है। रवांडा ट्रिब्यूनल ने लगभग आठ लाख तुत्सी लोगों और कुछ उदारवादी हुतु लोगों के नरसंहार के मामले में 86 लोगों को आरोपी बनाया था। यह नरसंहार हुतु चरमपंथियों द्वारा किया गया था, जिनका उस समय रवांडा की सरकार पर नियंत्रण था। ट्रिब्यूनल से कुछ मामले अपने हाथ में लेने के बाद, आईआरएमसीटी ने 61 लोगों को दोषी ठहराया। तिवारी ने कहा, 'हम अपराध करके बच निकलने (इम्प्युनिटी) के खिलाफ लड़ाई में इस तंत्र के योगदान को मानते हैं। हम इसके जनादेश को न्याय, निष्पक्षता, समानता और उचित कानूनी प्रक्रिया के सिद्धांतों के अनुसार पूरा करने के महत्व को दोहराते हैं। न्याय के हितों को बनाए रखना और पीड़ितों के अधिकारों की रक्षा करना बहुत जरूरी है।'

## सऊदी अरब में बढ़ा सुरक्षा संकट: एयरपोर्ट पर हमले में एक की मौत

**रियाद, एजेंसी।** बहरीन और कतर के पास फारस की खाड़ी से सटे पूर्वी सऊदी अरब के दम्मम में स्थित किंग फहद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हुए एक हमले में सऊदी अरब के एक निवासी की मौत हो गई। यह जानकारी सऊदी नागरिक उड्डयन प्राधिकरण ने दी। प्राधिकरण ने यह भी बताया कि बुधवार देर रात हुए इस हमले में आठ लोग घायल हुए हैं। वहीं, हवाई अड्डे को कुछ नुकसान भी पहुंचा है। फ्लाइट-ट्रैकिंग सेवा 'फ्लाइटराडार24' ने एक्स (ट्विटर) पर जानकारी दी कि हवाई अड्डे की ओर आ रही उड़ानों का मार्ग बदल दिया गया है। अधिकारियों ने यह नहीं बताया कि यह हमला किसने किया। न ही इस बारे में कोई अन्य जानकारी दी। सऊदी अरब के प्रमुख हवाई अड्डों को निशाना बनाकर किए जा रहे हूती विद्रोहियों के मिसाइल और अन्य हमलों के बीच, किंग फहद हवाई अड्डे पर पहले भी हमले हो चुके हैं ।ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने इस हमले पर अभी तक कोई टिप्पणी नहीं की है। सऊदी गठबंधन ने बताया कि उसने पूर्वी क्षेत्र में चार ड्रोन हमलों को नाकाम कर दिया है। बुधवार देर रात, अमेरिका ने अपने कुछ राजनयिकों और सरकारी कर्मचारियों के परिवारों को सऊदी अरब छोड़ने का आदेश दिया। यह कदम यमन के ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों द्वारा देश में किए गए कई घातक हमलों और तनाव बढ़ने की आशंकाओं के मद्देनजर उठाया गया है। तेल क्षेत्र में, एक ड्रोन को मार गिराए जाने के बाद उसके मलबे की चपेट में आने से दो लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए।

# दाऊद 2003 से पहले भारत छोड़ चुका था: भारत ने यूएन की रिपोर्ट पर जताई आपत्ति

**अल्बानी, एजेंसी।** भारत ने आतंकवाद-विरोधी (काउंटर-टेरर) रिपोर्ट में भेदभाव को लेकर यूएन के रिपोर्टर्स की कड़ी आलोचना करते हुए निष्पक्षता के उच्च मानकों को बनाए रखने की मांग की। बता दें कि यूएन के रिपोर्टर बेन सॉल ने अपनी रिपोर्ट में दाऊद इब्राहिम को भारत केंद्रित डी-कंपनी क्रिमिनल गैंग का लीडर बताया था, जिसके आतंकी संबंध हैं। इस पर नाराजगी जताते हुए, भारतीय राजनयिक रघु पुरी ने यूएन असेंबली में कहा, 'हम संयुक्त राष्ट्र के विशेष प्रतिवेदक (एसआर) की इस मंजूर न करने वाली स्थिति पर गंभीर चिंता जाहिर करते हैं। वह गलत तथ्यों वाली रिपोर्ट जारी कर रहा है, जबकि उसे इसके लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जा रहा है। इससे सदस्य देशों के सामने एक तय बात सामने आती है, जो इस संगठन के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है जो अपनी वैधता की चुनौतियों का सामना कर रहा है।'

दाऊद पर भारत ने क्या कहा?

पुरी ने इस बात पर जोर दिया कि दाऊद एक वांछित अपराधी था और पाकिस्तान में



रहता था, जिस देश में ओसामा बिन लादेन को ढूंढकर मार गिराया गया था। भारतीय राजनयिक ने कहा, 'रिपोर्ट में बताया गया है कि 2003 में, सुरक्षा परिषद ने एक आपराधिक समूह, 'डी-कंपनी' के सरगना को अल-कायदा से जुड़े होने के कारण अपनी सूची में शामिल किया था। अगर इस बात को अलग से देखा जाए, तो यह असल सच्चाई से बिल्कुल अलग तस्वीर पेश करती है। यह संगठन और इसका सरगना दाऊद इब्राहिम, 1993 से ही भारत में आतंकी हमलों के मामलों में वांछित हैं। 1267 प्रतिबंध व्यवस्था के तहत सूची में शामिल किए जाने के कारणों के विवरण में यह बात साफ तौर पर लिखी गई है। इस तथ्य का जिक्र न करना अफसोसजनक है। विशेष जनादेश प्राप्त अधिकारियों की ओर से ऐसी अक्षमता इस संगठन (के खिलाफ की जा रही कार्रवाई) को भारी नुकसान पहुंचाती है। मैं रिकॉर्ड के लिए इसे स्पष्ट कर देना चाहता हूं। यह व्यक्ति 2003 में सूची में शामिल किए जाने से बहुत पहले ही भारत से भाग गया था। इसी दौरान, देश के बाहर रहते हुए, उसे अल-कायदा और ओसामा बिन लादेन से जुड़े होने के कारण सूची में डाला गया था। आज भी वह मेरे देश में एक वांछित अपराधी है। संयुक्त राष्ट्र की सूची के अनुसार, वह उसी देश में रह रहा है जहां ओसामा बिन लादेन मिला था और जिसे वहीं मार गिराया गया था।' मानवाधिकारों और आतंकवाद-रोधी ढांचे का इस्तेमाल करना एक फैशन बन गया है। मानवाधिकार ढांचा आतंकवाद फैलाने वालों और कट्टरपंथ व चरमपंथ को बढ़ावा देने वालों के लिए कोई पनाहगाह नहीं हो सकता। आतंकवाद को कभी भी सही नहीं ठहराया जा सकता। पुरी ने पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल की एक टिप्पणी पर भी कड़ा प्रहार किया और फिर से स्पष्ट किया कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है। उन्होंने कहा, 'पाकिस्तान के प्रतिनिधि ने अभी जो बयान दिया है, उसके बारे में इस कमरे में मौजूद हर कोई जानता है। मेरे देश के खिलाफ (जिसमें केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर और लद्दाख का जिक्र भी शामिल है) जो कुछ भी कहा गया है, वह पूरी तरह से प्रोपेगेंडा है और इसका मकसद केवल संकीर्ण राजनीतिक फायदे हासिल करना है और यह सब पाकिस्तान के असली शासकों, यानी वहां की सेना के इशारे पर हो रहा है। मैं रिकॉर्ड के लिए फिर से दोहराना चाहता हूं कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख भारत का अभिन्न अंग हैं, हमेशा से रहे हैं और हमेशा रहेंगे। मैं पाकिस्तानी प्रतिनिधि के इस बयान पर कोई और टिप्पणी करके इसे कोई अहमियत नहीं देना चाहता।'

# अमेरिका के 'मदर ऑफ ऑल बॉम्ब्स' के जवाब में ईरान की धमकी

**पश्चिम एशिया संकट: क्या फिर बिगड़ने वाले हैं हालात?**

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका और इस्राइल ईरान पर नए हमलों की योजना बना रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी मध्यावधि चुनाव के बाद ईरान के ऊर्जा ठिकानों, परमाणु केंद्रों और मिसाइल-ड्रोन के जखीरे को निशाना बनाया जा सकता है। उधर, ईरान ने अमेरिका को 'फादर ऑफ ऑल बॉम्ब्स' दिखाने की धमकी दी है। हालांकि, इस हथियार के बारे में तेहरान ने कोई जानकारी नहीं दी है। द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, सैन्य तैयारियों के साथ कूटनीतिक बातचीत भी जारी है और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हमले को मंजूरी दी है या नहीं, यह अभी साफ नहीं है।

अमेरिका और इस्राइल किस तरह के हमले की तैयारी कर रहे हैं?

रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों देशों की सेनाओं ने ईरान के खिलाफ सीमित अवधि के लेकिन तीव्र सैन्य अभियान की योजनाएं तैयार की हैं। इसमें ईरान के ऊर्जा ढांचे, परमाणु ठिकानों और मिसाइल व ड्रोन क्षमता को निशाना बनाने की तैयारी है। रिपोर्ट में अमेरिकी अधिकारियों और योजना से जुड़े लोगों के हवाले से बताया गया है कि दोनों सेनाओं ने अभ्यास भी तेज कर दिए हैं। इनमें इराक के ऊपर से विमान उड़ाकर हमले की रणनीति का अभ्यास करना शामिल है। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका के युद्ध मंत्री पीट हेगसेथ ने इस सप्ताह इस्राइल में प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से मुलाकात की। इसमें ईरान



पर दोबारा हमले की संभावनाओं पर चर्चा हुई। कुछ अमेरिकी अधिकारियों का मानना है कि नए हमलों से ईरान की अर्थव्यवस्था पर इतना दबाव पड़ सकता है कि उसे बातचीत में रियायतें देने के लिए मजबूर होना पड़े। हालांकि, ट्रंप प्रशासन की ओर से अब तक हमले को अंतिम मंजूरी दिए जाने की पुष्टि नहीं हुई है।

ईरान से जुड़े मीडिया संस्थान स्टूडेंट न्यूज नेटवर्क (एसएनएन) के मुताबिक, इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के प्रवक्ता होसैन मोहेब्बी ने अमेरिका को चेतावनी दी। उन्होंने कहा, 'अमेरिका के पास 'मदर ऑफ ऑल बॉम्ब्स' है। हम उन्हें 'फादर ऑफ ऑल बॉम्ब्स' दिखाएंगे और यह निश्चित रूप से उनके लिए कुछ नया होगा।' हालांकि, ईरान ने यह नहीं बताया कि यह हथियार क्या है, इसकी क्षमता कितनी है या धमकी का वास्तविक मतलब क्या है। रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप ईरान के गहराई में बने पिकैक्स माउंटेन परमाणु ठिकाने पर 22,000 पाउंड वजनी जीबीयू-43/बी मैसिव ऑर्डनेंस एयर ब्लास्ट (एमओएबी) बम इस्तेमाल करने पर विचार कर चुके हैं। इसे 'मदर ऑफ ऑल बॉम्ब्स' कहा जाता है। हालांकि, हथियार विशेषज्ञों ने इसकी प्रभावशीलता पर सवाल उठाए हैं। यह बम जमीन के ऊपर विस्फोट करता है, जबकि संबंधित परमाणु ठिकाना ग्रेनाइट चट्टानों के बीच भूमिगत है। सैन्य अधिकारियों ने यह भी चेताया है कि बम ले जाने वाले धीमी गति से उड़ने वाले एमसी-130 विमान को ईरान की विमानरोधी गोलीबारी का खतरा हो सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका नवंबर की शुरुआत तक बड़ी सैन्य ताकत तैनात करने की तैयारी कर रहा है।

# दिवाली के रंगों से सजा खास अमेरिकी डाक टिकट, ह्यूस्टन की कलाकार की रंगोली की खूबसूरत कलाकृति को मिली जगह

**वाशिंगटन, एजेंसी।** यूएस पोस्टल सर्विस (यूएसपीएस) ने दिवाली के त्योहार के सम्मान में एक डाक टिकट जारी किया है। इस टिकट पर ह्यूस्टन की रहने वाली कलाकार संगीता भूताडा द्वारा बनाई गई एक बेहद सुंदर रंगोली का डिजाइन है। अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा, यूएसपीएस की सीनियर वाइस प्रेसिडेंट शिबानी गंभीर और संगीता भूताडा ने बुधवार शाम को भारतीय दूतावास में आयोजित एक कार्यक्रम में इस डाक टिकट का अनावरण किया। यूएसपीएस ने रंगोली को जमीन पर बनाई जाने वाली एक जीवंत कलाकृति बताया है। इसे पारंपरिक रूप से रंगीन चावल के पाउडर, चॉक और फूलों की पंखुड़ियों जैसी चीजों से बनाया जाता है और माना जाता है कि इससे सौभाग्य आता है। मूल रूप से भारत की रहने वालीं भूताडा लंबे समय से ह्यूस्टन इलाके में रह रही हैं। वह लगभग 30 वर्षों से रंगोली की इस प्राचीन लोक कला का अभ्यास कर रही हैं। इस डाक टिकट को जेनिफर अर्नोल्ड ने डिजाइन किया था और विलियम जे गिकर इसके आर्ट डायरेक्टर



थे। भूताडा ने मीडिया को बताया कि यूएसपीएस ने एक साल से भी ज्यादा समय पहले उनसे संपर्क करके इस डाक टिकट को बनाने के लिए कहा था। उन्होंने कहा, 'मैंने यूएसपीएस के साथ एक दर्जन स्केच साझा किए थे, जिनमें से उन्होंने चार को चुना। रंगोली बनाने के काम में लगभग 10 दिन लगे। सुझाव मिला था कि इसमें चमकीले रंगों का इस्तेमाल किया जाए, जो डाक टिकट पर ज्यादा अच्छे दिखेंगे।' असली रंगोली का व्यास आठ फीट था। इसमें सफेद रंग के अलावा नीला, नारंगी, हरा और लाल जैसे चमकीले रंगों का इस्तेमाल किया गया था।

## मैक्रों का ट्रंप-नेतन्याहू पर निशाना: बोले- फ्रांस के खिलाफ अभियान चला रहे विदेशी नेता

**दोहा, एजेंसी।** फ्रांस में हालिया हिंसा को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के बयानों के बीच राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने विदेशी नेताओं की आलोचना की है। बुधवार को कतर की राजधानी दोहा में पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि कुछ नेता फ्रांस की कीमत पर अपना राजनीतिक अभियान चला रहे हैं। मैक्रों ने किसी का नाम लिए बिना कहा कि अटलांटिक के इस पार और उस पार, दोनों तरफ के नेता चुनावी अभियान की मुद्रा में हैं। उन्होंने कहा, 'कुछ लोग फ्रांस की कीमत पर अपना अभियान चलाते हैं। इनमें ऐसे नेता भी हैं, जो यहां इस क्षेत्र में या अटलांटिक के दूसरी तरफ अपने राजनीतिक अभियान में जुटे हैं।' मैक्रों तीन दिन की कतर और खाड़ी क्षेत्र की यात्रा पर हैं। इस यात्रा का उद्देश्य फ्रांस में जीवनयापन की बढ़ती लागत के संकट के बीच देश की ऊर्जा आपूर्ति सुरक्षित करना भी है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को फ्रांस में जारी विरोध प्रदर्शनों और हिंसा के लिए आव्रजन को जिम्मेदार ठहराया था। उन्होंने दावा किया कि पेरिस जल्द ही एक मुस्लिम शहर बन जाएगा। ट्रंप ने फ्रांस की सीमाएं बंद नहीं करने के लिए मैक्रों की आलोचना भी की। ट्रंप ने व्हाइट हाउस के बाहर पत्रकारों से कहा कि फ्रांस में जो हो रहा है, उसका संबंध स्कूलों या किसी दूसरी समस्या से नहीं, बल्कि आव्रजन से है। उन्होंने कहा कि मैक्रों उनके दोस्त हैं, लेकिन दुनिया भर से लोगों को फ्रांस में आने देने का फैसला गलत था। ट्रंप ने अमेरिकी मतदाताओं को चेतावनी देते हुए फ्रांस के हालात को अमेरिका में डेमोक्रेटिक पार्टी की जीत के संभावित नतीजों से भी जोड़ा। मैक्रों ने कहा कि फ्रांस में हुई घटनाओं के पीछे किसी विदेशी हस्तक्षेप के स्पष्ट संकेत नहीं हैं। हालांकि, उन्होंने आरोप लगाया कि घटनाओं के बाद गलत सूचनाएं फैलाने के लिए विदेशी स्तर पर हेरफेर किया गया। उनके मुताबिक, इससे कई विदेशी नेताओं की ओर से गलत और गैर-जिम्मेदाराना टिप्पणियां सामने आईं। मैक्रों ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता से तैयार ऐसी तस्वीरों पर भी आपत्ति जताई, जिनमें फ्रांस में ऐसी घटनाएं दिखाई गईं जो वास्तव में हुई ही नहीं थीं। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों ने फ्रांस में प्रवासियों और इस्लामवादियों की भारी भीड़ के घुस आने का दावा किया। जब एक पत्रकार ने सीधे पूछा कि क्या उनकी टिप्पणी ट्रंप के लिए थी, तो मैक्रों ने जवाब दिया हां। उन्होंने आगे कहा कि मौजूदा हालात में पता चलता है कि फ्रांस से कौन प्यार करता है और कौन नहीं। उनके मुताबिक, जो लोग अभी उनके देश के बारे में बुरा बोल रहे हैं, वे फ्रांस से प्यार नहीं करते।

# रूसी जेल में टूट गए थे स्टीफन हबर्ड: बेटे को था ये डर, रिहाई पर ट्रंप ने बाइडन को घेरा

**मास्को, एजेंसी।** रूस की जेल से रिहा हुए अमेरिकी नागरिक स्टीफन हबर्ड के बेटे जोसेफ कोलमैन ने बताया कि हिरासत के दौरान उनके पिता जिंदगी से बेहद निराश हो गए थे। पिछले साल फोन पर हुई बातचीत में पिता की हालत सुनकर उन्हें डर लगा था कि शायद वह उन्हें दोबारा कभी नहीं देख पाएंगे। कोलमैन ग्रीक ऑर्थोडॉक्स पादरी हैं। उन्होंने बुधवार को सीबीएस न्यूज को दिए अपने पहले टेलीविजन साक्षात्कार में पिता की मानसिक स्थिति के बारे में बताया।

कोलमैन ने कहा, 'वह उस समय जिस जिंदगी का सामना कर रहे थे, उससे बेहद थक चुके थे। मैं आत्महत्या के विचारों की बात नहीं कहना चाहता, लेकिन बातचीत से लगा कि उनकी निराशा कुछ उसी दिशा में बढ़ रही थी।' उन्होंने बताया कि रिहाई से पहले पिता से करीब एक मिनट फोन पर बात हुई। इस बार उनकी आवाज मई 2025 में हुई पिछली बातचीत के मुकाबले बेहतर लगी।

74 वर्षीय स्टीफन हबर्ड अमेरिका के सेवानिवृत्त शिक्षक हैं। रूस ने 2022 में यूक्रेन पर बड़े पैमाने पर हमला शुरू करने के कुछ समय बाद उन्हें यूक्रेन में पकड़ लिया था। उन पर यूक्रेन की ओर से लड़ने और भाड़े के लड़ाकों के लिए एक चौकी पर तैनात रहने का आरोप लगाया गया था। बाद में बंद कमरे में हुई सुनवाई के बाद उन्हें लगभग सात साल की सजा सुनाई गई। उनके परिवार ने लगातार इन आरोपों को खारिज किया है। अमेरिकी सरकार ने भी उन्हें गलत तरीके से हिरासत में रखा गया नागरिक माना था।

हबर्ड के वकील मार्टिन डी लुका के मुताबिक, फरवरी 2025 में जब उनकी



कानूनी टीम ने मामला संभाला, तब परिवार और अमेरिकी दूतावास को भी ठीक से पता नहीं था कि उन्हें कहां रखा गया है। बाद में वकीलों ने उनका पता लगाया और मुलाकात के साथ भोजन व जरूरी सामान के लिए पैसे की व्यवस्था की। स्टीफन हबर्ड की रिहाई की घोषणा 21 अक्तूबर को अमेरिकी राष्ट्रपति के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की मुलाकात के दौरान हुई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि पुतिन उनकी मांग पर हबर्ड को रिहा करने के लिए राजी हुए और इसके लिए किसी कैदी की अदला-बदली नहीं करनी पड़ी। ट्रंप ने यह भी कहा कि रूस पर नए प्रतिबंध लागू नहीं करने के उनके फैसले ने रिहाई में भूमिका निभाई। व्हाइट हाउस ने सोशल मीडिया पर हबर्ड की रिहाई को लेकर पोस्ट करते हुए पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन और डेमोक्रेट्स पर निशाना साधा। पोस्ट में लिखा गया, 'स्टीफन हबर्ड और उनका परिवार रूस से घर लौट रहे हैं। यह काम स्लीपी जो बाइडन और डेमोक्रेट्स को बहुत पहले ही कर देना चाहिए था! इस बयान के जरिए ट्रंप ने रिहाई का श्रेय लेते हुए अपने राजनीतिक विरोधियों पर हमला बोला। हबर्ड के वकील ने कहा कि उनकी टीम ने उन लोगों से बातचीत की, जो उन्हें जानते थे। साथ ही, युद्ध शुरू होने से पहले की उनकी परिस्थितियों की भी जांच की गई। वकील के अनुसार, उन्हें ऐसा कोई सबूत नहीं मिला जिससे साबित हो कि हबर्ड यूक्रेनी सेना में शामिल थे। उन्होंने कहा कि रूस की केस फाइल का बड़ा हिस्सा गोपनीय था और उनकी टीम ने आरोपों के समर्थन में सबूत मांगे थे। उन्होंने इसे बड़े संघर्ष के बीच शांति की दिशा में छोटा कदम बताया और पुतिन को रिहाई की मंजूरी देने के लिए धन्यवाद दिया।

# ट्रंप के खिलाफ बेटे ने ही खोला मोर्चा; पिता को दी चेतावनी, ईरान युद्ध में अमेरिका को मत घसीटो

**वाशिंगटन, एजेंसी।** ईरान के साथ जारी सैन्य संघर्ष को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के परिवार के भीतर भी असहमति होने का दावा किया गया है। द अटलांटिक की एक रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप के बड़े बेटे डॉनल्ड ट्रंप जूनियर ने अपने पिता के साथ निजी बातचीत में ईरान युद्ध को लेकर चिंता जताई और अमेरिका को मध्य पूर्व के एक और युद्ध में शामिल करने का विरोध किया। रिपोर्ट के मुताबिक, 2024 के राष्ट्रपति चुनाव अभियान के दौरान डॉन जूनियर चाहते थे कि उनके पिता अमेरिका को मध्य पूर्व में एक और युद्ध में उलझने से बचाएं। हालांकि, रिपोर्ट में जिन सूत्रों का हवाला दिया गया है, उनके अनुसार, बाद में अमेरिका ईरान के साथ लंबे समय तक चलने वाले सैन्य संघर्ष में शामिल हो गया।रिपोर्ट में एक सूत्र के हवाले से कहा गया कि डॉन जूनियर ने ईरान युद्ध के प्रति अपना विरोध निजी बातचीत में बार-बार व्यक्त किया है। हालांकि, वह सार्वजनिक रूप से अपने पिता के खिलाफ इस मुद्दे पर बोलने से बचते रहे हैं। सूत्र ने कहा कि डॉन अपने विचारों को निजी रखते हैं और कोई ऐसा व्यक्ति जो उन्हें अच्छी तरह जानता है, उनके निजी रुख से हैरान नहीं होगा। डॉन जूनियर को रिपब्लिकन पार्टी के उस धड़े के करीब माना जाता है, जो अमेरिकी घरेलू प्राथमिकताओं को विदेशी सैन्य अभियानों से ऊपर रखने की वकालत करता है। रिपोर्ट के अनुसार, वह दिवंगत रूढ़िवादी कार्यकर्ता चार्ली किर्क के भी करीबी रहे थे, जो विदेशी युद्धों में अमेरिकी भागीदारी के विरोधी थे।

**ह्वाइट हाउस में भी बढ़ा असहमति-** ईरान युद्ध ने ट्रंप के राजनीतिक आधार माने जाने वाले 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' यानी एमएजीए खेमे के भीतर मतभेदों को उजागर किया है। इस खेमे के कुछ नेताओं और समर्थकों का मानना है कि विदेशी युद्धों पर संसाधन खर्च करने से अमेरिका की घरेलू समस्याओं, आर्थिक प्राथमिकताओं और नागरिकों की जरूरतों से ध्यान हटता है। रिपोर्ट में एक सूत्र ने डॉन जूनियर को ट्रंप के समर्थक खेमे का बेहद प्रमुख प्रतिनिधि बताया। इससे यह बहस तेज हुई है कि विदेश नीति और सैन्य अभियानों को लेकर ट्रंप के समर्थकों के बीच एक जैसी राय नहीं है। द अटलांटिक की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ट्रंप प्रशासन के कुछ वरिष्ठ अधिकारियों ने भी ईरान संघर्ष को लेकर निजी तौर पर संदेह जताया था। इनमें उपराष्ट्रपति जेडी वेंस का नाम शामिल है। रिपोर्ट के अनुसार, इजराइल के सैन्य अभियान का समर्थन करने या न करने पर विचार-विमर्श के दौरान कुछ अधिकारियों ने संघर्ष में अमेरिकी भागीदारी को लेकर सवाल उठाए थे। ष्ट्ठ निदेशक जॉन रैटक्लिफ और विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भी कथित तौर पर इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की फरवरी में पेश की गई शुरुआती योजना पर संदेह जताया था। उनकी चिंता थी कि केवल हवाई हमलों के जरिये किसी शासन को सत्ता से हटाने का लक्ष्य हासिल करना कितना संभव होगा। रिपोर्ट में प्यू रिसर्च सेंटर के एक सर्वेक्षण का भी उल्लेख किया गया है। इसके मुताबिक, 28 सितंबर से 4 अक्टूबर 2026 के बीच किए गए सर्वेक्षण में 65 प्रतिशत अमेरिकी नागरिकों ने ईरान संघर्ष से निपटने के ट्रंप के तरीके पर असहमति जताई, जबकि 33 प्रतिशत ने इसका समर्थन किया।

## पूर्व सीएम सोहेल अफरीदी लापता, हाईकोर्ट सख्त; पुलिस से 10 दिन में मांगी रिपोर्ट

**पेशावर, एजेंसी।** पाकिस्तान हाईकोर्ट ने खैबर पख्तूनख्वा (केपीके) के पूर्व मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी को लेकर प्रांतीय पुलिस प्रमुख और वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों को तलब किया है। बुधवार को अदालत ने 10 दिनों के भीतर उनके ठिकाने और कानूनी स्थिति पर रिपोर्ट मांगी है। अदालत अफरीदी के भाई की दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी। मामले की अगली सुनवाई 3 नवंबर को होगी। अदालत ने पुलिस महानिरीक्षक, राजधानी शहर के पुलिस अधिकारी (सीसीपीओ), मुख्य सचिव और गृह सचिव से पूछा है कि क्या अफरीदी को गिरफ्तार किया गया है या किसी आपराधिक मामले में उनका नाम दर्ज है। खैबर पख्तूनख्वा में 11 अक्तूबर को बिगड़ती कानून-व्यवस्था का हवाला दे आपातकाल लागू किया गया था। (पीटीआई) के कई नेताओं के साथ अफरीदी को भी हिरासत में लिया गया था। अफरीदी के भाई मुहम्मद आमिर ने उनकी रिहाई की मांग के लिए दायर याचिका में पूर्व मुख्यमंत्री को अवैध रूप से हिरासत में रखने का आरोप लगाया है। याचिका के मुताबिक, अफरीदी को हथियारबंद और नकाबपोश लोगों ने पेशावर में सीसीपीओ की मौजूदगी में अगवा किया था और आपातकाल या गवर्नर शासन लागू होने का हवाला देकर अफरीदी को अवैध तरीके से हिरासत में रखने को सही नहीं ठहराया जा सकता। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में आपातकाल घोषित किया था।

संक्षिप्त समाचार

## तैराकी में कपिल कुमार ने पुरुषों की 400 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा में जीता सिल्वर मेडल

**नागोया ।** एशियन पैरा गेम्स 2026 में गुरुवार को कपिल कुमार ने तैराकी में पुरुषों की 400 मीटर फ्रीस्टाइल एस10 फाइनल में सिल्वर मेडल अपने नाम किया। कपिल कुमार ने 4:38.44 के समय के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। जापान के अकिटो मिनाई ने 4:27.44 के गेम्स-रिकॉर्ड समय के साथ गोल्ड मेडल जीता, जबकि ईरान के शाहीन इजद्यार ने 4:38.65 के समय के साथ ब्रॉन्ज मेडल पर कब्जा जमाया। पांच तैराकों के इस फाइनल में कपिल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पोडियम पर अपनी जगह बनाई और इजद्यार से मामूली अंतर से आगे रहे। हालांकि, मिनाई ने




रिकॉर्ड तोड़ते हुए अच्छी बढ़त बना ली थी, लेकिन भारतीय तैराक ने दूसरा स्थान बनाए रखा और इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता में भारत के मेडलों की संख्या में एक और मेडल जोड़ दिया। इस सिल्वर मेडल के साथ ही इन खेलों में कपिल का अभियान भी पूरा हो गया। उन्होंने पैरा-स्विमिंग में भारत को एक और पोडियम फिनिश दिलाई। एस10 क्लासिफिकेशन उन तैराकों के लिए है, जिन्हें शारीरिक रूप से कम गंभीर दिक्कतें होती हैं। इसमें पैरों में कमजोरी, पैर न होना, घुटने के नीचे का हिस्सा न होना या कूल्हे से जुड़ी शारीरिक समस्याएं शामिल होती हैं। पैरा-स्विमिंग में, 'एस' का इस्तेमाल फ्रीस्टाइल, बैकस्ट्रोक और बटरफ्लाई इवेंट्स के लिए किया जाता है, जबकि 'एसबी' का मतलब ब्रेस्टस्ट्रोक और 'एसएम' का मतलब व्यक्तिगत मेडल प्रतियोगिताओं से होता है।

## चैंपियंस लीग: रियल मैड्रिड ने आरबी लीपजिग और रियल बेटिस ने फेयेनूर्ड को हराया

**मैड्रिड ।** रियल मैड्रिड ने रविवार को एफसी बार्सिलोना के खिलाफ होने वाले बड़े मुकाबले से पहले आरबी लीपजिग को 4-1 से हराकर अपनी फॉर्म दिखाई। शुरुआती मिनटों में थिबॉट कोर्टोइस ने रोमुलो और क्रिस्टोफर न्कुंकू को रोकने के लिए दो शानदार बचाव किए, जिसके बाद रियल मैड्रिड ने बढ़त बना ली। अर्डा गुलर के शॉट को शुरू में मार्टेन वांडेवोर्ड्ट ने बचा लिया, लेकिन गेंद गोलकीपर के पैरों के बीच फंस गई, जिससे बर्नार्डो सिल्वा को गोल करने का मौका मिल गया। गुलर ने 52वें मिनट में रियल मैड्रिड



की बढ़त दोगुनी कर दी, जब काइलियन एम्बाप्पे के हेडर ने उन्हें पास से एक आसान गोल करने का मौका दिया। एमबाप्पे ने सात मिनट बाकी रहते रियल मैड्रिड के लिए तीसरा गोल किया, पेनल्टी एरिया के किनारे से बॉल लेकर अंदर कट करके दूर कोने में शॉट मारा। सबस्टिट्यूट यान डियोमांडे के पास अपने पुराने क्लब के खिलाफ गोल करने का अभी भी समय था। विंगर, जो गर्मियों में लीपजिग से मैड्रिड आए थे, ने 87वें मिनट में एक जोरदार वॉली मारी।

एक अन्य चैंपियंस लीग मैच में स्पेनिश टीम रियल बेटिस ने फेयेनूर्ड को 1-0 से हराया। इस्को की 59वें मिनट की पेनल्टी ने बेटिस के लिए जीत पक्की कर दी। इस जीत के साथ बेटिस की लीग फेज में स्थिति मजबूत हो गई। कप्तान इस्को ने पेनल्टी स्पॉट से अहम गोल किया और बेटिस के लिए लगातार चैंपियंस लीग मैचों में गोल करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए।

फेयेनूर्ड की तरफ से विंगर अनीस हाज मूसा लगातार बेटिस के लिए खतरा बने रहे, लेकिन बेटिस की मजबूत रक्षा पंक्ति ने कभी भी उन्हें गोल के करीब नहीं आने दिया।

# 18 वर्षीय इवा जोविक का शानदार प्रदर्शन

### निंगबो ओपनः जैस्मीन पाओलिनी को हराकर बनाई क्वार्टर फाइनल में जगह



**निंगबो ।** अमेरिका की युवा खिलाड़ी इवा जोविक ने निंगबो ओपन में शानदार डेब्यू किया है। गुरुवार को सेंटर कोर्ट पर हुए राउंड-16 के मैच में उन्होंने दो बार ग्रैंड स्लैम फाइनल खेल चुकीं जैस्मीन पाओलिनी को हराया। चौथी वरीयता प्राप्त जोविक को पहले राउंड में 'बाय' (सीधे अगले राउंड में प्रवेश) मिला था। पहले सेट में 1-3 से पिछड़ने के बाद उन्होंने वापसी की और पाओलिनी को 6-4, 6-3 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। 18 वर्षीय जोविक की सर्विस पहले सेट में एक बार ब्रेक हुई थी और वह 1-3 से पीछे चल रही थीं। हालांकि, धीमी शुरुआत के बाद उन्होंने वापसी की और पांचवें तथा नौवें गेम में पाओलिनी की सर्विस ब्रेक करके पहला सेट अपने नाम कर लिया। दूसरे सेट में भी इटली की खिलाड़ी पाओलिनी को अपनी सर्विस के साथ संघर्ष करना पड़ा, और जोविक ने चार बार उनकी सर्विस ब्रेक की। हालांकि, इस दौरान अमेरिकी खिलाड़ी जोविक की भी दो बार सर्विस ब्रेक हुई, लेकिन फिर भी उन्होंने दूसरा सेट जीतकर सीधे सेटों में जीत हासिल कर ली।

इस जीत के साथ जोविक और पाओलिनी के बीच हेड टू हेड मुकाबलों का रिकॉर्ड 2-2 की बराबरी पर आ गया है। यह पाओलिनी के खिलाफ जोविक की लगातार दूसरी जीत है। इससे पहले, उन्होंने इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलियन ओपन में भी पाओलिनी को हराया था। अमेरिकी खिलाड़ी इस सीजन में अपने सातवें क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई हैं। वह इससे पहले छह में से पांच क्वार्टर फाइनल मैच को जीतकर सेमीफाइनल तक पहुंचने में सफल रही हैं। जोविक ने दुनिया की टॉप 50 खिलाड़ियों में शामिल पाओलिनी को हराकर उनके खिलाफ अपनी 20वीं जीत दर्ज की। यह इस साल उनकी 42वीं टूर-लेवल जीत है, जो जोविक के करियर का अब तक का सबसे बेहतरीन सीजन साबित हो रहा है। जोविक का अब सामना एलेक्जेंड्रा एला या फ्रेंच ओपन की सेमीफाइनलिस्ट डायना श्नाइडर में से किसी एक से होगा। इन दोनों खिलाड़ियों के खिलाफ जोविक का रिकॉर्ड शानदार रहा है और वह अभी तक उनसे कभी नहीं हारी हैं। एला के खिलाफ उनका हेड-टू-हेड रिकॉर्ड 3-0 है, जबकि श्नाइडर के खिलाफ उनका रिकॉर्ड 1-0 है। जोविक इस सीजन में बेहतरीन फॉर्म में चल रही हैं। उन्होंने हाल ही में पिछले महीने अपने ग्वाडलहारा ओपन खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया। उन्होंने 2025 में भी यह खिताब जीता था। जोविक के लिए यूएस ओपन एक शानदार टूर्नामेंट रहा, जहां वह पहली बार चौथे दौर तक पहुंचीं।




# भारत का सबसे सफल चेज

### न्यूजीलैंड को पहले मैच में चार विकेट से हराकर 1-0 की बढ़त बनाई; सैमसन-श्रेयस और नमन चमके

**क्राइस्टचर्च ।** भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज की शुरुआत धमाकेदार अंदाज में की है। क्राइस्टचर्च में खेले गए पहले मुकाबले में टीम इंडिया ने छह विकेट गंवाकर 226 रन चेज कर लिए।

यह टीम इंडिया के टी20 इतिहास का सबसे सफलतम चेज है। इससे पहले भारत ने 2026 में ही न्यूजीलैंड के खिलाफ रायपुर में 209 रन चेज किए थे। वहीं, 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भी 209 रन सफलतापूर्वक हासिल किए थे। ओवरऑल टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे सफल चेज का रिकॉर्ड दक्षिण अफ्रीका के नाम है। उन्होंने 2023 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 259 रन सफलतापूर्वक चेज किए थे।

वहीं, यह न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरा सबसे सफल चेज है। इस मामले में नंबर एक पर ऑस्ट्रेलिया है, जिसने 2018 में ईडन पार्क में कीवियों के खिलाफ 244 रन



सफलतापूर्वक चेज किए थे।

भारत के लिए संजू सैमसन ने सबसे ज्यादा रन बनाए। उन्होंने 33 गेंद में आठ चौके और चार छक्के की मदद से 67 रन बनाए। वहीं, अभिषेक शर्मा ने 12 गेंद में दो चौके और तीन छक्के की मदद से 29 रन बनाए।

अभिषेक और सैमसन ने पहले विकेट के लिए 5.5 ओवर में 93 रन जोड़े। इस धमाकेदार शुरुआत के बाद भारत ने 29 रन बनाने में चार विकेट गंवा दिए थे।

122 रन के स्कोर तक भारत के चार विकेट गिर चुके थे। अभिषेक और सैमसन के बाद तिलक वर्मा छह रन और ईशान किशन एक रन बनाकर आउट हुए थे।

### भारतीय टी20 क्रिकेट के इतिहास में पहली बार हुआ ऐसा

## गेंदबाजों के नाम दर्ज हुआ अनचाहा रिकॉर्ड

क्राइस्टचर्च । भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहला टी20 इंटरनेशनल मुकाबला हेगले ओवल के मैदान पर खेला जा रहा है। पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड ने 20 ओवर में 4 विकेट गंवाकर 225 रन बनाए। इस मुकाबले में भारतीय गेंदबाजों का प्रदर्शन निराशाजनक रहा और उनके नाम अनचाहा रिकॉर्ड दर्ज हो गया है। टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट के इतिहास में पहली बार भारत के पांच गेंदबाजों ने एक ही मैच में 40 रन या उससे ज्यादा खर्च किए। चार साल बाद टीम में लौटे भुवनेश्वर कुमार ने 4 ओवर के स्पेल में 49 रन खर्च किए। वहीं, अर्शदीप सिंह ने 4 ओवर में 45 रन देकर एक विकेट चटकाया। वहीं, मयंक यादव ने चार ओवर में 40 रन दिए। अक्षर पटेल सबसे महंगे साबित हुए और उन्होंने 4 ओवर में एक विकेट लेकर 51 रन खर्च किए। नीतीश कुमार रेड्डी ने भी 4 ओवर में बिना कोई चटकाए 40 रन दिए। भारत के हर गेंदबाज का इकोनॉमी 10 से ऊपर रहा। न्यूजीलैंड की तरफ से ग्लेन फिलिप्स बेहतरीन लय में दिखाई दिए और उन्होंने 40 गेंदों में 82 रनों की नाबाद पारी खेली। फिलिप्स ने अपनी इस पारी में 8 चौके और 3 छक्के लगाए। वहीं, फिन एलन ने 24 गेंदों में 45 रनों का योगदान दिया।

### टी20 रिकॉर्डः 7वीं बार पारी की अपनी पहली ही गेंद पर जड़ा छक्का, इस मामले में अभिषेक शर्मा बने 'नंबर-1'



**क्राइस्टचर्च, ।** अभिषेक शर्मा ने न्यूजीलैंड के खिलाफ गुरुवार को हैगली ओवल में जारी टी20 सीरीज के पहले मैच में 29 रन की तूफानी पारी खेली। अभिषेक को भारतीय पारी की छठी गेंद पर स्ट्राइक मिली, जिस पर उन्होंने मैट हेनरी के खिलाफ छक्का लगाया। टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में ऐसा सातवीं बार था, जब अभिषेक ने अपनी पारी की पहली ही गेंद पर छक्का जड़ा। इसी के साथ अभिषेक टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा बार अपनी पहली गेंद पर छक्का लगाने वाले बल्लेबाज बन गए। इस लिस्ट में अफगानिस्तान के शफीकुल्लाह शिनवारी दूसरे पायदान पर हैं, जिन्होंने अपने करियर में 6 बार ऐसा किया। वहीं, पूर्व भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव 5 बार ऐसा कर चुके हैं। गुरुवार को टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम ने ग्लेन फिलिप्स (नाबाद 82), बेवॉन जैकब्स (31) और फिन एलन (45) की तूफानी पारियों के दम पर 20 ओवरों में 4 विकेट खोकर 225 रन बनाए। इसके जवाब में अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन की सलामी जोड़ी ने भारत को तूफानी शुरुआत दिलाई। दोनों खिलाड़ियों ने पहले विकेट के लिए 35 गेंदों में 93 रन की साझेदारी की। संजू 33 गेंदों में 4 छक्कों और 8 चौकों के साथ 67 रन बनाकर आउट हुए, जबकि अभिषेक ने 12 गेंदों में 3 छक्कों और 2 चौकों के साथ 29 रन बनाए। अभिषेक शर्मा-संजू सैमसन की जोड़ी ने टी20 अंतरराष्ट्रीय फॉर्मेट में एक कैलेंडर ईयर में 5 बार 50+ रन की ओपनिंग साझेदारी के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है।

## ग्लेन फिलिप्स की धमाकेदार पारी

भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहला टी20 इंटरनेशनल मुकाबला हेगले ओवल के मैदान पर खेला जा रहा है। पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड ने 20 ओवर में 4 विकेट खोकर स्कोरबोर्ड पर 225 रन लगाए हैं। टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड टीम को टिम सीफर्ट और फिन एलन ने बेहतरीन शुरुआत दी। दोनों ने मिलकर पहले विकेट के लिए 49 रन जोड़े। सीफर्ट 17 गेंदों में 24 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने अपनी इस पारी में 3 चौके और एक छक्का लगाया। एलन ने 24 गेंदों का



सामना करते हुए 45 रनों की दमदार पारी खेली। उन्होंने अपनी इस इनिंग में 5 चौके और 2 छक्के लगाए। डेरिल मिचेल अच्छी शुरुआत का फायदा नहीं उठा सके और 19 गेंदों में 28 रन बनाकर आउट हुए। मिचेल को अर्शदीप ने पवेलियन भेजा।

इसके बाद ग्लेन फिलिप्स और बेवन जैकब्स ने मोर्चा संभाला और चौथे विकेट के लिए महज 32 गेंदों में 73 रनों की बेहतरीन साझेदारी निभाई। जैकब्स 16 गेंदों में 3 छक्कों की मदद से 31 रन बनाने के बाद रनआउट हुए। फिलिप्स ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 27 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने 40 गेंदों का सामना करते हुए 82 रनों की नाबाद पारी खेली।

### बुकायो साका की चोट को मैनेजर आर्टेटा ने बताया गंभीर

# बायर्न म्यूनिख के खिलाफ टीम के प्रदर्शन को सराहा

**म्यूनिख ।** बायर्न म्यूनिख और आर्सेनल के बीच खेला गया चैंपियंस लीग मैच 2-2 से ड्रॉ रहा। इस मैच के 10वें मिनट में विंगर बुकायो साका को मैदान से बाहर जाना पड़ा। आर्सेनल के मैनेजर मिकेल आर्टेटा ने कहा कि साका की जांघ की चोट बिल्कुल भी सही नहीं लग रही है। काई हावर्ट्ज ने एक खतरनाक स्थिति में साका की तरफ गेंद बढ़ाई, लेकिन बायर्न के डिफेंस ने उन्हें घेर लिया। यह साका का इस मैच में आखिरी योगदान साबित हुआ, क्योंकि 9 मिनट बाद ही उन्हें चोट (बिना किसी टक्कर के) के कारण मैदान से बाहर जाना पड़ा। उनकी जगह एबेरे एजे मैदान पर आए।



आर्टेटा ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'यह उनकी जांघ की चोट है। यह मैच की शुरुआत में ही हो गई थी। उनके खेल में जिस स्तर की तीव्रता की जरूरत होती है, वह वाकई कमाल की है।

इसमें बेहतरीन क्वालिटी, ताकत और पूरे ध्यान की जरूरत होती है, जो कि उच्चतम स्तर पर होना चाहिए। हालांकि, दुर्भाग्य से, ऐसी चीजें हो जाती हैं। यह बिल्कुल भी सही नहीं लग रही है, लेकिन हमें इंतजार करना होगा और देखना होगा कि आगे क्या होता है। '

# छत्तीसगढ़ हॉकी लीग: पहला मुकाबला राजधानी रॉयल्स और न्यायधानी नाइट्स के बीच

**रायपुर ।** ओलंपियन ललित उपाध्याय के नेतृत्व वाली राजधानी रॉयल्स का मुकाबला गुरुवार को पहली छत्तीसगढ़ हॉकी लीग (सीएचएल) में ओलंपिक मेडलिस्ट सुरेंद्र कुमार के नेतृत्व वाली न्यायधानी नाइट्स से होगा। दिन का खेल एक विमेंस एग्जीबिशन मैच से शुरू होगा, जिससे विमेंस हॉकी शुरू से ही सीएचएल स्टेज पर आ जाएगी। सीएचएल को छत्तीसगढ़ सरकार का खेल और युवा कल्याण विभाग आयोजित करता है। हॉकी इंडिया ने इसे मंजूरी दी है। यह देश की पहली हॉकी लीग है, जिसे कोई राज्य सरकार चला रही है। इसकी टैगलाइन 'चलो रे संगी, हॉकी खेलबो' है।

छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री अरुण साव




ने कहा, 'छत्तीसगढ़ ने देश को विंसेंट लाकड़ा, मृणाल चौबे, रेणुका यादव और सबा अंजुम जैसे महान हॉकी खिलाड़ी दिए हैं और यह लीग यह पक्का करेगी कि भविष्य में इस लीग के जरिए ऐसे कई नाम स्थापित होंगे। ' उन्होंने कहा, 'मुझे गर्व के साथ याद है कि ठीक 25 साल पहले आज ही के दिन, इंडियन जूनियर हॉकी टीम ने वर्ल्ड कप जीता था। खास तौर पर, उस सुनहरी, विजयी टीम के एक जाने-माने सदस्य, देवेश चौहान, इस टूर्नामेंट में छत्तीसगढ़ टीम के हेड कोच के तौर पर काम कर रहे हैं। यह कॉम्पिटिशन राज्य में हॉकी को एक बेहतरीन, प्रोफेशनल लेवल पर स्थापित करने में एक मील का पत्थर साबित होगा। '

लीग की हर फ्रेंचाइजी का नेतृत्व एक ओलंपियन मार्की खिलाड़ी करेगा, जो छत्तीसगढ़ के युवा खिलाड़ियों के साथ खेलेगा। ललित कुमार उपाध्याय (राजधानी रॉयल्स), सुरेंदर कुमार (न्यायधानी नाइट्स), शमशेर सिंह (संस्कारधानी स्ट्राइकर्स), एसवी सुनील (चक्रधर चैंपियंस), प्रदीप मोर (मैनपाट टाइटन्स) और चिंगलेनसाना सिंह कंगुजम (बैलाडीला बुल्स) के मार्की खिलाड़ी हैं।

हर टीम में 22 सदस्य हैं, जो ओपन ट्रायल्स के जरिए चुने गए हैं।